

सोच समझकर पढ़ना क्योंकि तुम्हारी सारी  
धारणाएँ टूटने वाली है ।  
यह पुस्तक तुम्हारी नीवें हिला देगी ।

## PARMATMANA

यह अध्यात्म है ! हिन्दू-मुस्लिम होना नहीं ?

—  
By The Parmatmana World



**welcome in the ground of True Religion.**

Here we are providing some important questions about the Religion. Kindly read carefully if you have another question in your mind you can send by mail. We will reply as soon as possible.

## आत्मा का अस्तित्व है या नहीं?

जिस प्रकार की आत्मा का वर्णन तुम्हारे शास्त्रों में है ऐसा कोई भी अस्तित्व नहीं है। वह कुछ और ही है तुम देख तो सकते हो लेकिन तुम उसे पुस्तकों में से पढ़कर कुछ भी नहीं समझ सकते हो।



<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

3

बस इतना ही सूक्त है!  
जिस दिन तुम्हें यह पृष्ठ पढ़ना आ जाए  
तो मानना तुम अध्यात्म में पारंगत हो गए।



संसार का स्वरूप क्या है? क्या यह स्थिर है या परिवर्तनीय?

तुम्हारी सारी कल्पनाओं का नाम ही संसार है। और जो-जो मूढ़ता भरी कहानियां तुमने सुन रखी है अपने-अपने धर्मों के विषय की उसका नाम संसार है। यह पेड़-पौधे, नदी-पर्वत, पशु-पक्षी आदि इसका नाम संसार नहीं है। और झूठ है तुम्हारी यह पंक्ति कि ब्रह्म सत्य जगत मिथ्या! सही सूत्र है!

जगत सत्य और ब्रह्म तुम!

parmatmana  
the ultimate wisdom

<https://jagteraho.co.in/>    <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

5

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



क्या धर्म की निरंतरता है, या यह परिवर्तनशील है?

जिसे तुम धर्म कह रहे हो वो धर्म नहीं छलावा है। धर्म तो एक प्रकार के होश का नाम है तुम्हारे में घट गया तो तुम धार्मिक। और जब किसी को होश आ जाता है तो वह कम या ज्यादा नहीं होता।

और निरंतरता!

तो धर्म नहीं यह जगत का होना और तुम्हारा होना निरंतरता है।



parmatmana  
the ultimate wisdom

<https://jagteraho.co.in/>    <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

7

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



## निर्वाण की प्राप्ति कैसे होती है और यह क्या है?

निर्वाण कोई मरने के बाद होने वाली उपलब्धि नहीं होती। तुम्हारा आज में उपस्थित होने का नाम ही निर्वाण है। और तुम्हारा भूत-भविष्य में होने का नाम ही बंधन है। इसी को प्रबुद्ध जनों ने महानिर्वाण कहा है।





<https://jagteraho.co.in/>    <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

9

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



## संसार की उत्पत्ति और इसका कारण क्या है?

वस्तु में गति और परिवर्तनशील होने के कारण अणु ने अपने जैसे अणुओं का विस्तार किया और अरबों वर्ष बाद जो हमें दिख रहा है यह उस एक अणु का ही स्वरूप है। अणु आज भी खेल रहा है उसका अंत कभी भी नहीं है। और इसका कारण-कुछ भी नहीं है। पक्षियों के गाने का, फूलों के सुगन्धित होने का, नदियों के संगीत का, फलों के मीठे होने को और मेरा तुम्हें समझाने का कोई भी कारण नहीं है। यह सभी अकारण है।

<https://jagteraho.co.in/>    <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

11

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



भौतिक वस्तुओं की स्थिति और उनकी वास्तविकता क्या है?

कोई भी वस्तु स्थिर नहीं होती। तुम्हारे प्रयोग में जो आ जाए वो तुम्हारे लिए वास्तविक है। जैसे लकड़ी में आग हजारों वर्ष पहले भी थी लेकिन आदि मानव के लिए आग वास्तविक नहीं थी। तुम्हारे में भी वही आत्मा विद्यमान है जो बुद्धों में होती है लेकिन बुद्धों के लिए आत्मा वास्तविक और तुम्हारे लिए कल्पना मात्र।

**parmatmana**  
the ultimate wisdom

<https://jagteraho.co.in/>    <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

13

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



कर्म का प्रभाव किस प्रकार से कार्य करता है?

तुम्हारे सबकॉन्शियस में जाकर तुम्हारे ही चारों तरफ सुख और दुख पैदा करता है। और उसके अलावा कहीं कोई व्यक्ति नहीं बैठा है जो तुम्हारे कर्मों के पाप-पुण्य का हिसाब रख रहा है।



<https://jagteraho.co.in/>    <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

15

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



ध्यान और साधना का क्या महत्व है और यह कैसे काम करता है?

ध्यान का जो तात्पर्य तुम सभी ने आंखें बंद कर मौन होने से मान लिया है वह त्रुटिपूर्ण है। ध्यान का मतलब बाहर की आंखें बंद कर मौन नहीं रहना है बल्कि बुद्धि से मौन होना है। यानी निर्विचार होना है। और निर्विचार होना ध्यान है और उस निर्विचार होने की विधि का नाम साधना है।

**parmatmana**  
the ultimate wisdom



<https://jagteraho.co.in/>    <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

17

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



सुख और दुख के स्रोत और उनके संबंध क्या है ?

तुम्ही उसके स्रोत हो। तुम्हारा होना ही दुख है और न होना ही सुख है। जैसे तुम्हारे ऊपर आज 10 किलों की सोने की सिल्लियां लादी जाएं और कहा जाए कि यह तुम्हारी है ले जाओ तो तुम सुख मानोगे और सोचो अगर हमारी दुनिया में सोना इतना होता कि सड़कों के किनारे सोने के कूड़े के ढेर लगे होते तो उस समय जब तुम्हारे ऊपर 10 किलों की सोने की सिल्लियां लादी जाती तो तुम उसी का दुख मानते।

<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

19

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



विवेक और अज्ञान के बीच अंतर क्या है?

इसका उत्तर कोई दूसरा तुम्हें समझाएगा भी तो तुम्हारे लिए व्यर्थ ही होगा। ध्यान करो, विवेक आएगा तो अज्ञान का पता चल जाएगा। वैसे अज्ञान नामक कोई वस्तु नहीं होती। जैसे अंधकार नामक कोई वस्तु नहीं है केवल प्रकाश का न होना ही अंधकार है। ऐसे ही विवेक का, ज्ञान का, बोध का, प्रज्ञा का न होना ही अज्ञान है।

**parmatmana**  
the ultimate wisdom

<https://jagteraho.co.in/>    <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

21

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



मुक्ति प्राप्त करने के साधन और विधियाँ क्या है ?

मुक्ति प्राप्त करने की विधि या साधन कोई नहीं होते। हाँ! बंधन में बंधने की विधि या साधन जरूर होते है।

जैसे स्वास्थ्य प्राप्त करने की कोई भी औषधि नहीं होती। हाँ ! बीमारी हटाने की औषधि जरूर होती है। और जब औषधि खा ली जाती है बीमारी ठीक हो जाती है तो जो बचता है उसी का नाम स्वास्थ्य है।

ऐसे ही जब बंधनों को पहचान लिया जाता है और बंधनों से दूरी बना ली जाती है तो जो होता है उसी का नाम मुक्ति है।

parmatmana  
the ultimate wisdom

<https://jagteraho.co.in/>    <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

23

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



सम्यक दृष्टि का क्या अर्थ है और यह कैसे प्राप्त की जाती है?

सम्यक यानी सम दृष्टि, यानी एकी भाव। यानी लाभ-हानि से परे का भाव। और स्वयं के मिटने के बाद ही यह प्राप्त होती है। बस यह ध्यान रखना जिसको यह प्राप्त होती है वह ही नहीं रहता। अब तक यहां जितने भी प्रश्नों के उत्तर दिए हैं यह सभी स्थिति स्वयं के मिटने के बाद ही प्राप्त होती है।

parmatmana  
the ultimate wisdom



<https://jagteraho.co.in/>    <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

25

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

26

सम्यक वाणी का क्या महत्व है और यह कैसे प्रभावी होती है?

तुम्हारे मिटने से जो आचरण उत्पन्न होगा उस से जो तुम बोलोगे उसी का नाम सम्यक वाणी होता है।



<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

27

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



सम्यक आचरण के सिद्धांत क्या है और इसे कैसे अपनाया जाता है ?

यानी समता का व्यवहार। लेकिन इसका तात्पर्य दूसरों के साथ व्यवहार करना कम और अपने साथ व्यवहार करना ज्यादा है। धर्म दूसरे से व्यवहार, आचरण, बोलचाल आदि का नाम नहीं है। धर्म तो नाम है स्वयं के ठीक होने का। अगर तुम ठीक हो गए तो सभी कृत्य भीतर और बाहर के स्वयं धार्मिक हो जाएंगे।

**parmatmana**  
the ultimate wisdom

<https://jagteraho.co.in/>    <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

29

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



धर्म क्या है? क्या हिन्दू, मुस्लिम, सिख, ईसाई होना धर्म नहीं है?

धर्म नाम है तुम्हारे भीतर की वीणा के बजने का, तुम्हारे भीतर संसार के प्रति प्रेम के पैदा होने का। और जो मार्ग है उस प्रेम तक पहुँचने के उनका नाम है हिन्दू, मुस्लिम, सिख, ईसाई ।



<https://jagteraho.co.in/>    <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

31

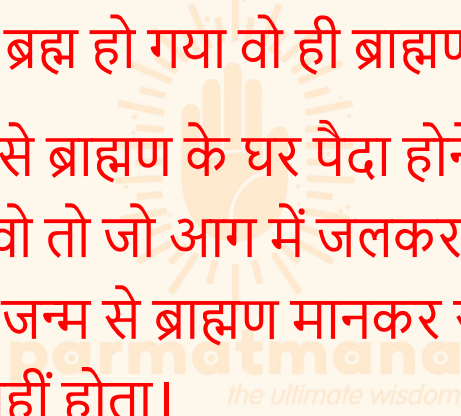
केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



## ब्राह्मण का क्या तात्पर्य है?

ब्राह्मण बना है ब्रह्म धातू से यानि जिसने ब्रह्म का साक्षात्कार कर लिया, जिसने ब्रह्म का अनुभव कर लिया, जिसने ब्रह्म को जान लिया और जो स्वयं ब्रह्म हो गया वो ही ब्राह्मण।

इस शब्द का जन्म से ब्राह्मण के घर पैदा होने से कोई भी लेना-देना नहीं है। वो तो जो आग में जलकर कुन्दन नहीं होना चाहता वो स्वयं को जन्म से ब्राह्मण मानकर संतुष्ट हो जाता है लेकिन वो ब्राह्मण नहीं होता।





<https://jagteraho.co.in/>    <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

33

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



## ब्राह्मण कैसे हुआ जाता है?

मैं को मारो अगर तू को पैदा करना है। ब्रह्म बनने के लिए मैं रुपी अहंकार को मारना होता है। यह सूक्त शास्त्रों में दिया गया है। नेति-नेति का सिद्धान्त तुम सभी ने पढ़ा होगा। यानी ये नहीं ये नहीं। लेकिन अज्ञानता वश लोगों ने इसका अर्थ हाथ-पैर, सिर और शरीर से ले लिया है। नहीं! -इसका सही अर्थ है मैं ब्राह्मण-शूद्र आदि जाति नहीं, मैं पुण्यात्मा-पापात्मा नहीं, मैं ऊंच-नीच नहीं, मैं हिन्दू-मुसलमान नहीं। यानी मैं कुछ भी नहीं। फिर जो बचता है वही ब्राह्मण है और वह ब्रह्म ही तो ब्राह्मण है।

<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

35

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



ब्राह्मण ब्रह्मा के मुख से और शूद्र जंघा से पैदा हुए क्यों? और यह अवधारणा किसने और क्यों रची?

ये कहानियां उन लोगों ने रची जिन्हें कुछ भी ज्ञान नहीं था। हम सभी एक ही ज्योति से पैदा हुए हैं सिख धर्म में नानक की पंक्ति है “ एक नूर से सब जग उपजा कौन भले कौन मन्दे ”!



<https://jagteraho.co.in/>    <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

37

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



## ब्राह्मणों का जाल कैसा है?

ब्राह्मणों के जाल से हिन्दू ब्राह्मण से तात्पर्य नहीं है ब्राह्मणों के जाल का तात्पर्य है उन लोगो से जो दूसरो को अपनी सोच के अनुसार चलाकर अपना उल्लू सीधा कर स्वयं को पूजवाना चाहते है और ऐसे लोग हिन्दू, मुस्लिम, सिख, ईसाई या दुनिया भर में फैले सभी 365 प्रकार के धर्मों में पाए जाते है और ऐसे ही सभी राजनेता होते है। तो जाल का मतलब है कि वो विचारधारा जो यह कहती है कि तुम कुछ मत सोचो जैसा मैं समझाऊं वैसा ही करें यह सोच रखने वाले लोगों के जाल का नाम है ब्राह्मणों का जाल। इसका केवल हिन्दू धर्म से जोड़ना नाइंसाफी होगा।

<https://jagteraho.co.in/>    <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

39

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



## ब्राह्मणों का जाल कैसे कटेगा?

लागो को बुद्धि द्वारा अपना हर कृत्य सोच समझकर ही करना चाहिए। हमें हर किसी को हिन्दू, मुस्लिम, सिख, ईसाई या दुनिया भर में फैले सभी 365 प्रकार के धर्मों वाले लोगों को यह विचारधारा रखनी होगी कि धर्म से ज्यादा महत्वपूर्ण शिक्षा है और समाज में प्रेम, करुणा, दया, समानता की भावना, आर्थिक समानता का होना है। केवल इस सोच से ही यह जाल कट सकता है।

**parmatmana**  
the ultimate wisdom



<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

41

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



## क्या भारत जगत गुरु है? अगर हां तो कैसे?

यह भ्रम केवल भारत के लोगों को ही है यह कहना गलत होगा। पूरी दुनिया में हर देश वाला, हर धर्म वाला, हर सम्प्रदाय वाला इसी प्रकार का कुछ न कुछ भ्रम पाले हुआ है। यह एक प्रकार का अहंकार ही है और इसके पीछे भारत की महानता का गुणगान कम और अपनी महानता से अपनी छाती फुलाने का भ्रम ज्यादा है। मैं भी अमुक देशवासी होने के कारण महान हुआ बस इसी भ्रम के कारण हम सभी अपने-अपने देश की महानता के डंके बजाए रहते हैं। अमेरिका का नागरिक यह सोचता है कि मेरा देश दुनिया में नम्बर 1 है। जापानी यह सोचता है कि हम टेक्नालाजी में नम्बर 1 है। पाकिस्तानी ने तो अपने देश को नाम ही पाक स्थान यानी पवित्र स्थान रख दिया।

<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

43

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



## क्या भारत देव भूमि है? किसको और कैसे ज्ञात हुआ?

यह भी मनुष्य ने अपने अहंकार के कारण ही मान रखा है। हर देश वाला अपने देश के डंके किसी न किसी रूप में बजाता है। 1947 से पहले हम मानते थे कि आज का पाकिस्तान भी उस समय देव भूमि था लेकिन आज हम नहीं मानते। आज से 700-800 वर्ष पहले हिंदुस्तान आज की तुलना में दोगुना से भी ज्यादा बड़ा था उस समय हम जिस पूरे हिस्से को देव भूमि मानते थे लेकिन आज वो हिस्सा पाकिस्तान, अफगानिस्तान, तालिबान आदि बन चुका है। यानी आज वह स्थान जो 700-800 वर्ष पहले देवस्थान थे वो आज नहीं है। तो देव भूमि एक भ्रम है।

<https://jagteraho.co.in/>    <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

45

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



भारत में देवता भी पैदा होने को क्यों तरसते हैं?

यह कहानियां मात्र है देवता शरीर नहीं होता। देवता तो एक गुण है। अगर आपके भीतर करुणा, दया, समानता की भावना, प्रेम आदि के गुण है तो आप देवता है और अगर आपके भीतर हिंसा, क्रोध, अहंकार की भावना है तो आप दानव है। मेरी दृष्टि में तो आज को अगर देखे तो दुनिया भर में दानव ही पैदा होने को तरसते है।

**parmatmana**  
the ultimate wisdom

<https://jagteraho.co.in/>    <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

47

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



## 33 करोड़ देवी देवता की अवधारणा क्यों और किसने बनाई?

जिस किसी प्रबुद्ध ने, ज्ञानी ने, जाग्रत ने यह अवधारणा बनाई थी उसे उस समय के लोगो में जिनकी जनसख्या लगभग 33 करोड़ थी उसे उन सभी में देवी-देवता ही दिखते थे तो उस बुद्ध ने कह दिया था कि 33 करोड़ देवी-देवता है। लेकिन लकीर के फकीर लोगो ने 33 करोड़ मूर्तियां समझ लिया। क्योंकि उन्होनें सभी में देवी-देवता की भावना को नहीं समझा। और जम्मू में रघुनाथ मन्दिर बना 33 करोड़ को ही सही ठहरानें लग गए।



<https://jagteraho.co.in/>    <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

49

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



क्यों हमारे धर्म गुरु मृत्युलोक की निंदा करते हैं?

क्योंकि उन्हें यहा सुख, आन्नद, उत्सव, नृत्य, प्रेम नही दिखा। उसे यहां दुख, वेदना, पाप, कष्ट ही दिखा तो उन्होंने स्वर्ग, जन्नत या अन्य लोको की कल्पनाएं गढ़ ली कि उन्हें वहां जाकर सुख मिलेगा। लेकिन मेरी दृष्टि में जीवन से बडा आन्नद और कहीं नही है।



<https://jagteraho.co.in/>    <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

51

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



गरीब-अमीर प्रारब्ध के कर्म के कारण बनता है क्या?

नहीं! यहां कभी कोई भी वस्तु दुबारा नहीं होती। एक पत्ता भी दुबारा नहीं होता तो मनुष्य कहां से दोबारा होगा। उन्होंने कुछ न करने की अवधारणा पाली है और जो आलसी है जीवन को बदलना नहीं चाहते है वो ऐसी मूर्खता भरी सोच पाल लेते है। या वो सभी धर्म गुरु जो भोली-भाली जनता से पुण्य कर्मों के नाम पर दान लेना चाहते है वो सभी अगले जन्मों में तुम्हारा प्रारब्ध ठीक बने उसी मूर्खता के कारण ऐसी धारणाओं की कहानियां रच देते है।

<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

53

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



स्वस्थ या बीमार बच्चे के जन्म के पीछे क्या कारण है एक धार्मिक मत के अनुसार वो पिछले जन्मों के लेनदेन के कारण आता है क्या यह सही है?

नहीं! यहां संसार में भी फसल आदि का बीजारोपड़ एक निश्चित समय होता है अगर उससे आगे-पीछे बीज धरती में डालोगें तो फसल अच्छी नहीं आएगी। उसी प्रकार बच्चों के पैदा करने के बीज का सही समय रात 10 से 12 बजे के बीच होता है इसके अलावा गलत समय में अगर बीज डालोगें तो बच्चों बीमार, विकलांग, या मंद बुद्धि आदि ही पैदा होंगे। और हमारे देश में पति-पत्नी के मिलन को प्रेम की दृष्टि से न देखकर काम यानी गलत कृत्य की दृष्टि से देखने को कहा गया है इसी कारण जब पति-पत्नी प्रेम मग्न होते हैं तो उनके मन में प्रेम या पुण्य की सोच न होकर पाप या गलत काम की सोच ही होती है इसी सोच के कारण बच्चा मानसिक या शारीरिक बीमार पैदा होता है।

<https://jagteraho.co.in/>    <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

55

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



## ईश्वर का क्या स्वरूप है?

पहले यह समझना आवश्यक है कि ईश्वर कौन है? ईश्वर व्यक्ति नहीं है न कोई 8-10 हाथ वाला महामानव है। ईश्वर तुम्हारे जीवन का नाम है तभी को कहते है कि ईश्वर का माता-पिता नहीं है, ईश्वर कभी मरता नहीं है, कभी बूढ़ा नहीं होता। अब यह सभी धारणाएँ जीवन के उपर लगा कर देखों। तो पाओगे कि जीवन का ही दूसरा नाम ईश्वर है, परमात्मा है, खुदा है। तुम मरते हो लेकिन जीवन किसी न किसी रूप में जिन्दा ही रहता है। नदी, पर्वत, वायु, अग्नि, धरती, सभी में जीवन विद्यमान है।



<https://jagteraho.co.in/>    <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

57

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



ईश्वर, परमात्मा, खुदा क्या भिन्न-भिन्न व्यक्ति है?

नहीं!

यह व्यक्ति ही नहीं है। यह तो तुम्हारे जीवन का ही स्वरूप है तुम जिंदा हो तो खुदा जिन्दा है ईश्वर और परमात्मा जिन्दा है। लेकिन तुम्हारे साथ अडचन यह है कि इस प्रकार के प्रश्न तुम केवल मरी हुई पुस्तकों से या मंद बुद्धि वाले भिखारी महात्माओं से ही सुनना पसंद करते हों। और मजे की बात यह है कि दोनों को ही नहीं ज्ञात। एक बार यह गाना सर्च करें और उसे 100 बार सुन लो परमात्मा, खुदा, भगवान, अल्लाह और तुम! सभी कुछ समझ आ जाएगा।

“ तुम एक गोरख धंधा हो”

<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

59

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

60

इस जगत का असली मालिक कौन? खुदा या भगवान?

तुम!



<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

61

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



## भारत धर्म प्रधान देश है फिर भी गरीब क्यों?

क्योंकि तुम सभी ने धर्म की परिभाषा ही गलत कर ली है। धर्म का तात्पर्य हिन्दू-मुस्लिम होता ही नहीं। धर्म का तात्पर्य होता है नृत्य, आनंद, सुख, उत्सव, प्रेम। लेकिन जब से तुम सभी के तथाकथित धर्मों की बागडोर भूखे, नंगे, भिखमंगे लोगों ने छीन ली है तब से उन्होंने धर्म का मतलब ही बदल दिया है और उसी गलत धारणा के कारण पूरा देश उल्टी ही दिशा में चल दिया है और इसलिए ही देश गरीब है। अगर धर्म का सही अर्थ न समझा तो इस देश का भविष्य हमेशा ही अंधकार में रहेगा।

<https://jagteraho.co.in/>    <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

63

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



भारत को किस देवी-देवता की पूजा करनी चाहिए जिससे भारत अमीर सुखी और खुशहाल हो सके?

तुम सभी देवी-देवता हो तो तुम्हें एक दूसरे से प्रेम करना चाहिए एक दूसरे का सम्मान करना चाहिए। एक दूसरे के जीवन स्तर को ऊपर उठाना चाहिए। तभी भारत या पूरा संसार अमीर और खुशहाल हो सकेगा। और यही धर्म का सार है और इसी को ब्रह्म वाक्य कहते हैं।

**parmatmana**  
the ultimate wisdom



<https://jagteraho.co.in/>    <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

65

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



भारत का इतिहास 5500 वर्ष पुराना फिर भी भारत पिछड़ा और दूसरी तरफ अमेरिका का इतिहास 350 वर्ष पुराना फिर भी दुनिया में न0 1 क्यों?

क्योंकि भारत की छाती पर अज्ञानता ने कब्ज़ा कर लिया है। भारत ने सोच पाली हुई है कि अमीर-गरीब प्रारब्ध कर्मों के कारण होता है जोकि पूर्णतया गलत है। जब तक तुम अपना भविष्य अपने हाथ में नहीं लोगे तब तक भारत गरीब और पिछड़ा ही रहेगा।

**parmatmana**  
the ultimate wisdom

<https://jagteraho.co.in/>    <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

67

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



क्या मृत्यु के समय 1000 बिच्छू के डंक की सी पीड़ा होती है?  
जैसा शास्त्रों ने कहा है?

नहीं! यह वचन किसी नासमझ व्यक्ति ने कहा है। मरते वक्त व्यक्ति को केवल एक ही दुख होता है कि हाय! कितना सुन्दर जीवन मिला था और मैं जीने से चूक गया और कुछ मकान दुकान बनाकर या बैंक भरकर जीवन को व्यर्थ गंवा दिया और यू ही बिना जिए ही मर रहा हूँ। बस इस पछतावे की पीड़ा होती है।

**parmatmana**  
the ultimate wisdom

<https://jagteraho.co.in/>    <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

69

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



क्या यमदूत होता है? अगर हां तो क्या स्वरूप है उसका?

हाँ! वो बिल्कुल तुम्हारे धर्म गुरुओं की भांति होते हैं। यही उनका स्वरूप है। उनमें से कोई भगवा पहने होता है, कोई तिलक लगाकर जौकरों जैसी टोपी पहनकर बाग बाबा बन जाता है कोई पीले कपड़े पहनकर बीमार आनंद बन जाता है, कोई जोकर रूदाचार्य नाम रख मूर्ख बनाता है। कोई जाली टोपी लगाए उंचा पजामा पहन कंधे पर हरा गमछा डाला दिखता है। कोई नीली पगडी बांधें, कोई क्रोस धारण किए तुम्हारी ही प्रतीक्षा में खड़े हैं।

<https://jagteraho.co.in/>    <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

71

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



जन्नत या स्वर्ग में कौन-कौन सी सुख-सुविधा होती है?

जो-जो सुख सुविधाएं तुम्हें यंहा भोग करने को मना की जाती है और वो सभी मूढ़ताएं जो-जो तुमने संजोई है वो सभी होती है। और चिंता मत करो ये केवल तुम्हारे लिए ही होती है। तो 10 - 15 अप्सराये और 72 हूरें सभी तुम्हारा ही इंतजार कर रही है। बस तुम्हारी मरने की ही देर है।

  
parmatmana  
the ultimate wisdom



<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

73

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



स्वर्ग में अप्सरा किस प्रकार के वस्त्र पहनती है ?

वो स्वर्ग बिलकुल जर्मनी जैसा है वहां सभी अप्सराये बिकनी पहनकर ही घूमती है।



<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

75

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



क्या अप्सराओं की उम्र 16 वर्ष से अधिक नहीं बढ़ती है?

हां!

क्योंकि तुम सभी के धर्मों में सभी धर्म गुरु 16 वर्ष से ऊपर की लडकी के साथ सम्भोग करना ही नहीं चाहते। इसलिए उन सभी ने अप्सराओं की उम्र बढ़ने ही नहीं दी। और जन्नत में भी हूरों की उम्र बढ़ने नहीं दी।

  
parmatmana  
the ultimate wisdom

<https://jagteraho.co.in/>    <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

77

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



हम कहां से आते है और कहां जाते है?

यह प्रश्न अभी भी बना हुआ है मेरे मत से हम प्रकृति से आते है और प्रकृति में ही विलीन हो जाते है कहीं आते जाते नहीं। बस प्रकट और अप्रकट ही होते है।



<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

79

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

80

सत्य क्या है?

तुम्हारा होना ही सत्य है और बाकी सभी असत्य है।





<https://jagteraho.co.in/>    <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

81

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

82

आत्म ज्ञान क्या है?

स्वयं को पहचानना।



<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

83

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



बुद्धतत्व किसे कहते है?

आंखों का खुल जाना। और इसका बौद्ध धर्म से अन्य किसी भी धर्म से कुछ भी लेना-देना नहीं है। जिसको हो जाता है कहीं भी हो जाता है इसका मंदिर - मस्जिद से भी कुछ लेना देना नहीं है।



<https://jagteraho.co.in/>    <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

85

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



## आत्म अनुभूति कैसे होती है?

मैं के मरने के बाद। अहंकार के तिरोहित होने के बाद। लेकिन ध्यान से अपनी मैं को मारना!

क्योंकि मुर्दा बोला नहीं करते और एक बार मैं मिटी तो फिर वहां कोई हिन्दू, मुस्लिम, सिख, ईसाई नामक व्यक्ति भी नहीं बचेगा।



<https://jagteraho.co.in/>    <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

87

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



## ध्यान क्या है?

मन की मृत्यु के बाद जो अवस्था होती है उसे ही ध्यान कहा जाता है लेकिन सही अवस्था बताई नहीं जा सकती।

हाँ ! अनुभव जरूर की जा सकती है।

और जैसे ही मन मरता है तो विचार भी शून्य हो जाते है।





<https://jagteraho.co.in/>    <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

89

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



## धार्मिक कौन और अधार्मिक कौन?

जिसे प्रेम से यथा स्थिती में जीना आ गया वो धार्मिक।

और जो अभी भी सोचता है कि वो मन्दिरों मस्जिदों में जाकर, काबा-काशी, आदि जाकर परमात्मा से या खुदा के आगे प्रसाद चढ़ाकर अपने हिसाब से सभी कुछ बदला लूंगा वो अधार्मिक।



<https://jagteraho.co.in/>    <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

91

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



जीवन में क्या आवश्यक है पूजा या प्रेम?

प्रेम।

और पूजा तो प्रेम से बचने के उपाए है। तुम अपनी पत्नी, और बच्चों से प्रेम करते हो तो क्या कभी उनकी पूजा करने की सोची?

और तुम अपने ही देश के मूर्ख अनपढ़ राजाओं का मजबूरी में सम्मान करते हो तो क्या तुमने उनसे कभी प्रेम करने की सोची?

parmatmana  
the ultimate wisdom

<https://jagteraho.co.in/>    <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

93

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



धर्म की जिस परिणीति को बुद्ध, महावीर, मोहम्मद, जीजस, नानक तथा कबीर ने छुआ, उसे आजतक कोई भी हिन्दू या मुसलमान क्यों नहीं छू पाया?

क्योंकि सभी इन महापुरुषों को पकड़कर इन्हीं की पूजा करने लग गए कोई भी चला ही नहीं। मंजिल पूजा करने से नहीं चलने से मिलती है लेकिन बाहर संसार में काबा - काशी जाने से नहीं स्वयं की ओर चलने से।

**parmatmana**  
the ultimate wisdom

<https://jagteraho.co.in/>    <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

95

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



सबसे पहले दुनिया में बुद्ध और महावीर की मूर्तियां बनी तो हिन्दू की मूर्तियां दुनिया में सबसे पुरानी कैसे?

धर्मगुरुओं ने अपने-अपने रोजगार के लिए पुराने बुद्ध और महावीर के मन्दिरों को ही नया नाम देकर हिन्दुओं का मन्दिर घोषित कर दिया। तुम अब किसी भी पुराने मंदिर को इस दृष्टि से देखना कि कहीं उस मूर्ति में बुद्ध की मूर्त तो नहीं दिख रही है तुम्हें समझ आ जाएगा।

**parmatmana**  
the ultimate wisdom



<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

97

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



क्या मनु की बनाई हुई जाती व्यवस्था ठीक है?

हो सकता है उस समय शायद ठीक हो लेकिन आज के हिसाब से पूर्णतया गलत है। आज मनुष्य का बौद्धिक स्तर बहुत ऊपर उठ गया है आज उसी व्यवस्था को ही पालना मंदबुद्धि होने के लक्षण है। समय के साथ-साथ सब कुछ बदल जाना चाहिए। आखिर सभी सिद्धांत मनुष्य को सुखी करने के लिए बने थे मनुष्य की छाती पर पत्थर रखने के लिए नहीं।

parmatmana  
the ultimate wisdom

<https://jagteraho.co.in/>    <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

99

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



क्या शादी की मान्यता समाज में रहनी चाहिए?

नहीं। इससे समाज में हमेशा ही स्त्री का शोषण होता रहेगा। स्त्री पुरुषों को समानता का अधिकार होना चाहिए। और वो होगा शादी की मान्यता को रद्द करके।



<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

101

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



स्त्रियों को हर प्रकार से पुरुष के बराबर समानता क्यों नहीं मिलती?

क्योंकि स्त्रियां संघर्ष ही नहीं करती। दुनिया में कुछ भी भीख में नहीं मिलता अगर मिल भी जाए तो उसे भीख कहते हैं अधिकार नहीं।

समानता का अधिकार स्त्रियों का हक है और हक लड़कर ही लिया जा सकता है।

  
parmatmana  
the ultimate wisdom

<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

103

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



सारे शास्त्र पुरुषों ने रचे इसलिए समाज और समाज की व्यवस्था पुरुष प्रधान ही रही। तो क्या ये नारी के शोषण की व्यवस्था नहीं है?

बिलकुल है। तभी तो मैं कहता हूँ कि पुरानी व्यवस्था गलत है उसे जला देना चाहिए। और कुछ नए बुद्धिजीवी लोगों को सामने आकर एक नए समाज की स्थापना करनी चाहिए।

**parmatmana**  
the ultimate wisdom



<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

105

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



हिन्दू-मुस्लिम, सिख-ईसाई सभी धर्मों में विश्वास को ही महत्व दिया जाता है जबकि जिन्हे धर्म मिलता है वो आंखें खोलने को कहते है। ऐसा विपरीत वक्तव्य क्यों?

तुम स्वयं जब धर्म की खोज में चलोगे तभी पता चलेगा। जो चले उन्हें समझ आ गया कि धर्म क्या है और वो कैसे मिलता है और जो नहीं चले वो आंखें बंद किए पूजा ही करते रह गए और सत्य धर्म से चूक गए।

**parmatmana**  
the ultimate wisdom

<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

107

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



क्या हिन्दू-मुस्लिम, सिख-ईसाई के सभी धर्म गुरु मिलकर समाज को धार्मिक और प्रेम पूर्वक रहने की प्रेरणा दे सकते हैं? अगर हां तो हजारों वर्षों से तो यह दे रहे हैं फिर भी समाज धार्मिक क्यों नहीं हो पाया? कहीं ऐसा तो नहीं कि यह तरीका ही ठीक न हों?

हां! लेकिन वो ही दे सकता है जिसने धर्म को जाना हो। लेकिन जो केवल थाली घुमा कर दान चढ़ावे को इकट्ठा कर धन बटोरना चाहता है उसे धर्म या प्रेम का पता ही नहीं वो कैसे ऐसा ज्ञान देगा।

मैंने देखा कि कोई मुस्लिमान होने को महत्व दे रहा है, कोई कृष्चिन होने को कह रहा है, कोई पीले कपड़ें पहनकर राधा जपने को महत्व दे रहा है कोई मरी हुई पुस्तकें पढ़कर स्वर्ग और नरक के चित्रण कर लोगों को भ्रमित कर रहा है। यह स्वयम् भ्रमित है यह कैसे समझाएंगे?

<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

109

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



## हिन्दू धर्म के संन्यास का क्या लाभ है?

कोरी मूर्खता है। एक व्यक्ति घर-बार छोड़कर जंगल भाग जाता है पीछे से पत्नी बच्चों को भीख मांगने को मजबूर कर देता है। पत्नी वैष्णव वृत्ति को मजबूर हो जाती है और हम उनके इस भगोड़ा पन को धर्म कहते हैं? यानि हमारी भी आंखें बंद है। हमारे में भी बोध की कमी है। संन्यास का तात्पर्य होता है जो संसार तुमने कल्पनाओं में बनाया है स्वर्ग-नरक, अप्सराओं का भोग, जप-तप, व्रत, अनुष्ठान, धन, पद, प्रतिष्ठा के लोभ का पागलपन आदि। उनका त्याग। न कि पत्नी बच्चों का त्याग। तभी तो देखों घर बार छोड़कर ऐसे मूढ़ महात्मा लाखों शिष्यों के लोभ में पागल हो जाते है।

<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

111

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



जैन धर्म में अभी-अभी कुछ छोटी उम्र के बच्चे घर-बार त्याग कर सन्यासी हो गए इस विषय पर क्या कहेंगे?

अगर आज महावीर जिन्दा होते तो जूता उठाकर ऐसी सोच रखने वाले को मारते। प्रकृति ने जीवन दिया हम सभी को। अगर ऐसे ही मूर्खतापूर्ण कृत्य सही होते तो प्रकृति स्त्री-पुरुष ही न बनाती। और जैन धर्म में ऐसा होता है तो सुनो। जैन कोई धर्म ही नहीं है जैन तो एक विचारधारा है जो भी व्यक्ति अहिंसा का पालन करता है, समस्त जीवों के प्रति दया रखता है परिग्रही नहीं है वो जैन ही है। और नग्न होकर घूमना, मुंह पट्टी बांधना आदि से जैन होने का कोई भी लेना देना नहीं है।



<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

113

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



आजकल जो पीले कपड़े पहनकर महात्मा बने बैठे हैं और लोगों को एक प्रकार से आपकी ही बातें बतलाते हैं उनके बारे में क्या कहेंगे?

दूसरों की कही हुई बातों को दोहराने से तुम्हारा ही कोई लाभ होने वाला नहीं है तो दूसरों का कैसे होगा। आज तक करोड़ों मनुष्यों ने गीता, कुरान, बाइबल, ग्रन्थ दोहरा लिए क्या उनका लाभ हुआ? नहीं!

यह पीले, लाल, नीले, कपड़ें वाले सभी धार्मिक दिखने वाले महात्मा आदि केवल रोटी कमाने के उद्देश्य से ही दुकान खोले बैठे हैं। इनसे प्रश्न करें कि आप रोटी खाने के लिए क्या काम धंधा करते हैं तो सारी कहानी समझ आ जाएगी।

संसार में रहकर भगवान को, परमात्मा को, खुदा को जीया जाता है उसे जपा, रटा तथा पूजा नहीं जाता। और इसी जीने का नाम ही धर्म है।

<https://jagteraho.co.in/>    <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

115

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



कौन से कर्म पुण्य है? और कौन से कर्म पाप है?

जो कृत्य तुम आंखें खोलकर बोध पूर्वक करो वो सभी पुण्य है और आंखें बंदकर पूजा भी करो तो पाप ही है। करोड़ों लोग आंखें बंद कर गंगा स्नान करते हैं, काबा-कशी जाते हैं तुम्हें क्या लगता है वो पुण्य कर रहे हैं अगर पुण्य ही कर रहे हैं तो उनका जीवन सुखी क्यों नहीं हो रहा है?

महावीर ने कहा है कि असुत्ता मुनि, सुत्ता अमुनि।

parmatmana  
the ultimate wisdom

<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

117

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



## महात्मा बुद्ध के अनुसार परमात्मा कौन है ?

महात्मा बुद्ध कोई एक व्यक्ति नहीं है। जिसको भी बोध हो जाता है वहीं बुद्ध बन जाता है इसका बौद्ध धर्म से कुछ भी लेना देना नहीं है। और मेरी दृष्टि में जो जागा वही परमात्मा, खुदा, भगवान, अल्लाह।

इसका मतलब ये नहीं है कि जो नहीं जागा वो पशु या अज्ञानी है। नहीं! वह भी परमात्मा, खुदा, भगवान, अल्लाह ही है लेकिन उसके होने का उसे कोई भी लाभ नहीं है।

मानों एक व्यक्ति ने पूरे जीवन भीख मांगी और जब वह मरा तो उसी की झोपड़ी के नीचे खजाना गडा मिला। अब बताओं क्या हम कह सकेगें कि वो भिखारी नहीं धनवान था?

<https://jagteraho.co.in/>    <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

119

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



दुनिया में कौन सा धर्म अच्छा है?

जो तुम्हें सत्य का बोध करवा दें। लेकिन ध्यान रखना सत्य तुम्हारी हिन्दू-मुस्लिम की धारणाओं से पूर्णतया भिन्न होता है।





<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

121

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



परमात्मा, ईश्वर, सत्य, विराट, खुदा, अल्लाह का अनुभव किस तीर्थ या किस गुरु के द्वार पर होता है?

परमात्मा, ईश्वर, सत्य, विराट, खुदा, अल्लाह सर्वव्यापी है तो उसका अनुभव कहीं भी हो सकता है बस तुम्हें मिटना आना चाहिए। और तो और मुझे यह अनुभव एक ठग के यहां से हुआ। तो परमात्मा या खुदा का अनुभव ठीक वहां पर होता है जहां तुम ठगें जाओं।

इसका किसी गुरु से, किसी तीर्थ से, काबा-काशी से कुछ भी लेना देना नहीं है।

<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

123

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



परमात्मा ईश्वर की जो प्राण प्रतिष्ठा की जाती है उसका क्या महत्व है?

यह कृत्य केवल अहंकार के कारण ही होता है वरना मनुष्य एक पत्ते को भी स्वयं पैदा नहीं कर सकता। लेकिन दंभ भरता है परमात्मा में प्राण फूंकने का। कोरी-कोरी मूर्खता है।

और जिन्होंने दुकानें चलानी है वो अगर कुछ थपकी तुम्हारे ऊपर न मारें तो तुम कैसे सोओगे।

parmatmana  
the ultimate wisdom

<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

125

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



ईश्वर का मंदिर कैसा होना चाहिए? तथा मंदिर कहां बनाना चाहिए?

खुदा ने अपना मन्दिर स्वयं ही बना रखा है तुम्हें नजर ही नहीं आता इसलिए ही तुम मूर्खता वश काबा-काशी बनाने की हिमाकत करते हो। तुम सभी तो उसी के बनाए मंदिर हो।

चारों तरफ देखो पक्षी गा रहे है, वृक्ष नाच रहे है तथा स्वयं ही प्रसाद बांट रहे है, बादल मृदंग बजा रहे है, फूल इत्र छिड़क रहे है, आसमान ने नीलाम्बर ओढ़ा हुआ है, बादल अमृत वर्षा कर रहे है। और मंदिर कैसा होता है। तुम्हें देखना नहीं आता तो अपनी आँखे साफ़ करो।

<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

127

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



फिर भी अगर हमें पूजा करनी ही हो तो किसकी पूजा करें और कैसे करे?

पूजा प्रेम से ही उत्पन्न हो तो सफल होती है अगर पूजा का ज्यादा ही मन कर रहा है तो प्रेम करें। और जिस दिन संसार मात्र से प्रेम करना आ जाएगा तो स्वयं पाओगे कि वो प्रेम ही पूजा बन गई। अब अलग से और किसी भी पूजा की आवश्यकता नहीं है।

**parmatmana**  
the ultimate wisdom



<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

129

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



भीतर के दीपक से क्या तात्पर्य है? वो कैसे जलता है?

दीपक से तात्पर्य होता है स्वयं का ज्ञान। और यह तब जलता है जब तुम यह मान लेते हो कि तुम अज्ञानता में हो, अंधकार में हों। लेकिन तुम सभी तो माने बैठे हो कि तुम हिन्दू-मुस्लिम, सिख-ईसाई हो। गीता-कुरान तुमने सभी रटें हुए हैं। और तुम तो पैदा होते ही धार्मिक हो। तो तुम्हारा दीपक कैसे जलेगा। दीपक जलाने के लिए पहले तो यह स्वीकारना होगा कि दीपक नहीं जला है।

parmatmana  
the ultimate wisdom

<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

131

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



भीतर के हंस से क्या तात्पर्य है? वो कैसा दिखता है?

हंस से तात्पर्य यह नहीं है कि तुम्हारे भीतर पक्षी बैठा है। हंस यहा एक उपमा है कि एक ऐसे गुण वाला जीव जिसमें नीर-क्षीर विवेक हो। और कैसे दिखता है यह अपने मूढ़ धर्म गुरुओं से पूछ लो शायद वो तुम्हें उसका रंग तथा आकार समझा पाए?

क्योंकि मेरी दृष्टि से समझाया नहीं जा सकता। हाँ ! तुम देख जरूर सकते हो ।

**parmatmana**  
the ultimate wisdom

<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

133

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



उड़ जाएगा “हंस अकेला” से क्या तात्पर्य है?

हंस अकेला! यानि वो जो उर्जा है, वो जो चेतना है, वो जो परमात्मा, खुदा, अल्लाह, विराट है वो एक अकेला ही हैं। वहा कोई 33 करोड़ नहीं बैठें है। उसी का नाम जीवन है और जब तुम मिटते हो तो जीवन उर्जा मूल उर्जा में सिमट जाती है।



<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

135

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



क्या क्षितिज कहीं मिलते है?

हाँ ! तुम्हारे भीतर। देह माटी है यानी धरती है और तुम चेतना हो यानी आकाश अनन्त विराट हो। और यह आश्चर्य पूर्ण घटना है जो तुम्हारे ही भीतर घटती है।





<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

137

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



हिन्दू-मुस्लिम, सिख-ईसाई आदि जो 365 प्रकार के धर्म है यह किसने और क्यों बनाए?

तुम क्या सोचते हो आज ही के लोग चोर उचक्के है? नहीं!  
संसार में हमेशा से ही ऐसे ही लोग रहे है जो प्रधानमंत्री बनने के लिए नकली डिग्रियां तक बना लेते है। ऐसे ही महत्वाकांक्षी लोगों ने अपनी-अपनी दुकान चलाने के लिए यह दुकानें बनाई। जैसे अगर नेहरू या जिन्ना दोनों ही अपने-अपने प्रधानमंत्री पद का लालच न करते तो शायद आज हिंदुस्तान और पाकिस्तान दो देश ही न होते।

<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

139

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



क्या हिन्दू-मुस्लिम, सिख-ईसाई आदि बनने से ही धार्मिक नहीं हुआ जा सकता है?

संसार की दृष्टि में जो हिन्दू-मुस्लिम, सिख-ईसाई बने हुए है वो मानते ही है कि वो सभी धार्मिक ही है। लेकिन स्वयं से पूछो कि तुम हिन्दू-मुस्लिम, सिख-ईसाई तो हो लेकिन क्या तुम धार्मिक हों? उत्तर स्वयं मिल जाएगा।

  
parmatmana  
the ultimate wisdom

<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

141

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



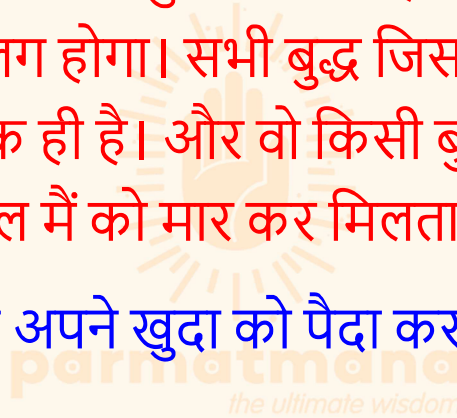
जो सत्य बुद्धो ने खोजा वो कैसे मिलता है?

बुद्धो से यह मत समझ लेना कि यहां में बोध धर्म के बारे में बता रहा हूं। और अलग-अलग बुद्धो से भी यह मत समझ लेना कि सत्य भी अलग-अलग होगा। सभी बुद्ध जिस सत्य का साक्षात्कार करते है वो सत्य एक ही है। और वो किसी बुद्ध की पूजा करके नहीं मिलता है केवल मैं को मार कर मिलता है।

खुद को मारो अगर अपने खुदा को पैदा करना है तो।

और यही कुंजी है।

“यह जो मैंने हर सूक्त के बीच में एक-एक पेज लगा है उसे पूरा पढ़ना सीख लो सभी कुछ समझ आ जाएगा”।



<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

143

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

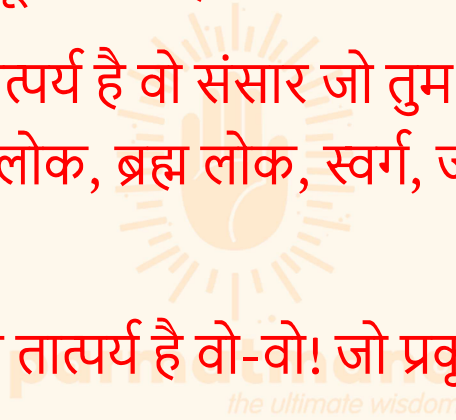


ब्रह्म सत्य जगत मिथ्या! से क्या तात्पर्य है?

यह कथन शंकराचार्य का है। तभी तो यह वाक्य दर्शाता है कि यह आधा ज्ञान है। पूर्ण उत्तर है जगत सत्य ब्रह्म मिथ्या।

यहां मेरे ब्रह्म का तात्पर्य है वो संसार जो तुम सभी ने कल्पनाओं में बनाया है जैसे:- गोलोक, ब्रह्म लोक, स्वर्ग, जन्नत आदि। यह सब मिथ्या है।

और जगत सत्य का तात्पर्य है वो-वो! जो प्रकृति ने बनाया है वो-वो सत्य है।





<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

145

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



हम कहाँ से आते है और कहाँ जाते है?

एक दीपक जलाओं और ध्यान से देखों कि ज्योति कहां से आती है और अब इस दीपक को बुझाओं और देखो कि ज्योति कहाँ जाती है। और अपनी आंखों से देख लो कि हम कहाँ से आते है और कहाँ जाते है। बुद्धो की दृष्टि में हम कहीं भी आते जाते नहीं केवल प्रकट और अप्रकट ही होते है।

कहाँ से आते है?

हम इस विराट ऊर्जा यानी प्रकृति से आते है और उसमें समा जाते है।

parmatmana

<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

147

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



क्या आत्मा जन्म से ही मिलती है?

नहीं!

मानों एक व्यक्ति के घर के नीचे सोने का अंबार दबा है और वो व्यक्ति पूरा जीवन गरीबी में ही बिताकर मर जाता है। अब तुम कह पाओगे कि उसे जन्म से ही सोने का अंबार मिला हुआ था? तो जब तक उस आत्मा का साक्षात्कार न कर पाओं तब तक मिले होने से क्या लाभ।

और अगर हम माने कि जन्म से ही आत्मा मिली हुई होती है तो तुम्हारे में और कृष्ण, बुद्ध, महावीर, नानक, कबीर आदि में कुछ फर्क ही न हुआ।

तो तुम्हें क्या लगता है यह सब महापुरुष क्या तुम्हारे ही जैसे थे?

<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

149

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



आत्मा को अग्नि जला नहीं सकती, जल डुबो नहीं सकता, तलवार काट नहीं सकती। इस पंक्ति को विस्तार से समझाएँ।

**आत्मा यानी विराट ऊर्जा!**

ऊर्जा यानी वो शक्ति जो काम करती तो दिखती है लेकिन दिखाई नहीं देती। और यह सूक्त केवल आत्मा पर ही नहीं सभी पंच भूतों पर लागू होता है। जैसे पृथ्वी, अग्नि, वायु, आकाश, जल! इन सभी पर यह सूक्त लागू होता है। तुम पृथ्वी पर जितने भी गड्डे खोद लो लेकिन पृथ्वी तो पूरी की पूरी ही रहती है। जल, वायु, अग्नि, आकाश! किसी को भी तुम कांट-छांट नहीं सकते।

<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

151

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



यह जीवन दुख है ऐसा शास्त्रों का वचन है क्या यह सही है?

तुम्हारे 99 प्रतिशत से ज्यादा शास्त्र कचरा है उनमें कुछ-कुछ सिद्धान्त काम के हैं। लेकिन कचरा इतना अधिक है कि वो सोना भी फेंकने ही योग्य है। जिसने भी ऐसे शास्त्रों को रचा वो दुखवादी सोच का व्यक्ति रहा होगा।

मैं तो कहता हूँ जीवन सुख है, आनंद, उत्सव, नृत्य, उमंग है। तुम्हें जो अच्छा लगे उसे मान लो।

parmatmana  
the ultimate wisdom



<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

153

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



कलयुग में भक्ति या ध्यान मार्ग में से कौन सा उचित है?

दोना एक ही पूर्णता को पहुँचाते है। लेकिन यह जो तुम मन्दिरों में जाकर मूढ़ों के कहने पर राम कृष्ण या अल्लाह की धुन लगाते हो यह भक्ति नहीं है।

भक्ति यानी तेरी मर्जी पूरी हों और ध्यान यानी मैं हूँ ही नहीं।

तो दोनों की पूर्णत्या एक ही है कि मेरी नाराजगी कहीं नहीं है।

**parmatmana**  
the ultimate wisdom

<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

155

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



गंगा स्नान करने से, काबा-काशी आदि तीर्थ से क्या लाभ होता है?

लाभ की परिभाषा ही त्रुटिपूर्ण है। और जब तक तुम यह लाभ-हानि के विषय में सोचते रहेंगे तब तक दुखी ही रहोगें। गंगा शरीर को धोती है और पाप तुम्हारा मन करता है। काबा-काशी में देह जाती है और मन विषयों में लगा रहता है। मेरी दृष्टि में कोई लाभ नहीं होती।

parmatmana  
the ultimate wisdom

<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

157

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



## धर्म की खोज में मनुष्य सफल क्यों नहीं हो पाया?

क्योंकि वह धारणाये लगाकर धर्म को खोजने चल दिया। हिन्दू के घर जन्मे बच्चे ने हिन्दू की धारणाये अपना ली और मुस्लिम के घर जन्मे बच्चे ने मुस्लिम की धारणाये अपना ली। और इन्हें अपनाकर वह सोचकर ही बैठ गया कि वो धार्मिक है ही। बस फिर खोज समाप्त हो गई। अगर तुम आज भी यह मान लो कि पुरानी धारणाएं कचरा है और उन्हें छोड़ दो तो शायद तुम सभी को जल्द ही धर्म मिल जाये।

<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

159

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



धर्म की खोज से क्या लाभ होता है?

कुछ भी नहीं! बस तुम शांत होकर बैठ जाते हो और सारी दौड़ें समाप्त हो जाती है।

और जब कोई दौड़ ही नहीं होती तो स्वतः ही आनंद बरसता है। फिर जो शांति बुद्ध, महावीर, जीजस, नानक, कबीर के चेहरे पर नाचती दिखती है वो तुम्हारे भी चेहरे पर चमकती है।

**parmatmana**  
the ultimate wisdom



<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

161

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



परमात्मा और खुदा में क्या अन्तर है?

दोनो ही तुम्हारे जीवन के नाम है 1 पैसे का भी अंतर नहीं है।  
हां! मूढ़ों ने हिन्दू-मुसलमान बनाकर अन्तर तुम्हें दिखा दिया है।  
तभी तो जिसको उसका दीदार हो जाता है वो गा उठता है:-  
“नकल नहीं तेरी असल हूँ मैं!  
अब मैं छूपता हूँ तू ढूँढ़”।



<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

163

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



क्या लोगों को मंदिर-मस्जिद नही जाना चाहिए?

मंदिर-मस्जिद जाना चाहिए लेकिन ईट-पत्थर के मंदिर-मस्जिद नही। उस मंदिर-मस्जिद जाना चाहिए जिस मंदिर-मस्जिद को खुदा ने ईश्वर ने रचा है।

और जिन मंदिर-मस्जिद रुपी दुकानों को भिखमंगों ने बनाया है वहां जाकर तुम्हें कोई भी लाभ न होगा। उल्टा तुम अंधविश्वासी और पाखंडी ही बनोगे।



<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

165

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



हनुमान चालीसा रटना या नमाज पढ़ना दोनों से क्या लाभ है?

दोनों ही तुम्हारी अज्ञानता की निशानी है। दोनों के द्वारा तुम केवल अपनी अज्ञानता के अहंकार का प्रदर्शन ही कर रहे हो।

दिखा तो तुम रहे हो कि तुम परमात्मा से खुदा से विनती कर रहे हो लेकिन ये विनती नहीं है। विनती तो मिटकर ही की जा सकती है और जब मिट ही गया तो कौन बचा विनती करने वाला।

**parmatmana**  
the ultimate wisdom

<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

167

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



गंगा यमुना आदि नदियां क्या हिन्दू की देवी है?

नहीं!

यह नदियां कोई देवी नहीं है। नदियां यानी जल! और जल यानी जीवन! तो जो तुम्हारा जीवन है वो ही तो भगवान, ईश्वर, खुदा, अल्लाह का स्वरूप है।

और भगवान, ईश्वर, खुदा, अल्लाह! यानि जीवन का आदर करना है सत्कार करना है उसे प्रेम पूर्वक जीना है। उसकी मूर्ति बनाकर पूजने से क्या होगा। और जिस दिन हम सभी की यह समझा पाएंगे कि यह नदियां ही जीवन है तो इसे न तो हिन्दू गंदा करेगा और न मुसलमान।



<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

169

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



आजकल वृंदावन, मथुरा, हरिद्वार, काबा-काशी आदि स्थानों में बहुत भीड़ होती है क्यों?

हर कोई इजी मनी चाहता है। कि किसी तरह मुफ्त में सभी कुछ मिल जाए। और वो आदत ऐसी गंदी पड़ी है कि धर्म, ईश्वर, परमात्मा, खुदा भी हम उसी प्रकार आसानी से ही हडपना चाहते हैं। और हमारे देश का दुर्भाग्य ही यह है कि यहां कोई भी मूढ़, भिखारी, अपराधी पृवति का व्यक्ति, किसी न किसी धर्म का चोगा ओढकर अपनी दूकान सजाकर बैठ जाता है और गरीब अनपढ जनता को परमात्मा, स्वर्ग, जन्नत, खुदा आदि के अदृश्य लोको के स्वपन्न बेचने लग जाता है।

<https://jagteraho.co.in/>    <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

171

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



आत्मा कहाँ से आती है और कहाँ जाती है?

कहीं से आती जाती नहीं। सभी मानते है न कि पेड़-पौधों में भी जीवन होता है। तो सोचों एक बीज जो अब तक एक बोतल में बंद था उसे तुमने धरती में बोया, वो बीज मिटा और एक पौधा जन्मा।

अब बताओ जीवन कहां से आया? लेकिन अगर तुम उसे नहीं बोलें तो उसका जीवन कहां था? बिना बोए जीवन क्यों नहीं प्रकट हुआ?

आत्मा, जीवन उर्जा हमारे चारों तरफ है तुम होते हो तो वो उर्जा तुम्हारे भीतर प्रकट हो जाती है और तुम मिटते हो तो वो उर्जा पुनः ब्रह्माण्ड में, विराट में मिल जाती है।

तभी तो मैं कहता हूँ कि वो चारो तरफ बिखरा फैला पड़ा है।

<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

173

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



क्या हम मूल से जुड़े हुए हैं?

हां!

टूटने का कोई उपाय ही नहीं है। एक ही उर्जा पूरे ब्रह्माण्ड में विद्यमान है। मुझमें और तुम में सभी में, हमारे मिटते ही वो पुनः मूल उर्जा में मिल जाती है। तभी तो जो लोग जीते जी अपने विचारों को शांत कर दिमाग की सूक्ष्म तरंगों में पहुँच पाते हैं वो वहां से उस मूल ऊर्जा के स्रोत से एक होकर विज्ञान की सभी पहलियों के हल पा लेते हैं।

जैसा कि हमारे देश में कई बुद्ध पुरुषों ने पूर्व में किया है। लेकिन यह एक विज्ञान है इसमें किसी भी देवी-देवता का हाथ नहीं है।

<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

175

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



## संसार किसने बनाया?

एक फिल्म आई थी प्राइम पर। लूसी! वो देख लो। तुम्हारे महात्माओं से संसारी व्यक्ति ज्यादा अक्लमंद है। तुम्हारे मूढ़ धर्म गुरु कहते हैं कि बिना किसी के बनाए कोई भी वस्तु बन ही नहीं सकती। तो यही सिद्धांत परमात्मा पर और खुदा पर लगाओ कि उसको किसने बनाया? वो किसी के बिना बनाएं कैसे बना? जब बाद में भी यही मानना है कि वस्तुएं बिन बनाए बन सकती हैं जैसे परमात्मा। तो पहले भी यही मान लो कि संसार भी स्वयम्भू है वो अणु मात्र से ही बन गया।



<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

177

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



विश्वामित्र ने मानसिक सृष्टि बनाई?

हां!

मैने एक बुक सिल्वा में पढ़ा था कि जैसा विचार रखोगें वैसी ही सृष्टि हो जाएगी। तुम भी पढ़ सकते हों। यानि तुम ही अपने चारों तरफ के सृष्टा हो। तो यही तो विश्वामित्र ने किया।

लेकिन यह मत मान लेना कि विश्वामित्र ने किसी दूर ग्रह पर आदमी बनाए।

parmatmana  
the ultimate wisdom

<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

179

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



क्या हम यहां सुख पैदा कर सकते हैं?

हां!

जब तुम दुख पैदा कर सकते हो तो सुख क्यों नहीं। और यही तो मैं कह रहा हूं। तुम्हारे सभी के धर्म आजतक दौहराते आ रहे हैं कि यह दुनिया नरक है और यहां से अच्छे कार्य करके यानी गधों को दान-दक्षिणा देकर तुम्हें स्वर्ग और जन्नत की टिकट मिलेगी। जहां सुख होगा। और मैं यह कह रहा हूं कि तुम इसी जहां को स्वर्ग बना सकते हो। अब जो अच्छा लगे उसे स्वीकार लो।

<https://jagteraho.co.in/>    <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

181

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



क्या प्रार्थना करना जरूरी है?

प्रार्थना मैं कर सकता हूं यह धारणा ही मूर्खतापूर्ण है।

प्रार्थना तो चल ही रही है तुम्हारे चारों तरफ। पेड़-पौधें, पशु-पक्षी, नदियां-सागर, सभी उसी विराट की प्रार्थना में लीन ही है। तुम्हें तो बस अपनी मैं मिटा कर उसमें शामिल होना है।



<https://jagteraho.co.in/>    <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

183

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



हवन करने से क्या लाभ होता है?

केवल तुम्हारी मूढता भरी धारणाएँ दृढ़ होती हैं।





<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

185

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



क्या वर्षा इंद्र करता है?

नहीं! -आज तो दुनिया में साइंटिस्ट करते है।

हां! तुम उन्हें इंद्र कह सकते हो क्योंकि तुम अंधे धार्मिक जो हों।

अब तुम्हारी सारी गोबर घन की कहानिया झूठ हो गई।



<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

187

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



इतने मंदिर-मस्जिद क्यों बनाए गए?

जैसे भारत-पाकिस्तान बनाए गए। बस ऐसे ही दुनिया भर में देश बनें। और ऐसे ही मन्दिर-मस्जिद बनें। अपनी अपनी गद्दी को बनाने को हम ये करते है। अभी अभी भारत में एक नया मंदिर बना क्या तुम नहीं मानते कि ये गद्दी को बचाने के लिए बना ?

**parmatmana**  
the ultimate wisdom

<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

189

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



क्या जन्म-मृत्यु पूर्व निर्धारित है?

शायद तुम्हारे लिए तो हाँ।

और जिन्हें सत्य मिल गया उनके लिए कदापि नहीं। दरसल तुम जो-जो धारणाएँ पालते हो वो-वो तुम्हारे लिए दुनिया में सत्य हो जाती है। क्योंकि तुम परमात्मा हो। तुम अगर यह धारणा पालोगें कि तुम 40 वर्ष में ही बूढ़े हो गए तो तुम हो ही जाओगें। और अगर तुम यह मानते हो कि तुम 85 वर्ष में भी जवानी की तरह भाग दौड़ रहे हो तो तुम तब भी जवान ही हो।

<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

191

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



मरने के बाद बुरे से बुरे आदमी की भी प्रशंसा क्यों की जाती है?

अब प्रधान मंत्री जी मर जाए तो क्या कहेंगे ? कि वो पूरे हिटलर समान थे?

नहीं!

तुम कहोगे कि वो हिटलर समान नहीं थे वो अच्छे थे उन लोगों की बदौलत जिनको वो अपने पीछे अपनी वाशिंग मशीन में साफ करके छोड़ गए। उन सैकड़ों नेताओं की तुलना में तो हमारे प्रधानमंत्री जी देवता तुल्य व्यक्ति हैं। अब और क्या अच्छें कार्यों का गुनगान करें? कुछ हो तो करें न!



<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

193

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



क्या भारत कभी सोने की चिड़िया था?

हां!

कुछ व्यक्तियों के लिए पहले भी था और केवल चुन्निदां लोगों के लिए आज भी है। गूगल करो 145 करोड़ की संख्या में 280 लोगों के लिए आज भी है।



<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

195

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



## क्या राम राज्य आएगा?

पहले तो यह समझ लो कि राम राज्य में क्या था? स्त्रीयां बंधन में रहती थी, बाजारों में गुलाम बैचें जाते थे, बहु विवाह प्रथा थी, शुद्रों को पढ़ने लिखने की इजाजत नहीं थी। समाज में ब्राह्मणों का जाल था। जो आज भी है।

राम ने खुद ब्राह्मणों के कहने पर एक शूद्र के कान में शीशा डलवाया था। अब सोचकर बताओं कि क्या होता है राम राज्य? मेरी दृष्टि में तो वो समय अच्छा होगा जब पूरे देश की बागडोर पढ़े-लिखे रिटायर 50 से 60 वर्ष के व्यक्तियों के हाथ में होगी। न कि अनपढ़ गधों के हाथ में।

तो हमें पुनः राम राज्य न आ पाये ऐसे उपाय करने चाहिए।

<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

197

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



क्या पहले का समय अच्छा था?

यह तर्क तुम्हें मूढ़ धार्मिक गुरुओं ने दिया है। क्योंकि हजारों वर्षों से तुम मूढ़ों का बनाया हुआ धर्म ही तो ढों रहे हों। तुम्हारा सभी का धर्म जीवन विरोधी है हिन्दू का सन्यासी जंगल में नंगा, मुसलमान का फकीर घर से बाहर खानाबदोश, बुद्ध का भिक्षु सन्यासी, जैन में तो यह जीवन विरोधी धारणा इतनी पूजनीय है कि उन्होंने तो जीवन को समाप्त करने वाली एक क्रिया ही गढ़ दी है जिसका नाम **संथारा** है। अब बताओं कि पहले का समय अच्छा था या आज का। मेरी दृष्टि में तो आज का समय बहुत अच्छा है।

एक और प्रयोग करो अपने ही घर में आज का 8-10 वर्ष का बच्चा देखो और तुलना करो जब तुम 8-10 वर्ष के थे कि आज का बच्चा बुद्धिमान है या उस समय तुम बुद्धिमान थे ?

मेरी दृष्टि में तो आज का बच्चा ज्यादा बुद्धिमान है। अब सोचो हम उन 55 00 वर्ष पहले वाले लोगों का बनाया हुआ धर्म ढों रहे है जो हमसे भी कम बुद्धि वाले थे।

<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

199

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

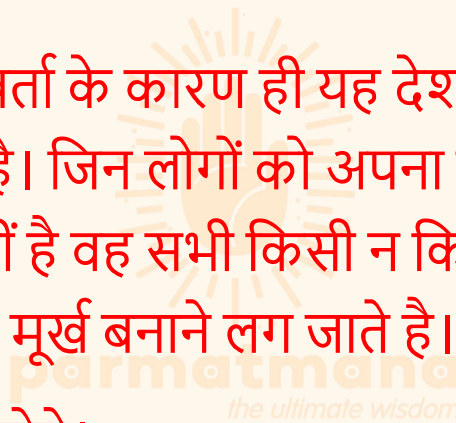


क्या शास्त्रों में जो वर्णन है कि चार युग है और यह कलयुग चल रहा है वो सत्य हैं?

इसी प्रकार की मूर्खता के कारण ही यह देश आज तक गरीब और पिछड़ा हुआ है। जिन लोगों को अपना पेट भरने के लिए कमाने का ज्ञान नहीं है वह सभी किसी न किसी धर्म का चोला ओढ़कर जनता को मूर्ख बनाने लग जाते हैं।

कोई चार युग नहीं होते।

तुम अगर मन से अच्छा सोचते हो और समाज में अच्छा व्यवहार करते हो तो तुम आज भी सतयुग में हों। और अगले ही दिन तुम अगर हिंसा, डकेती, खून- खराबा, बलात्कार करते हो तो तुम उस दिन कलयुग में हों। तुम्हारे ही जीवन में रोज यह युग बदल सकते हैं।





<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

201

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



## भारत गरीब और पिछड़ा हुआ क्यों है?

केवल तुम्हारे कारण। जब तक तुम अकेले इन धर्म रूपी मूर्खता भरी सोच को नहीं छोड़ोगें तब तक भारत गरीब और पिछड़ा ही रहेगा। और केवल तुम्हारे कारण इसलिए लिखा कि तुम केवल इस मूर्खता भरे मार्ग को छोड़ों और ऐसे ही जब 145 करोड़ लोग अकेले ही इस मूर्खता भरी सोच को छोड़ेंगे तो यह देश शायद उपर उठ सकेगा।

<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

203

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



## कलयुग में कल्कि अवतार कब होगा?

यह मूर्खता भरी धारणा है। आज तक जो भी तुमने अवतारों की कहानियां सुनी है वो बस बच्चों को थपकी देकर सुलाने के लिए ही है। जैसे माँ बच्चों को थपकी देकर कहानी सुनाकर सुला देती है वैसे ही तुम सभी के धर्म गुरु तुम्हें कहानियां सुनाकर सुलाते आ रहे है। क्योंकि हुकूमत करने वाला कभी भी नहीं चाहता कि जिस पर वो हुकूमत कर रहा है वह कुछ भी प्रश्न करें। फिर वो सरकारें हो या धर्म गुरु!

अवतार आज तक कभी भी नहीं हुआ। हां! भगवत्ता का, ज्ञान का, प्रज्ञा का, बोध को, अवतरण होता है और वो होता है “मैं” के मिटने के बाद। और वो तो आज भी दुनिया में हजारों के उपर हो रहा होगा। तुम आंखों पर से धारणाओं का चश्मा उतारकर देखो तो दिख जाएगा।

<https://jagteraho.co.in/>    <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

205

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



क्या मनुष्य का भविष्य अंधकार पूर्ण है?

यह तुम पर निर्भर करता है। अगर तुम मानते हो कि जो बीत गया वो अच्छा युग था और आने वाला समय अंधकार पूर्ण होगा तो तुम्हारा भविष्य जरूर ही अंधकार पूर्ण होगा। और यह नकारात्मक धारणाएँ तुम सभी को तुम्हारे मूढ़, अनपढ़, ग्वार, कामचोर, भिखमंगों, निठुलें धर्म गुरुओं ने ही सिखाई है। आज भारत का भविष्य अंधकार पूर्ण क्यों है केवल इन मूढ़ों के ही कारण।

और अगर आज भी समाज में कुछ बुद्धिजीवी वर्ग उस ऊंचाई को उपलब्ध न हुआ जिस ऊंचाई को कृष्ण, बुद्ध, महावीर, जीजस, नानक, कबीर ने छुआ तो निश्चित ही मनुष्य का भविष्य अंधकार पूर्ण है।

<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

207

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



मनुष्य अपने अज्ञान को कैसे समाप्त कर सकता है?

अज्ञान नामक कोई वस्तु नहीं होती। जैसे अंधकार नामक वस्तु नहीं होती।

हाँ! प्रकाश न हो तो वहाँ अंधकार प्रतीत होता है। उसी प्रकार ज्ञान, बोध, प्रज्ञा, जागरण, विवेक आदि न हो तो वहाँ अज्ञान प्रतीत होता है। तुम्हें अज्ञान को दूर नहीं करना है। तुम्हें अंधकार को दूर नहीं करना है तुम्हें तो बस प्रकाश जलाना है। तुम्हें तो बस बोध को प्रकट करना है।



<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

209

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



क्या ऋषि-मुनि जो लिख गए वो ठीक नहीं है?

आज से 30-40 वर्ष पहले साईं के सारे शास्त्र लिखे गए। और आज से 500 वर्ष बाद लोग यही मानेंगे कि वो शास्त्र ऋषि-मुनि लिख गए। तो क्या तुम यह मानते हो कि आज ऋषि-मुनि है?

ठीक उसी प्रकार जैसे आज के लोगों ने शास्त्र लिखे और उस पर साईं उपनिषद् , चालीसा, पुराण आदि का नाम दे दिया गया उसी प्रकार 5000 वर्ष पहले भी यही हुआ था। पता नहीं कचरा किन मूढ़ों की उपज थी और नाम ऋषि-मुनि का दे दिया।

<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

211

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



क्या जन्म-मृत्यु, लाभ-हानि, यश-अपयश विधि के हाथ है?

इसी मूर्खता भरी सोच ने भारत को भाग्यवादी बना दिया और पूरा भारत भाग्य के ही भरोसे बैठ गया। और यही कारण है कि आज तक भारत पिछड़ा हुआ है। यह कुछ भी किसी के हाथ नहीं है यह सभी तुम्हारे हाथ है।

  
parmatmana  
the ultimate wisdom

<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

213

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

214

बुद्धत्व क्या है?

केवल स्वयं को जानना।



<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

215

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



जीवन का लक्ष्य क्या है?

इस जीवन को प्रेम पूर्वक जीना। इस भूल में मत रहना कि यहां जप-तप करोगे, नमाजें पढ़ोगे तो स्वर्ग मिलेगा और वो जीवन का लक्ष्य होगा।

नहीं!

यह सब कहानीयां तुम्हारे मूढ़ धर्म गुरुओं द्वारा बनाई गई है। जिनको जीवन का रस मिला उन्होंने यही उत्तर दिया है कि जीवन का लक्ष्य केवल जीना मात्र ही है।



<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

217

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



धर्म क्या है?

जीवन, परमात्मा, खुदा, अल्लाह, सत्य, प्रज्ञा, बौद्ध, धर्म! यह सभी एक ही शब्द के भिन्न-भिन्न नाम हैं।

यह यह सभी शब्द तुम्हारे यानी मनुष्य के ही पर्यायवाची हैं।  
लेकिन जागते हुए मनुष्य के।

**parmatmana**  
the ultimate wisdom

<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

219

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



मुक्ति क्या है?

तुम्हारा सभी पुरानी धारणाओं और परम्पराओं का त्यागना।  
क्योंकि मुक्ति किससे? बंधनों से ही न।

तो सोचो बंधन क्या है? केवल मूर्खता भरे कृत्य और कुछ भी तो  
नहीं।

  
parmatmana  
the ultimate wisdom

<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

221

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



क्या हमारी संस्कृति ठीक नहीं है?

यह निर्भर करता है कि हम संस्कृति कह किसे रहे हैं। क्या मंदिर-मस्जिद जाने को? या अपने माता-पिता या बुजुर्ग आदि से अच्छा व्यवहार करने को?

संस्कृति के नाम पर हमने कचरा ही लादा है कुछ ने हिन्दू होने की संस्कृति लाद ली है कुछ ने मुस्लिम होने की। और किसी ने भी यह नहीं देखा कि इस सड़ी-गली संस्कृति ने आज तक उन्हें दुख के अलावा दिया क्या है।

<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

223

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



क्या रामलीला, रासलीला, भागवत कथा आदि करना ठीक नहीं है?

तुमने आज तक रामलीला, रासलीला, भागवत कथा आदि करके पाया क्या? केवल हिन्दू होने की भीड़ के हिस्से बन कर अपने ही अहंकार को संतुष्ट किया।

तुम्हें क्या लगता है कि इस प्रकार भारत उन्नत हो पाएगा। सुखी और समृद्ध हो पाएगा? नहीं!

न तो आज तक कुछ बदला है और न ही बदलेगा। आखिर कब तक इन जंजीरों को सोने की पॉलिश कर के पहनते रहोगे। एक बार यह जंजीरे उतार कर फेंक कर देखो मुक्ति का क्या आनंद होता है।



<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

225

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



धार्मिक कैसे हुआ जाता है?

धार्मिक हुआ जा ही नहीं सकता। क्योंकि जिसे धर्म मिलता है उसकी मौत पहले ही हो जाती है। या तो वहां तुम होते हो या धर्म। दोनों एक ही समय में नहीं होते। जिस प्रकार प्रकाश कभी भी अंधकार को नहीं देख सकता है उसी प्रकार तुम कभी भी धर्म को नहीं देख सकते हो क्योंकि तुम्हारे होने का ही तो दूसरा नाम अज्ञानता है

और तुम्हारे मिटने का नाम ही तो धर्म, परमात्मा, भगवान, बोध, जागरण, खुदा, अल्लाह है।

<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

227

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



जीवन में नृत्य के प्रकट होने से क्या तात्पर्य है?

नृत्य यानी उत्सव का होना। यह जो कहानियां तुम ने सुनी है न सच्चिदानन्द की। यह सच्चिदानन्द कोई सातवें आसमान पर बैठा व्यक्ति नहीं है। यह तो तुम्हारे होने की स्थिति का नाम है और यह स्थिति तब प्रकट होती है जब

“खुदा की बांसुरी बजे और तुम्हारे पांव में मीरा के घुंघरू बंध जाए”

और जब

“कृष्ण बंसी बजाए और तुम उसी क्षण नमाज अदा कर दो”।  
बस उसी क्षण तुम्हारे भी जीवन में नृत्य प्रकट हो जाएगा।

<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

229

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



प्रकृति की ओर हर किसी का मन क्यों आकर्षित होता है?

क्योंकि यहां परमात्मा ही छुपा है और यही खुदा का ढंग है तुम्हें बुलाने का। अगर तुम्हें पक्षियों के संगीत में उस खुदा के घुंघरू की धुन सुनाई देने लगे या नदियों के कल-कल में कृष्ण की बांसुरी की धुन सुनाई देने लगे तो मानना कि प्रकृति ने जो जाल तुम पर फेंका था तुम उस में फंस चुके हो। अब बच के निकलने का कोई भी मार्ग नहीं है।

अगर तुम उस जाल से बचना चाहते हो तो मन्दिर-मस्जिद में ही छुपे रहों। वहीं तुम बच सकते हो। क्योंकि :-

“परमात्मा-खुदा मंदिर-मस्जिद छोड़कर सभी जगह बिखरा हुआ है”।

और इसके बाहर उसी ने यह प्रकृति रूपी जाल बिछा रखा है।

<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

231

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



हम उसका मन्दिर कहां बनाए और कैसा बनाए है?

अगर खुदा है तो हर कहीं है तो उसके लिए जगह कैसे निर्धारित करोगें? और अगर खुदा नहीं है तो कहीं भी नहीं है तो फिर मंदिर बनाकर परमात्मा कहां से बिठाओगें?

सारा विश्व उनका मंदिर है। आपको बस अपनी आंखें खुली रखने की जरूरत है।

**parmatmana**  
the ultimate wisdom



<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

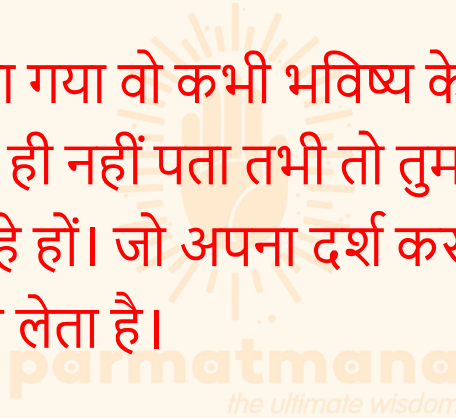
233

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



भविष्य में जो हमें स्वर्ग या जन्नत मिलेगा या नरक या जोजफ मिलेगा उसका क्या उत्तर है?

जिसे आज जीना आ गया वो कभी भविष्य के लिए सपने नहीं बुनता। तुम्हें अपना ही नहीं पता तभी तो तुम भविष्य की कल्पनाओं में जी रहे हों। जो अपना दर्श कर लेता है वो आज ही ही स्वर्ग का सुख पा लेता है।



<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

235

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



गर्भ में बच्चा रोता है और भगवान से कहता है कि मुझे यहां से बाहर निकाल में पूरा जीवन तेरी भक्ति करूंगा। क्या यह सही है?

भगवान ने इतना सुंदर जीवन दिया है और तुम्हारे मूर्ख धर्मगुरु उसी का तिरस्कार करने के लिए व्यर्थ ही जीवन की निंदा करते हैं। अब गधों को घोड़ों की रेस में दौडाओगे तो वो फाईनल लाईन की तरफ नहीं घांस की और ही मुड़ेगे।

<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

237

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



हम धार्मिक किसे कहेंगे? क्या मंदिर-मस्जिद जाने वाला धार्मिक नहीं है?

नहीं !

हमारे देश का दुर्भाग्य ही यह है कि हम सदियों से मंदिर-मस्जिद-जाने वाले को धार्मिक मानते आए हैं। यही कारण है कि आज दुनिया में हिंदू और मुसलमान पाए जाते हैं लेकिन धार्मिक व्यक्ति नहीं।



<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

239

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



अगर हमें खुदा मिल भी जाए तो हम उसे कैसे पहचानेंगे?

जिस दिन तुम्हारे भीतर का सूर्य उगेगा उस दिन तुम स्वयं को भी पहचान लोगे और उस परमात्मा को भी पहचान लोगे। और देखोगें कि दोनों में तिल मात्र का भी भेद नहीं है।





<https://jagteraho.co.in/>    <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

241

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



हम कौन सी प्रार्थना करें जिससे परमात्मा प्रसन्न हों?

तुम्हारी सारी प्रार्थनाएं व्यर्थ ही तो है। तुम प्रार्थना के नाम पर करते क्या हो? और धन दे, और मान दे, पद दे, प्रतिष्ठा दे।

प्रार्थना:- नाम है प्रेम का!

लेकिन भिखारियों ने तुम्हें भीख मांगना ही सिखा दिया- तुम्हें भिखारी ही बना दिया। कैसे करोगे तुम प्रार्थना?

<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

243

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



हम कौन सा शास्त्र पढ़ें जिससे हमें भी धर्म का ज्ञान हो जाएं, हम इनलाइटेंड हो जाएं?

शास्त्रों में पंक्तियों के बीच का खाली स्थान पढ़ो।

यंहा जो पढ़ रहे हो केवल इससे पहले वाला पेज पूरी तरह से एक-एक अक्षर पढ़ो। तुम इनलाइटेंड हो जाओगे।

**parmatmana**  
the ultimate wisdom

<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

245

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



हमारे भी जीवन में ब्रह्मचर्य कैसे आए इसके बारे में बताएं?

ब्रह्मचर्य शब्द कितना सुन्दर है इसका अर्थ होता है ब्रह्म जैसी चर्या! यानि सभी में परमात्मा जैसा व्यवहार। लेकिन मूढ़ों ने इसे केवल “काम” से जोडकर ही देख लिया।

आखिर जिसमें जो विकार होगा वो कहीं न कहीं से प्रकट ही हो जाएगा। जिस दिन ब्रह्म का अनुभव होगा उसी क्षण तुम पाओगे कि वही ब्रह्ममय स्थिति का नाम ब्रह्मचर्य है।

<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

247

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



क्या हमें मंदिर-मस्जिद में दीपक जलाना चाहिए?

क्या अजीब लोग हो तुम?

दीपक तो जलाना था स्वयं के भीतर। जो तुम्हारी जिंदगी को रोशन कर देता। लेकिन तुम्हें भीतर का ज्ञान ही नहीं तुम सभी मिट्टी पत्थर के खिलौनों के सामने दीपक जलाकर स्वयं को संतुष्ट कर लेते हो।

parmatmana  
the ultimate wisdom



<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

249

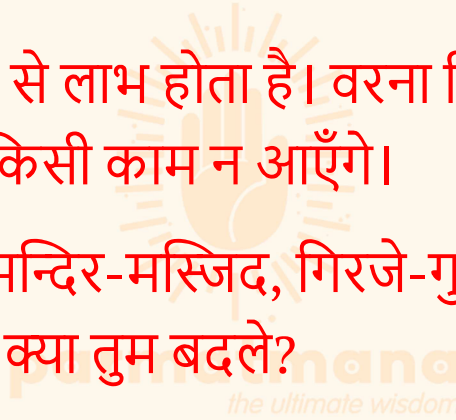
केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



क्या जो पुराने सिद्ध मंदिर-मस्जिद है जैसे काबा-काशी, या अन्य तीर्थ स्थल, इन जगहों पर जाने से लाभ होता है?

स्वयं के भीतर जाने से लाभ होता है। वरना जितने मर्जी बड़े-बड़े मन्दिर बना लो वो किसी काम न आएँगे।

आज तक करोड़ों मन्दिर-मस्जिद, गिरजे-गुरुद्वारे बन चुके है क्या संसार बदला? क्या तुम बदले?



<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

251

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



क्या मैं परमात्मा बन सकता हूँ?

कहते हैं चिड़िया कभी बाज नहीं बन सकती। तुम मेरे साथ दस कदम चल कर तो देखो मैं तुम्हें पूरा-पूरा परमात्मा न बना दूँ तो कहना।



<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

253

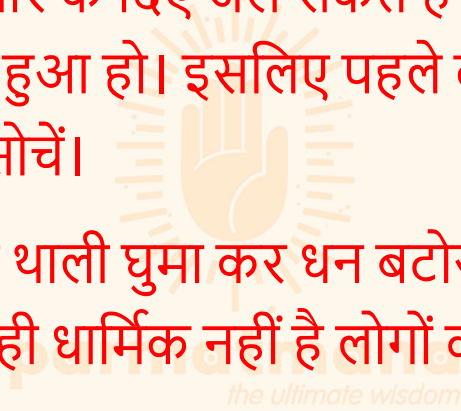
केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



आज के धर्मगुरु दुनिया को धार्मिक क्यों नहीं बना पा रहे?

एक दीए से पूरे संसार के दिए जल सकते हैं। लेकिन तब! जब पहला दिया जलता हुआ हो। इसलिए पहले वो धर्मगुरु स्वयं का दीपक जलाने की सोचें।

लेकिन वो बेचारे तो थाली घुमा कर धन बटोरने के लिए ही धर्म गुरु बने हैं वो स्वयं ही धार्मिक नहीं हैं लोगों को कैसे बनायेंगे।



<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

255

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



कौन सा धर्म उत्तम है?

बीमारियां अलग-अलग होती है लेकिन स्वास्थ्य एक ही होता है। उसी प्रकार मूर्खता रुपी विचारधाराओं को तुमने धर्म का नाम दे रखा है वो धर्म नहीं है। धर्म एक ही होता है सत्य का बोध, स्वात्म अनुभव हो जाना।

और यह जो धर्मों को नाम दिए है न तुमने। हिन्दू-मुस्लिम, सिख ईसाई। यह केवल बीमारियां मात्र है इनका धर्म से कुछ भी लेना देना नहीं है।



<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

257

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



सत्य का अनुभव होने से क्या बदलता है?

धर्म मिलने से पूरा व्यक्ति बदल जाता है पूरा का पूरा व्यक्तित्व ही बदल जाता है लेकिन वो वस्त्रों से नहीं भीतर से बदलता है।

और तुम्हें स्वयं का बोध हो जाता है।



<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

259

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



आज समाज में किस प्रकार के धर्म की आवश्यकता हैं ?

समाज में आज किसी भी धर्म की आवश्यकता नहीं है केवल मनुष्य के धार्मिक होने की आवश्यकता है।



<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

261

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



इनलाइटनमेंट क्या है?

धर्म, अध्यात्म, इनलाइटनमेंट, बोध, जागरण, प्रज्ञा, ज्ञान, केवल इतना ही है कि तुम्हारी सारी दौड़ समाप्त हो जाए।

धन की, पद की, मान, प्रतिष्ठा की।

यहां तक कि स्वर्ग की, मोक्ष की, बैकुंठ की और निर्वाण की भी।

**parmatmana**  
the ultimate wisdom

<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

263

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



हमारे इस जीवन का क्या उद्देश्य है?

तुम्हारे पास एक ही विकल्प था सदियों से। वह यह था कि तुम पुराने जन्मों-जन्मों के पापी हो और यह जीवन तुम्हें दुख भोगने के लिए मिला है और मरने के बाद ही स्वर्ग या जन्नत में जाकर ही तुम सुखी हो सकते हो।

आज हजारों वर्षों बाद मैं तुम्हारे सामने एक नया विकल्प खोल रहा हूँ कि यह जन्म तुम्हें सुख भोगने के लिए आनंद से रहने के लिए, उत्सव मनाने के लिए मिला है। आनंद तुम्हारा स्वरूप है और तुम चाहो तो इसी जीवन को स्वर्ग बना लो। तुम्ही परमात्मा हो और तुम्हारे अलावा कोई परमात्मा कहीं नहीं बैठा है।

अब तुम्हारी जो इच्छा हो वही मानो! चाहे यहा दुखी रहो और मरने के बाद स्वर्ग की कल्पना करो या मेरी बात मान कर आज ही सुखी हो जाओ।



<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

265

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



दुनिया कैसी होनी चाहिए थी?

सोचों! अगर दुनिया भर के सारे बुद्धिजीवी मिलकर एक ऐसी दुनिया की संरचना करे जहां किसी भी देश की सीमा न हो, न जवान तैनात हो न रक्षा के लिए जहाज या तोपे हो। और पूरी दुनिया में जो देश का सबसे बड़ा बजट रक्षा व्यय पर खर्च होता है वो धन लोगों की सेवा में लगाया जाए तो सोचो वो दुनिया बेहतर होगी या आज की दुनिया?

मेरी दृष्टि में दुनिया को नेताओं की नहीं बुद्धिजीवी वर्ग की आवश्यकता है।

<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

267

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



क्या आज समाज में इतने अधिक मंदिर-मस्जिद, गिरजे-गुरुद्वारें है पूरी दुनिया किसी न किसी धर्म को मानती है तो क्या आज का समाज पहले से ज्यादा धार्मिक नहीं है?

तुम तकरीबन 50-60 वर्ष के हो गए और तुम्हारे जीवन के सामने ही सामने दुनिया में पिछले 100 वर्षों में लगभग 200 से ज्यादा युद्ध हो चुके है दो महायुद्ध भी इन्ही 100 वर्षों में हुए, चाहे कश्मीरी पंडितों की हत्या हो, कोरिया युद्ध हो, हिंदुस्तान पाकिस्तान युद्ध हो, रूस अमेरिका युद्ध, रूस और यूक्रेन हो या तालिबान सद्दाम हुसेन या ओसामा हो, मुसलमान आतंकवाद हो या नेताओं द्वारा ध्यान भटकाने के लिए जवानों का नरसंहार हो। अगर गिनती करोगें तो तुम्हारे सामने-सामने 50-60 वर्षों के जीवन काल में 100 से ज्यादा युद्ध हो चुके है ऐसे समाज को तुम पढ़ा लिखा, उन्नत, धार्मिक समाज कहते हो? और तुम सभी स्वयं

<https://jagteraho.co.in/>    <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

269

को धार्मिक मनुष्य कहते हो? नहीं यह धार्मिक आदमी के नहीं सोए हुए आदमी के लक्षण है।

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



हमने गंगा को माँ कहाँ और माँ की मूर्ति बनाई और परमात्मा तुम कहते हो मूर्तियां गलत है क्यों?

गंगा की मूर्ति वाली माँ जैसी माँ कहीं भी नहीं है किसी भी दुनिया में नहीं। गंगा! केवल गंगा ही नहीं दुनिया में कोई भी नदी, कोई भी जल स्रोत हमें जीवन देता है यानि जीवित रखता है और जो जीवित रखता है जिसके कारण हम जीवित रहते हैं उस प्राण दायीनि स्रोत को माता या पिता कहना उचित ही है और उसे संभाल कर रखना है, उसका सम्मान करना है, उसे बचाना है यह उचित ही है। लेकिन मूर्तियों की तरह मूर्ति बनाकर आरती उतारना? उससे कुछ भी नहीं होगा वो उचित नहीं है। वो तो तुमने दुकान बना ली दूसरों को ठगने की।

<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

271

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



क्या दीक्षा लेने से कुछ भी लाभ नहीं होता?

नहीं!

दीक्षा से कुछ भी लाभ नहीं होता। क्योंकि अगर दीक्षा से ही तुम धार्मिक हो सकते तो कृष्ण, बुद्ध, महावीर, मोहम्मद, जीजस, नानक, कबीर सभी तुम्हें दीक्षा देकर धार्मिक बना गए होते।

**parmatmana**  
the ultimate wisdom



<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

273

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



ईश्वर के दर्शन कैसे हो सकता है?

ईश्वर के दर्शन सम्भव है लेकिन पहले यह जान लो कि ईश्वर, परमात्मा कौन है? कोई मनुष्य रूपी कोई व्यक्ति नामक ईश्वर कहीं किसी भी ग्रह पर नहीं बैठा।

हाँ! ईश्वरत्व चारों तरफ बिखरा पडा है जीवन के रूप में, ऐश्वर्य के रूप में, तुम्हारे रूप में। तुम बस आंखें खोल लो और स्वयं के दर्शन कर लो।

<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

275

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



## बुद्धत्व क्या है?

बुद्धत्व एक प्रकार की समझ का नाम है जिसके प्राप्त होने के बाद केवल इतना पुनः स्मरण हो जाता है कि अब न कहीं जाना है और न कुछ पाना है।

लेकिन ध्यान देना जिस दिन तुम्हें बुद्धत्व प्राप्त होगा उस दिन उसे पाने वाला नहीं बचेगा। क्योंकि तुम क्या हो? केवल एक माने हुए विचारों के, अहंकार, के समूह !

और जब यह अहंकार गिरेगा वहां कुछ भी न बचेगा। तुम भी नहीं।

<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

277

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



बुद्धत्व कैसे प्राप्त होता है?

किसी ऐसे व्यक्ति को ढूँढ़ लो जो मर चुका हों। और उससे तुम भी मरने की विधि समझ लो और तुम भी मिट जाओं।

एक कदम तुम्हारा मृत्यु में रखा होगा और दूसरे कदम से तुम बुद्धत्व के द्वार में प्रवेश कर रहे होंगे।

**parmatmana**  
the ultimate wisdom

<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

279

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



क्या राम-राम या अल्लाह-अल्लाह जप से कुछ लाभ होता है?

पहले यह समझो राम या अल्लाह कौन है। और तुम्हारे सभी के धर्मों में साफ-साफ लिखा है कि ब्रह्म को देखा नहीं जा सकता, इस्लाम भी मानता है कि अल्लाह की कोई मूरत नहीं बनाई जा सकती।

इसका मतलब सीधा-सीधा है कि परमात्मा एक व्यक्ति नहीं है। वो एक ऐसी ऊर्जा है जो सर्वे सर्वा है। और वो स्वयम्भू है वो न तो पैदा होती है और न ही समाप्त होती है।

तो ऊर्जा को जपना नहीं है क्योंकि वहां कोई इमोशन नहीं है वो तो एक ताकत है और उसी ऊर्जा के कारण हम सब जिंदा है। यानी एक तरह से तो वो राम और अल्लाह पूरा-पूरा हम सब में है। तो जपना नहीं एक दूसरे का सम्मान और प्रेम करना है। जप से कोई लाभ नहीं होता।



<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

281

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



## जीवन क्या है?

तुम्हारे लिए तो भार है तभी तो तुम कहते हो कि यह जीवन दुख है। तुम्हारा ही तो सूक्त है दुखालयं।

और बुद्धो के लिए यही जीवन स्वर्ग है, उत्सव है, आनंद है।

इसीलिए कहता हूँ उन मूढ़ों की अगूलीं छोड़ों जो जीवन विरोधी धर्म का पाठ पढाते हैं।

इस जीवन से सुन्दर जीवन तुम्हें कहीं नहीं मिलेगा। आंखें खोलो और इसी जीवन को स्वर्ग बना लो।

<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

283

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



क्या मैं मरने के बाद मुक्त हो सकता हूँ?

जीवन में ही मुक्त हुआ जा सकता है मर कर नहीं। क्योंकि जो मर रहा है अगर वो बंधन में है तो मर कर भी बंधन में ही रहेगा। इसलिए अगर मुक्त होने की अभिलाषा है तो आज ही किसी मुक्त का हाथ पकड़ लों।

  
parmatmana  
the ultimate wisdom

<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

285

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



मैं कौन सी सिद्धि करूँ कि जीवन का लक्ष्य मिल जाए?

यहाँ कुछ भी करना नहीं है तुम गलती क्या कर रहे हो। तुम्हारे सभी के धर्म तुम्हें कुछ बनाते हैं और मैं तुम्हें जड़ से मिटाने का मार्ग प्रशस्त कर रहा हूँ। अब तुम जानो कि तुम्हें बनना है या मिटना है।

और मिटना ही सिद्धि है। बनोगे भी तो क्या बनोगे ज्यादा से ज्यादा पंडित या मौलवी हो जाओगे। लेकिन उससे लाभ क्या होगा? क्या तुम्हें पंडित आनन्दित दिखता है?

मेरी दृष्टि में तो पंडित से ज्यादा अशांत व्यक्ति तुम्हें दुनिया में ढूँढने से नहीं मिलेगा। पंडित का मतलब हिन्दू धर्म के पंडित से ही मत लेना। पंडित यानी धर्म गुरु, पादरी, मौलवी, ग्रंथि, राज नेता, कथा विक्रेता, मंदिर मस्जिद चलाने वाला व्यक्ति।

<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

287

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



आत्मा का आकार कैसा है और यह मां के गर्भ में कब प्रवेश करती है?

झूठ है वो शास्त्र जो कहते है आत्मा सभी के भीतर जन्म से ही होती है।

मैं कहता हूँ कोरा झूठ है। क्योंकि जिसको अपनी आत्मा का ही बोध नहीं वो स्वयम् में प्रकट करेगा भी तो कैसे? इसलिए अपने शास्त्रों में संशोधन करें।

और जो तुम्हारे शास्त्रों में वर्णन है कि आत्मा का आकर बाल की नोक के १०,००० हज़ारवें भाग के बराबर है वो झूठ है। क्योंकि जो वस्तु सर्वत्र फैली है वो तुम्हारी अलग से कैसे हो सकती है? क्या तुम्हारे घर के ऊपर वाला आकाश तुम्हारा निज का है ?



<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

289

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



परम जीवन क्या होता है और कैसे पाया जाता है?

जिस दिन तुम मरोगे उसी दिन तुम परम जीवन को प्राप्त करोगे।  
लेकिन मैं तुम्हारी देह के मरने की बात नहीं कर रहा हूँ।  
मैं तुम्हारे मैं रूपी अहंकार के मरने की बात कर रहा हूँ।



<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

291

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



मौत से बचने के लिए कौन सा मंत्र है?

इससे पहले मौत आए तुम मेरे पिलाए अमृत का स्वाद चख लो  
मृत्यु तुम्हारा बाल भी बाँका नहीं कर पाएगी।

इस अज्ञान को प्राप्त करते ही तुम देह से अपना तारतम्य स्वयं ही  
छोड़ दोगे।

  
parmatmana  
the ultimate wisdom

<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

293

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



क्या हम परमात्मा को पा सकते हैं?

परमात्मा, सत्य, खुदा, विराट इतना नजदीक है कि वो तुम्हारे हाथों पर ही विराजमान है लेकिन तुम मुठी बांधना चाहते हो और वो छिटक जाता है। और जब तुम कुछ भी पकड़ने की आकांक्षा नहीं रखते तो वो वस्तु स्वाभाविक ही तुम्हारे पास होती हैं लेकिन जैसे ही तुम उस वस्तु को पकड़ने की और उसके मालिक बनने की इच्छा व्यक्त करते हो वो वस्तु तुमसे हमेशा के लिए दूर चली जाती है।

हाथ खोलो और देखो कि तुम्हारे हाथों पर प्रकाश विद्यमान है या नहीं?

और अब मुठी बंद करो और देखो प्रकाश गायब।

<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

295

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



ईश्वर है या नहीं?

ये प्रश्न ही तुम्हें उन मूढ़ों ने सिखाया है जिन्होंने झूठे ईश्वर गढ़े हैं।  
मुझसे तो ये पूछों कि मैं ईश्वर कैसे हो सकता हूँ?

और अगर तुम मरने के लिए तैयार हो तो मैं : -

खुदा, परमात्मा, अल्लाह, भगवन, एक क्षण में दिख सकता हूँ।

**parmatmana**  
the ultimate wisdom



<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

297

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

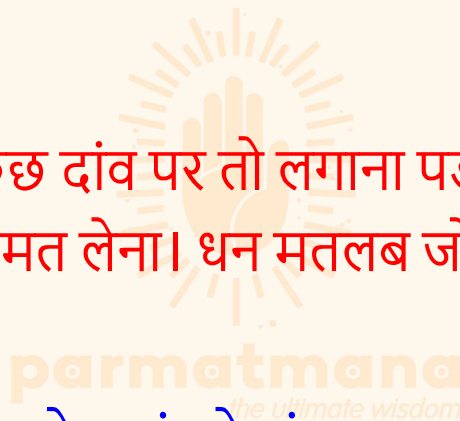


क्या धर्म की प्राप्ति के लिए धन की भी आवश्यकता होती है?  
जैसा दान चढ़ावा धर्म गुरु मांगते है आश्रम या गउ शाला चलाने  
के नाम पर?

हाँ! धर्म प्राप्ति में कुछ दांव पर तो लगाना पड़ता है। लेकिन धन  
से मतलब रुपये से मत लेना। धन मतलब जो वस्तु तुम्हें सबसे  
ज्यादा प्रिय हो।

तो अगर धर्म चाहिए तो स्वयं को दांव पर लगाना पड़ेगा।

और अगर तुम्हें स्वयं को बचाना है तो मृत्युंजय का जप करो और  
पत्थरों के ईश्वर से मन को बहला लें।



<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

299

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



आत्म तृप्ति कैसे मिलेगी? जिससे हमारी सारी मनोकामना पूर्ण हो जाए?

मेरी पास वो सुराही है जिससे मैं तुम्हारी जन्मों-जन्मों की प्यास बुझा सकता हूँ।

जिससे तुम हमेशा हमेशा के लिए तृप्त हो जाओगे। लेकिन क्या तुम तैयार हो?



<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

301

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



क्या नास्तिकों के कारण धर्म लोप हो रहा है?

नहीं!

मेरी दृष्टि में नास्तिक इसका कारण नहीं बल्कि धार्मिक दिखने वाले आस्तिक ही इसका कारण है। जिसे धर्म की खोज हो वो कहीं न कहीं से पा ही लेता है।

“मुझे धर्म मिला तो तुम्हें भी मिल सकता है”।

हाँ! यह दुनिया में दुकान खोले हुए धर्मगुरु अगर हटा दिए जाए तो धर्म ज्यादा लोगों को और जल्द ही मिल जाए।

<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

303

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



जब हमें कभी परमात्मा मिल भी जाए तो हम उसे पहचानेंगे कैसे?

जिस दिन तुम्हारे भी भीतर का सूर्य उगेगा उस दिन तुम स्वयं को भी पहचान लोगे और उस परमात्मा को भी पहचान लोगे।

तो परमात्मा को, खुदा को खोजने काबा-काशी मत भटको अपनी आंखें खोलने का प्रयत्न करो।





<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

305

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



फिर भी अगर पूजा करनी हो तो किसकी करें और दीपक कैसा जलाए?

क्या अजीब लोग हो तुम भी।

मिट्टी पत्थर के खिलौनों के सामने दीपक जलाते हो।

अरे दीपक तो जलाना था स्वयं के भीतर। जो तुम्हारी जिन्दगी को रोशन कर देता। मिट्टी पत्थर के खिलौनों के सामने प्रकाश किस काम का? खिलौनों जीवित थोड़े ही होंगे?

हाँ!

अगर तुम्हारे भीतर प्रकाश हो जाए तो तुम जीवन्त जरूर हो जाओगे।

<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

307

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



क्या गीता-कुरान आदि ग्रन्थ ठीक नहीं है? हमारे सभी के धर्म गुरु जो उसे पढ़कर हमें सुनाते है वो सही नहीं हैं?

“गन्दे हाथों में सुगन्धित फूल भी दुर्गन्ध ही पैदा करता है”।

गीता-कुरान आदि ग्रन्थ ब्रह्मवाक्य था उसे पढ़ना कौन चाहता है? तुम! जो साए हो! समझ क्या आएगा?

और जिस दिन तुम जाग जाओगे उस दिन तुम्हारे भीतर से जो गीता-कुरान आदि ग्रन्थ निकलेंगे वो ही तुम्हारे लिए सही होंगे।

<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

309

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



धर्म क्या है?

न हिन्दू, न मुसलमान, न सिख, न ईसाई, न बौद्ध, न जैन।

तुम स्वयं को पहचान जाओ, जीवन जीना सीख जाओ, जीवन को पहचान जाओ, स्वयं के स्वभाव को जान जाओ।

बस! उसी दिन तुम धर्म को भी जान जाओगे।

**parmatmana**  
the ultimate wisdom

<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

311

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



जब इस दुनिया में सनातन धर्म नहीं था तब दुनिया में कौन सा धर्म था?

तुम्हें क्या लगता है बुद्ध, महावीर, नानक, कबीर, मोहम्मद, जीजस आदि महापुरुष सनातन धर्म को रटकर जागृत हुए थे?

“सनातन धर्म नामक कोई धर्म होता ही नहीं”।

हाँ ! धर्म जरूर सनातन होता है।

यानी धर्म जरूर स्थिर होता है। और वो इस्थिरता है प्रेम, करुणा, दया आदि गुण।

सोचो अगर हमारी ही दुनिया में मंदिर, मस्जिद, गिरजे, गुरुद्वारे नहीं होते, गीता, कुरान, बाइबिल, ग्रन्थ, धम्मपद आदि ग्रन्थ नहीं होते तो क्या दुनिया आज से बेहतर होती या आज की दुनिया बेहतर है?

अब सोचो और हसो अपनी ही मूर्खता पर।



<https://jagteraho.co.in/>    <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

313

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



मनुष्य जीवन क्यों मिला और हम क्या करे जिससे यह मनुष्य जीवन सफल हो?

तुम्हारे पास एक ही विकल्प था सदियों से वह था कि तुम पुराने जन्मों-जन्मों के पापी हो और यह जीवन तुम्हें दुख भोगने के लिए मिला है और मरने के बाद ही स्वर्ग या जन्नत में जाकर ही तुम सुखी हो सकते हो।

आज हजारों वर्षों बाद मैं तुम्हारे सामने एक नया विकल्प खोल रहा हूँ कि यह जन्म तुम्हें सुख भोगने के लिए आनंद से रहने के लिए, उत्सव मनाने के लिए मिला है आनंद तुम्हारा स्वरूप है और तुम चाहो तो इसी जीवन को स्वर्ग बना लो। तुम्ही परमात्मा हो और तुम्हारे अलावा कोई परमात्मा कहीं नहीं बैठा है। अब तुम्हारी जो इच्छा हो वही मानो!

चाहे यहां दुखी रहो और मरने के बाद स्वर्ग की कल्पना करो या मेरी बात मान कर आज ही सुखी हो जाओ।

<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

315

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

316

क्या तुम परमात्मा दिखा सकते हो?

हाँ!

तुम देखने वाले को खोज लाओ परमात्मा एक क्षण में दिखा दूंगा।



<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

317

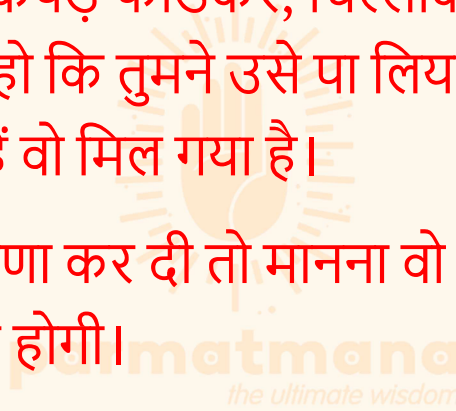
केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



हमें कैसे ज्ञात होगा कि अब हमे वो मिल गया है?

जब तक अपने ही कपड़े फाडकर, चिल्लाकर और नाचकर कहने की इच्छा न हो कि तुमने उसे पा लिया है तब तक बिलकुल मत मानना कि तुम्हें वो मिल गया है।

अगर पहले ही घोषणा कर दी तो मानना वो हिन्दू मुस्लिम होने की ही तरह झूठ ही होगी।



<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

319

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



प्रज्ञावान और विद्वान में क्या भेद है?

प्रज्ञावान, बुद्ध अनुभवी होता है जबकि पंडित-विद्वान पढा लिखा होता है।

विद्वान तुमहे पंडित या साधक बनाता है और बुद्ध या प्रज्ञावान तुम्हें जड से मिटाता है।

पंडित-विद्वान शास्त्रों की बाते करता है क्योंकि अंधेरी गलियों में उसे डर लगता है और बुद्ध तुम्हें उन गलियों में से होकर ले चलता है जहां तुम्हारी मैं हमेशा-हमेशा के लिए खो जाए।

पंडित-विद्वान हजारों वर्ष पुराने मार्गों पर ही चलता है और बुद्ध पुरुष स्वयं का मार्ग बनाता है।



<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

321

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



श्रद्धावान लभते ज्ञानम्! क्या यह पंक्ति सही नहीं है?

तुम्हारे लिए झूठ है। क्योंकि तुम शास्त्रों पर और बाहर के मंदिर-  
मस्जिद पर श्रद्धा कर बैठ गए।

श्रद्धा स्वयं पर करनी थी न कि शास्त्र पर।

और तुम श्रद्धा कर बैठे दूसरे पर।

शंका करो सभी पर !

तुम्हारी शंका में से ही श्रद्धा का जन्म होता है। जो तुम सुनी सुनाई  
बातों पर श्रद्धा कर लेते हो वो शंका से भी खतरनाक है।

parmatmana  
the ultimate wisdom

<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

323

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



शास्त्रों की पंक्ति है कि ब्रह्म सत्य जगत मिथ्या! क्या यह सही नहीं है?

जितना जगत को मिथ्या मानते जाओगे उतना ही तुम मानने वाले को दृढ़ करते जाओगे और तुम्हारा होना और पक्का होता जाएगा।

तुम्हारा अहंकार और दृढ़ होता जाएगा और तुम उस परमात्मा से और दूर होते जाओगे।

<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

325

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



जीवन में क्या आवश्यक है?

प्रेम से जी लो, एक ही जिन्दगी हैं। न आत्मा है और न ही दूर कहीं मोक्ष है।

तुम ही पूरे-पूरे बाहर भीतर से ही आत्मा हो, परमात्मा हो, खुदा हो, अल्लाह हों।

जो कुछ है बस यहीं है।

  
**parmatmana**  
the ultimate wisdom

<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

327

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



मनुष्य अपने ही बंधन क्यों नहीं खोल पाता?

यदि मनुष्य स्वयं का एक बार भी दर्शन कर ले तो सारे बंधन क्षण मात्र में उतार कर फेंक दें। लेकिन दूसरों की ओर देखने की आदत के कारण स्वयं को कभी भी देख ही नहीं पाता।

  
parmatmana  
the ultimate wisdom



<https://jagteraho.co.in/>    <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

329

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



जब यहां धर्मशाला की ही भांति आना-जाना है तो यहां कुछ भी कार्य क्यों करना? ऐसा संतो ने कहा है?

यह दुर्भाग्य है इस देश का कि लोग कह कुछ और गए और तुमने समझ लिया कुछ और। वो कह गए कि लालच मत करो और तुमने मान लिया कि कुछ काम ही मत करो, संसार को सजाओ ही मत क्योंकि यहां से तो चले जाना है।

**parmatmana**  
the ultimate wisdom

<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

331

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



जब मौत निश्चित ही है तो जिन्दगी से इतनी आसक्ति क्यों?

तो क्या इसका मतलब यह मान ले कि पैदा होते ही बच्चे को अर्थी पर लेटा दें?

गंगा को पता है सागर में जाकर अपने ही अस्तित्व को खोना पड़ेगा लेकिन सागर मिलन की चाह अपनी मौत से भी नहीं घबराती।



<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

333

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



मुझे मुक्ति कब और कैसे मिलेगी?

वो तो आज ही मिल सकती है लेकिन तुमने जो यह मुझे की धारणा पकड़ रखी है उसे त्यागना पड़ेगा। क्योंकि जहां मुक्ति होगी वहां मुझे कहने वाला नहीं होगा।



<https://jagteraho.co.in/>    <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

335

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



गंगा स्नान से क्या पुण्य मिलता है?

नहीं !

तुम्हारी मूढता ज्यादा दृढ़ हो जाती है क्योंकि पाप तो तुम मन से करते हो और गंगा में धो आते हो शरीर को।





<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

337

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



क्या मंदिर में हृदय की तरफ से लेटकर प्रणाम करना सही है?  
जैसा कृष्ण भक्ति वाले करते हैं?

नहीं ! उन बिचारो को तो यह भी नहीं पता कि जिस हृदय से प्रेम होता है वह देह में कहीं भी नहीं है। उन्हें तो जैसा उनके गुरु समझा गए वैसा ही करे जा रहे हैं।

और बड़े मजे की बात है उनके गुरु को भी नहीं पता था कि प्रेम करने वाला हृदय देह में होता ही नहीं। वो भी अपने गुरु की ही बात मानकर पूरा जीवन वही करते रहे।

<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

339

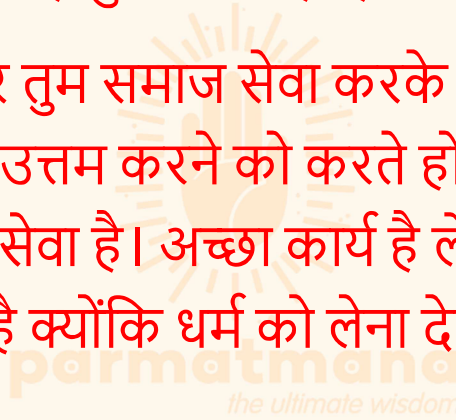
केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



क्या दान, दक्षिणा से कुछ लाभ होता है?

नहीं ! अगर तुम दान दक्षिणा के बदले अपने पापों का सौदा करना चाहते हो तो यह मुमकिन नहीं है।

हां! यही काम अगर तुम समाज सेवा करके लोगों को शिक्षित और उनका जीवन उत्तम करने को करते हो तो यह परमात्मा यानी जीवन की ही सेवा है। अच्छा कार्य है लेकिन धर्म का कुछ भी लेना-देना नहीं है क्योंकि धर्म को लेना देना केवल मनुष्य से होता है।



<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

341

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



क्या हिन्दू, मुस्लिम, सिख, ईसाई को किसी दूसरे से खतरा है?

सोया हुआ व्यक्ति कब किसी की छाती पर पांव रख दें क्या पता।



<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

343

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



खुदा को कहां ढूँढ़ें?

तुम काबा जाओं या काशी! कहीं न पाओगे। क्योंकि तुम्हारी  
आंखें ही बंद है। तुम्हारे सामने खुला बिखरा पडा है ब्रह्म चारों  
तरफ। तुम्हें देखना ही नहीं आता।





<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

345

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



क्या कृष्ण, बुद्ध, महावीर, नानक, कबीर के समय में धरती पर धर्म था?

नहीं!

धर्म धरती पर नहीं व्यक्ति में होता है। उन महापुरुषों में था तुम तो तब भी ऐसे ही खाली थे। पूरा जीवन आनंद बुद्ध के साथ रहा लेकिन खाली, पूरा जीवन गौतम महावीर के साथ रहा लेकिन खाली।

**parmatmana**  
the ultimate wisdom

<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

347

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



मरते समय राम नाम या गंगा जल का क्या लाभ?

जो व्यक्ति पूरा जीवन बंधन में रहा तुम सोचते हो मरते वक्त राम नाम से या गंगा जल की 2 बुंद से कोई लाभ होगा। लाभ जीवन में चाहिए था कि मुक्त जी पाता। लेकिन वो तो बंधा रहा अपनी ही परंपराओं से विचारधारा से।

मरकर लोग मुक्त नहीं होते बंधन में ही रहते है।

**parmatmana**  
the ultimate wisdom

<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

349

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



क्या मुसलमान धर्म बनने से पहले सभी हिन्दू या सनातन थे?

चाहे हिंदू हो या सनातन! लेकिन धार्मिक कोई भी नहीं था। धार्मिक व्यक्ति हिन्दू-मुस्लिम या सनातन होता ही नहीं। अब तुम आज वेजिटेरियन हो तो क्या हुआ। हमारे सभी के पूर्वज तो मांसाहारी ही थे तो क्या कोई लाभ या हानि हुई? तो चाहे वो पहले हिन्दू थे या नहीं कुछ फर्क नहीं पड़ता।

हाँ ! इससे इतना जरूर पता चलता है कि तुम हिन्दू या सनातन कहे जाने वाले लोग सबसे ज्यादा बड़े समय से ही मूर्खता करते आ रहे हों। यानी हम ही नहीं हमारे पूर्वज भी सोए हुए थे।

<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

351

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



क्या धर्म परिवर्तन से कोई लाभ या हानि होती है?

हां!

जब तुम एक पिंजरे से ऊब जाते हो तो दूसरा पिंजरा अच्छा लगता है। मुर्दे को कंधे पर उठाते समय लोग कंधे बदलते हैं न। लेकिन लाश का बोझ तो उतना ही रहता है कम थोड़े ही होता है।





<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

353

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



प्रश्न क्या विधि विधान करें कि हमें भी वो मिल जाए जो तुम्हें मिला है?

तुम विधि विधान, मंदिर, मस्जिद, मंत्र, शास्त्र सभी बदलने को तैयार हो जाते हो। यहाँ तक कि उल्टा धर्म भी छोड़कर दूसरा कचरा धर्म अपनाने को तैयार हो जाते हो। लेकिन स्वयं को बदलने के लिए तैयार नहीं होते। जिस दिन स्वयं को बदलोगे उस दिन तुम्हें भी वो मिल जाएगा।

बस तुम्हें स्वयं को बदलना होगा।

parmatmana  
- ultimate wisdom

<https://jagteraho.co.in/>    <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

355

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



प्रबुद्धजन से दीक्षा लेने से या उन्हें प्रणाम करने से क्या लाभ होता है?

कुछ नहीं।

प्रबुद्धजन तुम्हें अपने से भी मुक्त होने को कहते हैं और तुम उन्हीं से बंधन बांध लेते हो। पंक्ति सुनी है ना तुमने

“तू जाग जा तू भाग जा”।

बंधना किसी से भी नहीं है। स्वयं से भी नहीं।

चरैवेति - चरैवेति !

<https://jagteraho.co.in/>    <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

357

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



लोग ज्यादातर गीता कुरान बाइबिल ग्रंथ ही क्यों सुनना चाहते हैं?  
मुक्ति की बातें अच्छी होने के बाद भी कोई सुनना नहीं चाहता।  
क्यों?

लोग सच सुनना ही नहीं चाहते। हजारों वर्षों की बेड़ियाँ भी  
आभूषण सी ही प्रतीत होती हैं। उसको हमारे पूर्वज पहनते आ  
रहे हैं, उनके पहनने से भरोसा पक्का हो जाता है कि सदियों से  
ही वो पहनते आ रहे हैं कोई पागल थोड़े ही थे।

और मजे की बात तो ये है कि उन्होंने भी अपने पूर्वजों के बारे में  
यह धारणा पाली हुई थी।

<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

359

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

360

प्रबुद्धजन संसारी लोगों की दृष्टि इस में पागल से क्यों प्रतीत होते हैं?

तुम भी जरा ध्यान से चलना इस राह पर क्योंकि जीते जी जिसके भ्रम टूट टूट जाते है। वो सांसारिक दृष्टि में पागल से ही प्रतीत होते है।





<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

361

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



क्या प्रबुद्धजनों की मृत्यु होती है ?

हाँ!

लेकिन जीते जी ही हो जाती है। 70 से 80 वर्ष के बाद तो देह जाती है।



<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

363

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



कौन सा नाम जपें, या किसकी पूजा करें जिससे हम सुखी हो जाए? जैसे पीले कपड़े वाले महात्मा सुख पाने के लिए २४ नाम जपने के लिए कहते हैं क्या वो ठीक नहीं है?

दुनिया का सबसे बड़ा झूठ यही है कि तुम्हें कोई दूसरा व्यक्ति, नाम, या देवता आदि सुखी करेगा। हजारों जन्मों से तुम यही धरणा पाले हो। तुम नचाये जा रहे हो मूढ़ों के हाथों से।

अब तो जागो।

**parmatmana**  
the ultimate wisdom

<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

365

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



हिन्दू, मुस्लिम, सिख, ईसाई बौद्ध या जैन कौन सा धर्म ठीक है?

तुम्हारा सभी का धर्म पाखण्ड करवाता है, एक दूसरे से लड़वाता है दंगे करवाता है दूसरे धर्म वाले को अपने धर्म में मिलाने को कहता है, धर्म की रक्षा के लिए हथियार उठाने को कहता है। धर्म युद्ध में अपनी बलि देने को कहता को कहता है। धर्म युद्ध में मरने से स्वर्ग जन्नत के स्वप्न दिखाता है।

माफ करना तुम धर्म के नहीं कल्ट के सदस्य हो?

parmatmana  
the ultimate wisdom

<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

367

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



कैसे ज्ञात होगा कि सत्य मिल गया है?

जब तुम्हारा घट फूट जाए।

क्योंकि जब तक घट साबुत बचा है तब तक नहीं मानना कि वो विराट उतरा। क्योंकि विराट उतरे और तुम्हारा घट साबुत बचे? ऐसा तो हो ही नहीं सकता।





<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

369

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



क्या आत्मा आती जाती है?

घट को एक जगह से दूसरी जगह ले जाने से आकाश कहीं आता जाता नहीं है। उसी प्रकार आत्मा कहीं आती जाती नहीं है।

सागर में मटका डालो दाएँ बाएँ चलाओ तो सागर दाएँ बाएँ नहीं होता, घट ही दाएँ बाएँ होता है।



<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

371

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

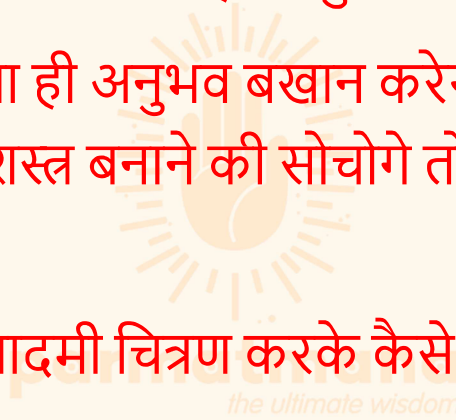


शास्त्र सभी कुछ अलग ही कहते हैं। लेकिन बुद्ध, महावीर, कृष्ण, जीसस, मोहम्मद अपनी ही ढपली बजाते हैं। क्यों?

क्योंकि शास्त्र विद्वानों ने लिखे हैं। अनुभवियों ने नहीं।

अनुभव वाला अपना ही अनुभव बखान करेगा, तुम उसके कहे अनुसार भी अगर शास्त्र बनाने की सोचोगे तो वो भी उससे भिन्न ही होगा।

नर्तकी का दूसरा आदमी चित्रण करके कैसे लिख सकता है कि नृत्य कैसा था।



<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

373

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

374

मोक्ष, मुक्ति, निर्वाण कहाँ है?

प्रश्न ही गलत है, ये पूछो कि मैं आज अभी मोक्ष, निर्वाण, मुक्ति को उपलब्ध कैसे हो सकता हूँ?



<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

375

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



मरने के बाद हम कौन सी जगह जाएंगे?

नींद में तुम्हे चाँद पर भी घुमा कर ले आया जाए तो क्या लाभ?  
पूरा जीवन बंधन में रहते हो और मरने के बाद की चिंता करते  
हो?

कहीं भी पटके जाओ तुम्हें दुख नहीं होगा। क्योंकि तुम्हे कुछ भी  
भान नहीं होगा।





<https://jagteraho.co.in/>    <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

377

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



आज कौन सा महात्मा सही है?

बड़े शर्म की बात है जिस देश में बुद्ध, महावीर, कृष्ण, नानक, कबीर जैसे महापुरुष जन्मे! जिनका मुकाबला पूरी दुनिया में नहीं है। वो देश आज पाखंडियों के, अनपढ़ राजनेताओं के हाथ की कटपुतली बना हुआ है।



<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

379

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



हम देश के लिए, धर्म के लिए क्या करें?

अभी भी वक्त है उठ खड़े हो जाओ। अपनी आवाज इतनी बुलंद कर दो कि वो तुम तक पहुँच जाये।

हाँ, तुम्हारी आवाज तुम तक पहुँच जाए। ये देश फिर से खड़ा हो जाए। तोड़ डालो सारी पुरानी बेड़ियों को आजादी की घोषणा कर दो।



<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

381

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



इस देश से बुद्ध के भिक्षुओं को भगा दिया या जिंदा जला दिया गया ऐसा क्यों?

यह शायद मेरे साथ भी हो। यहाँ अनपढ़, गवार की संख्या इतनी ज्यादा है कि जब कोई एक बुद्ध लोगों को जगाने की कोशिश करता है तो वो सभी मिलकर उसे ही सुलाने की साजिश कर लेते हैं।



<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

383

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



कहीं ऐसा तो नहीं की तुम्हारी बातें माने और अपने हिंदू या मुसलमान होने से भी हाथ धोना पड़े?

हिंदू, मुसलमान, सिख, ईसाई, बौद्ध, जैन तो छोड़ो तुम्हें स्वयं से भी हाथ धोना पड़ेगा। लेकिन फिक्र मत करो, यही होता है नदी के साथ भी। नदी जब सागर से मिलती है तो नदी तो नहीं बचती लेकिन सागर जरूर बन जाती है।

बस यही होगा तुम्हारे साथ भी। तुम हिंदू मुस्लिम तो नहीं बचोगे लेकिन खुदा जरूर हो जाओगे।



<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

385

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



क्या धर्म की रक्षा के लिए हथियार उठाना ठीक है ?

नहीं !

इंसान को मार कर धर्म की रक्षा करने से अच्छा है धर्म को मारकर इंसान की रक्षा कर ली जाये।



<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

387

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

388

पाप क्या है?

निद्रा ही पाप है और सारे पाप तो उसी की छाया मात्र है।



<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

389

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



असल में धर्म का नाम क्या है?

जिस ग्रह पर हम रहते है इसको पृथ्वी नाम तुमने दिया वास्तव में पृथ्वी का मतलब होता है भूमि! और साथ के ग्रहों को भी नाम तुमने दिया मंगल, बुध, शनि आदि।

वास्तव में सत्य का कोई नाम नहीं होता। और जो अनाम है वही तो विराट है सत्य ही धर्म है ब्रम्ह है।

**parmatmana**  
the ultimate wisdom

<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

391

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



## हम सुखी कैसे होंगे?

सुख को पाने के लिए तुम तीर्थ, जप, तप, व्रत, अनुष्ठान किए जा रहे हो। तुम्हारी पीढ़ियां सदियों से यही करती आ रही है। सुख को पाने को कुछ भी उपाय नहीं करना है। दुख दूर करने के उपाय करें फिर जो बचेगा वह सुख ही होगा।





<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

393

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



## गुरु कौन सा सही है?

पूरा अस्तित्व ही गुरु है तुम बस शिष्य बनने को तैयार हो जाओ।  
यह जो तुम्हें किसी एक गुरु से बंधने के बारे में समझाया गया है  
यह पाखंडियों ने ही समझाया है क्योंकि वह नहीं चाहते कि  
उनकी भेड़ें किसी और के बाड़े में चरने चली जाए।



<https://jagteraho.co.in/>    <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

395

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



गुरु शिष्य को कहां तक ले जाता है?

गुरु कहीं भी नहीं ले जाता है और अंगुली पकड़कर ले जाने वाला गुरु ही नहीं होता वो पाखंडी तो बस उंगली पकड़कर यूं ही घूमता रहता है।

असली गुरु तो बस इशारा मात्र करता है। तेरना सिखाने वाला गुरु क्या करता है केवल तुम्हें पानी में धक्का ही तो मारता है तैरना तो तुम स्वयं ही सीख लेते हो।



<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

397

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



मनुष्य इतना कठोर क्यों होता जा रहा है?

पत्थरों को पूजोगे तो हृदय पत्थर का ही होगा। जिन्दा लोगों से प्रेम करते तो तुम्हारा हृदय भी जिन्दा ही होता।



<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

399

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



संसार में कभी कभार देखने को आता है कि लोग लाशों को भी साइकिल, रिक्शा, या गोद में उठाकर ले जाने को मजबूर होते हैं? ऐसा क्यों?

यह भारत का दुर्भाग्य है कि यहां लोग मनुष्यों से ज्यादा धर्म को महत्व देते हैं उन्हें जिन्दा मनुष्यों से ज्यादा मरी हुई पत्थरों की मूर्तियों की सेवा करना ज्यादा उत्तम लगता है। बुद्ध, महावीर, नानक, कबीर के देश में ऐसा होगा शायद उन्होंने कभी कल्पना भी न की होगी।

**parmatmana**  
the ultimate wisdom



<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

401

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



क्या मंदिरों में सोने चांदी के आभूषण चढ़ाना गलत है?

हां!

क्योंकि जिस देश में लोग अपने परिजनों के शवों को भी पैसे के अभाव के कारण एंबुलेंस में ले जाने में असमर्थ हो और वहां पत्थरों की मूर्तियों के लिए सोने चांदी के आभूषण बनाए जाते हो यह कोरी मूर्खता नहीं तो और क्या है।

**parmatmana**  
the ultimate wisdom

<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

403

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



बुद्ध जनो का मुख्य संदेश क्या है?

अजीब पागल है लोग सभी बुद्धजन हमें मुक्त करना चाहते है  
और हम उन्ही से अपने बंधन बांध लेते है।



<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

405

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



क्या शूद्र से भेदभाव गलत है? जैसा आदि शंकराचार्य भी करते थे?

कितने शर्म की बात है हमारे देश के लिए कि हम जानवर को घर में अपने साथ सुला लेते हैं लेकिन एक शूद्र या दूसरे धर्म के व्यक्ति के घर खाने से धर्म भ्रष्ट होने का खतरा मान लेते हैं।



<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

407

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



जब हम आंखें बंद कर भगवान का ध्यान करते हैं तो कृष्ण की मूर्त नजर आती है क्या ऐसे ही होते हैं भगवान के दर्शन?

अगर मोदी पाकिस्तान में पैदा होता तो आज अल्लाह हू अकबर कह रहा होता। यहां पैदा हुआ तो राम-राम कह रहा है। ऐसे ही तुम्हारे साथ भी हो रहा है।





<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

409

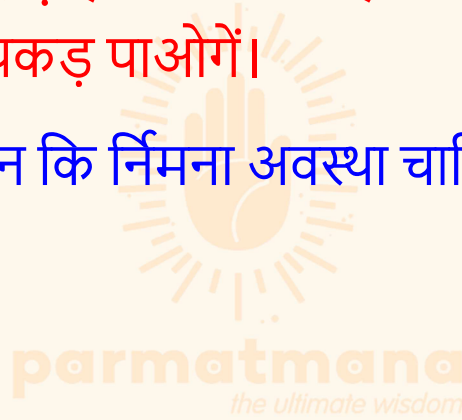
केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



अगर हम भगवान में ही मन लगा ले तो क्या हम उसको पा सकते हैं?

जहाँ तक मन की दौड़ है उससे भी कहीं आगे उसका जगत है तुम उसे मन से न पकड़ पाओगे।

महावीर ने कहा है न कि निर्मना अवस्था चाहिए।



<https://jagteraho.co.in/>    <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

411

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



## भगवान की लीला के बारे में क्या कहेंगे?

लीला का मतलब होता है अकारण ही बिना हेतु के जो किया जाए। और इतना सुन्दर संसार अकारण ही बना है यह है लीला। न कि मूढ़ों की तरह नाचना। और सड़को पर कृष्ण लीला या राम लीला जैसी नौटंकी करना।



<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

413

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

414

जागने के लिए कौन सी आयु अच्छी है?

प्रश्न केवल जागने का है इस बात से कोई भी अंतर नहीं पड़ता कि तुम जीवन के किसी क्षण में जागते हो या मृत्यु के क्षण में।



<https://jagteraho.co.in/>    <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

415

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



कौन सा मंत्र, यंत्र, साधना-सिद्धि, उपाय या तीर्थ यात्रा हमें सुखी करेगी?

मनुष्य कितने बड़े झूठ में जीता है कि वह कल सुखी होगा। तुम स्वयं केवल अपना भाग्य बदल सकते हों और कोई भी नहीं। और यह भारत का दुर्भाग्य है कि झूठे धर्मों ने सदियों से भारत को गुमराह कर रखा है।





<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

417

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



## कौन सी प्रार्थना उत्तम है?

अगर तुम्हारी आंखे नम हो, स्वयं के आनंद में हो तो उससे सुन्दर कुछ भी नहीं। कोई प्रार्थना नहीं, कोई नमाज नहीं, कोई यज्ञ नहीं, कोई दान नहीं। उसे तुम्हारी नम आँखे क्षण भर में देख लेगी।



<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

419

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

420

धर्म कैसा होना चाहिए?

धर्म ऐसा होना चाहिए जो तुम्हारे चेहरों पर आज प्रसन्नता लाए।



<https://jagteraho.co.in/>    <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

421

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



परमात्मा आज क्यों नहीं दिखता?

क्योंकि तुमने नकली परमात्मा गढ़ें है। और तुम उसी नकली विचारधारा का चश्मा लगा कर उसे देखना चाहते हो।



<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

423

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



क्या सभी वस्तुएं भी जीवित होती है?

जब तक तुम जागृत नहीं होते तब तक जीवित भी तुम्हे मृत से दिखते है और जिस क्षण तुम जागृत हो जाते हो उस क्षण सारे मृत भी तुम्हारे लिए जागृत हो जाते है फिर पशु, पक्षी, वृक्ष, पर्वत, नदिया, उपवन सभी तुमसे बातें करते है।





<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

425

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



उस परमात्मा को पूरा-पूरा कैसे जाना जा सकता है?

तुम परमात्मा को जान कैसे सकते हो तुम हो तब भी अस्तित्व है  
तुम नहीं थे तब भी वो था तुम नहीं रहोगे तब भी वो रहेगा।  
तुम्हारा होना इतना क्षणिक है और उसको समझना बहुत  
मुश्किल।



<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

427

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



हमें परमात्मा का खुदा का अनुभव क्यों नहीं हो पाता?

तुम्हारा तथाकथित धर्म ही तुम्हारी आंख की किकरी है। उस किकरी को निकल बाहर फेंक दो दृष्टि स्वयं साफ़ हो जाएगी। और सभी कुछ उजागर हो जायेगा।

“एक छोटी सी किकरी सामने विद्यमान हिमालय को छिपा देती है”।



<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

429

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



यज्ञ कैसे करना चाहिए?

उस विराट में स्वयं की आहुति देना ही यज्ञ है। तुम स्वयं को बचाना छोड़ दो यज्ञ पूर्ण हो जायेगा।



<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

431

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

432

भवसागर कहां होता है? क्या मरने के बाद उसे पार करना होता है?

तुम्हारे इसी जीवन का नाम तो भव सागर है। और इसे ही हसी खुशी जीना होता है।





<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

433

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



जीवन के लिए क्या-क्या नियम है?

अगर तुम जाग गए तो कोई भी नियम नहीं है तुम्हारे लिए।  
नियम मशीनों के होते हैं चेतना के नहीं।



<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

435

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



क्या हमें भी किसी बुद्ध की नकल करनी चाहिए और वैसा ही बनने की कोशिश करनी चाहिए?

सृष्टि का एक भी पत्ता दूसरे के जैसा बनने की कोशिश नहीं करता तो और तुम दूसरा होना चाहते हो।

तुम बस आँखे खोलो और तुम केवल तुम जैसे हो जाओ।

पूरे अस्तित्व में एक जैसी दो वस्तुएं कभी भी नहीं मिलेगी जो परमात्मा की बनाई हुई होंगी और तुम बार-बार बुद्ध, महावीर, मौहम्मद, जीजस, नानक बनने की चाह में अपना होना भी भूल जाते हो।

<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

437

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



हम बुद्धत्व को कैसे उपलब्ध होंगे?

जिस प्रकार एक जलती हुई मोमबत्ती से बिना जली मोमबत्ती भी जल सकती है उसी प्रकार बुद्ध पुरुषों के संग से अबुद्ध भी बुद्ध बन जाते है।



<https://jagteraho.co.in/>    <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

439

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



शास्त्रों में जो परमात्मा के चमत्कारों का वर्णन है क्या वो सत्य है?

बुद्ध जगाते है चमत्कार नहीं करते। चमत्कार दिखाना बुद्धो का काम नहीं मदारियों का काम है। और जो कहानियाँ तुमने बुद्धो के माफिक पढ़ी है वह बुद्धो के बाद बुद्दुओं ने गढ़ी है।

कृष्ण, बुद्ध, महावीर, मोहम्मद, नानक, कबीर आदि महापुरुषों ने तो जीवन को जिया।

कहानिया तो तुमने गढ़ी।

**parmatmana**  
the ultimate wisdom



<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

441

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

442

क्या विराट को देखने की आंखें गुरु या कोई बुद्ध ही दे सकता है?

बुद्ध तुम्हें आँख नहीं देते वो तो तुम्हारे पास है ही। बुद्ध तो तुम्हारी आंखों में देखने की क्षमता का पता तुम्हें बताते हैं।



<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

443

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



कौन सा शास्त्र ठीक है जिससे प्रज्ञा, बोध, जागरण आ जाए?

प्रज्ञा, बोध, जागरण पुस्तकों से कभी भी नहीं समझा जा सकता।  
तुम भी चलो! रुको मत कहीं भी।

वो समय के साथ-साथ स्वतः ही आ जाएगा।



<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

445

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



दुनिया में ज्ञान किस मंदिर-मस्जिद से मिल सकता है?

ज्ञान कोई भी बाहर से तुम्हे नहीं दे सकता। ज्ञान भीतर से ही पाया जा सकता है वो भी अपने भीतर की माटी खोदकर। कोई दूसरा तुम्हारे भीतर ज्ञान भर देगा ऐसा सोचना ही मूर्खतापूर्ण है।



<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

447

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



क्या ठहरने से ही बोध मिलता है?

हां!

लेकिन चलने से पहले, कुछ करने से पहले ही मत ठहर जाना।  
जिस दिन तुम कर करके हाथ खड़े कर देते हो उसके बाद ही  
आस्तित्व तुम्हारे सामने सारे द्वार खोलता है।





<https://jagteraho.co.in/>    <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

449

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



मैं ध्यान में किसका अनुभव करु? मैं हिन्दू हूँ तो क्या शिव का ध्यान करू?

जैसे जल का कोई रंग नहीं होता अगर जल में कोई रंग दिखाई दे तो जानना जल शुद्ध नहीं है

उसी प्रकार अगर ध्यान में भी कोई प्रतीति हो चाहे सुख हो, आनन्द हो, गुरु दिखे, देवता दिखे या कुछ भी। तो वह ध्यान नहीं भ्रम है।

**parmatmana**  
the ultimate wisdom

<https://jagteraho.co.in/>    <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

451

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



## हमारा अंतिम लक्ष्य क्या होगा?

जिस प्रकार सभी छोटी बड़ी नदियां, नाले, झरने जो भिन्न-भिन्न स्थानों से आते हैं अंत में जाकर एक ही समुंद्र में मिल जाते हैं उसी प्रकार तुम हिन्दू, मुस्लिम, सिख, ईसाई कोई भी हो अंत तुम्हारा सभी का एक ही है और वो है उस परमात्मा में मिलना, अल्लाह मय हो जाना, आस्तित्व में समा जाना।

**parmatmana**  
the ultimate wisdom

<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

453

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

454

क्या परमात्मा के सम्बन्ध में जानना मुमुक्षा है?

अपने सम्बन्ध में जानना ही मुमुक्षा है।



<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

455

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



जिसको हम परमात्मा या खुदा कहते हो उसका दर्श अगर हो भी तो कैसे ज्ञात होगा कि वो वही है?

जब तुम अकेले ही नृत्य कर सको तभी जानना उसका दर्शन हो गया। लेकिन यहां उसका से तात्पर्य केवल तुम्हारे से ही है। क्योंकि वो न तो ज्ञाता है, न ज्ञान है, वो तो अज्ञेय है।





<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

457

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



शास्त्रों का कहना है कि 4 प्रकार के लोग उसे खोजते हैं? क्या यह सही है?

नहीं !

जिज्ञासु की जिज्ञासा से उसका पता नहीं चलता बल्कि मुमुक्षु की मुमुक्षा से उसका पता चल जाता है।



<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

459

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

460

हम परमात्मा को कैसे जान सकते हैं?

तुम परमात्मा बन कर ही उसे जान सकते हो। बूंद सागर बनकर ही सागर को जान सकती है। तुम जिस दिन उसे जान लोगे उस दिन जानने वाला नहीं बचेगा।

मैं को खोकर ही तू को पाया जा सकता है।



<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

461

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



परमात्मा का जन्म कब हुआ तथा कैसे हुआ?

जिस दिन तू मरेगा उस दिन ही तेरा परमात्मा जन्मेगा। फिर जान लेना की जन्म कब हुआ।



<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

463

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



हम ब्रह्म को कैसे छू सकते हैं?

जिस दिन बांधने वाली मुठ्ठी न होगी उस दिन सारा आकाश तुम्हारी मुठ्ठी में होगा। [खोलो अपनी हथेली को देखो वहां प्रकाश बिखरा दिखेगा। अब मुठ्ठी बंद करो देखो प्रकाश छिटक गया।

“मैं का अहंकार हटा दो वो पहले से ही तुम्हारे सिर चढ़ा बैठा है”।

  
parmatmana  
the ultimate wisdom



<https://jagteraho.co.in/>    <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

465

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



धर्म की परिणीति तक पहुंचना क्या है?

“तुम होना चाहते हो और धर्म मिटने की कला है”।

अगर कुछ होना चाहते हो तो केवल हिन्दू-मुस्लमान ही हो जाओं क्योंकि धर्म में तो तुम कहीं के न बचोगे।

धर्म कुछ बनने का नाम नहीं मिटने का दुस्साहस है। तुम मरो और देह बचे तभी तुम धर्म की परिणीति तक पहुंच सकते हो। तुम अपने भीतर से हटो तो ही वो विराजमान होगा।

*the ultimate wisdom*

<https://jagteraho.co.in/>    <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

467

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



क्या जिज्ञासा धर्म प्राप्ति का प्रथम चरण है?

जिज्ञासा पाण्डित्य का आधार है। जिज्ञासा धर्म का आधार नहीं  
वो तो उल्टा अड़चन है।

तुम्हारा मरना ही धर्म प्राप्ति का पहला और आखिरी चरण है।



<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

469

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



भीतर के संदेह कैसे समाप्त होंगे?

सत्य के दर्शन होते ही सारी मर्ग मरीचिका छिन्न-भिन्न हो जाती है। अंधकार को समाप्त करने की मत सोचो दीपक जलाने की सोचो अंधकार स्वयं छिन्न-भिन्न हो जायेगा।



<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

471

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



परमात्मा प्राप्ति में कौन बाधक है?

परमात्मा प्राप्ति में केवल तुम ही बाधक हो।

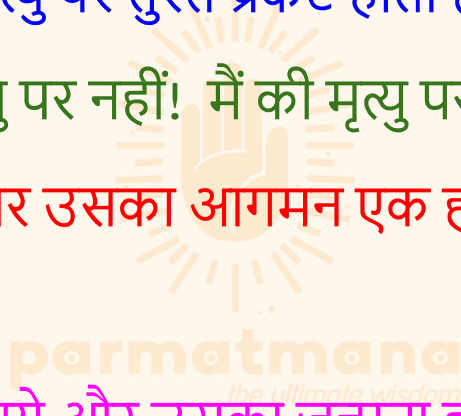
परमात्मा तुम्हारी मृत्यु पर तुरंत प्रकट होता है।

लेकिन देह की मृत्यु पर नहीं! मैं की मृत्यु पर।

तुम्हारा विसर्जन और उसका आगमन एक ही साथ घटता है।

“मिटो तो पाओ”।

तुम्हारा मरना हो जाये और उसका जन्मना हो जाये।





<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

473

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



क्या प्रबुद्ध जन सभी को अज्ञानी समझते हैं?

नहीं!

प्रबुद्धजन दूसरे को नहीं स्वयं को अज्ञानी समझते हैं। वो समझ चुके होते हैं कि जो खोजने से नहीं मिला था वो बिना खोजे स्वयं मिल गया। और जब मिलता है तो हंसी आती है स्वयं पर।

कितने पागल थे हम सदा से ही तो वो सामने खड़ा था।

parmatmana  
the ultimate wisdom

<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

475

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



क्या शूद्र अछूत होता है?

अछूत तो केवल परमात्मा है। तम्हारे भेदभाव करने वाले समाज ने ये ठीकरा शूद्रों पर मढ़ दिया। अछूत जिसे छुआ ही न जा सके।

“यानी परमात्मा, खुदा अछूत है”।



<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

477

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



सत्संग से क्या कुछ लाभ होता है?

हिन्दू-मुस्लिम बुद्धुओं का संग तुम्हें बुद्धू बनाता है और बुद्ध का संग बुद्ध बनाता है।

बुद्ध संक्रामक रोगी होते हैं उनके पास बहुत ही सोच समझ कर जाना चाहिए।

क्योंकि पागल के साथ बैठेंगे तो तुम भी पागल ही बनोगे।



<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

479

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

480

धर्म की खोज क्या है?

स्वयं की खोज ही धर्म की खोज है।





<https://jagteraho.co.in/>    <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

481

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



क्या शरीर के साथ ही आत्मा भी मिल जाती है?

शरीर माता-पिता से प्राप्त होता है लेकिन आत्मा की यात्रा तुम्हें स्वयं करनी होती है।



<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

483

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



क्या धर्म गीता या कुरान से नहीं प्राप्त होता?

धर्म के लिए अज्ञात में छलांग लगानी होती है। धार्मिक होना साहस का कार्य है।

जिसे तुम लेकर पैदा होते हो वो धर्म नहीं है।



<https://jagteraho.co.in/>    <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

485

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



संसार में सभी कुछ बढ़ रहा है लेकिन धर्म घट रहा है। क्यों?

क्योंकि धर्म नासमझों के हाथ में आ गया है। सभी भूखे, नंगे, भिखमंगे, कामचोर प्रवर्ति के लोग, आपराधिक प्रवर्ति के व्यक्ति किसी भी धर्म का चोगा ओढ़ कर स्वांग रचाकर धर्म की बागडोर अपने हाथ में थाम लेते हैं। और धर्म को गलत दिशा में ले जाते हैं।



<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

487

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



खुदा से मिलना कैसे संभव है?

अपनी आत्मा की आग इतनी प्रज्वलित करो कि वहां उस आग के अलावा कुछ भी न बचे। बस वो शुद्ध आग ही तुम्हे परमात्मा से मिला देगी।





<https://jagteraho.co.in/>    <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

489

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



क्या किसी बुद्ध से मिलकर हम तृप्त हो पाएंगे?

तृप्ति मुझसे नहीं मिलेगी तृप्ति तुम्हारे भीतर घटेगी। जब तुम्हारी आत्मा की पुकार गगन भेद दे तब उसकी ओर तुम्हारे कदम स्वयं ही बढ़ जाते हैं। वही क्षण तुम्हें तृप्ति देगा।



<https://jagteraho.co.in/>    <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

491

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



मृत्यु से कैसे बचा जा सकता है हम कौन सा मंत्र जपे?

तुम मौत खोजते हो मैं तुम्हें जीवन खोजना सिखाता हूँ। मौत आए इससे पहले जीवन जीना तो सीख जाओ।

मौत आये इससे पहले पीछे से जाकर धप्पा कर दो। मौत हार जाएगी तुम जीत जाओगे।



<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

493

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



कौन सा धर्म उत्तम है?

मैं तुम्हारा कैदखाना नहीं बदलना चाहता हूँ मैं तो तुम्हें कैदखानों से ही मुक्त करना चाहता हूँ।

और जो तुम्हें कैदखानों से ही मुक्त कर दे वहीं धर्म उत्तम है।



<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

495

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



ध्यान क्या है?

तुम्हारे विचार मुक्त होने की कला। तुम्हारे अन्नत ब्रह्माण्ड में उड़ने की कला।

जरा ध्यान से यहाँ तुम्हारा मन मर जायेगा।





<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

497

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



हम भी अध्यात्म में ऊपर कैसे उठ सकेंगे?

पंख लगाकर। और पंख तो तुम लेकर ही पैदा हुए होते हो।  
मैं तो तुम्हे पंख फडफड़ाना ही सीखाता हूँ फिर उड़ तो तुम  
स्वयम् ही सकते हो।



<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

499

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



तुम्हारा मार्ग क्या बुद्ध या गीता का मार्ग है?

नहीं।

मेरा मार्ग तो मेरा मार्ग है वह न तो बुद्ध का मार्ग है और न ही महावीर का, न हिन्दू का, न मुस्लिम का, न सिख का, न ईसाई का।

“केवल देखो मेरी मस्ती को और जियो मेरी तरह”।

**parmatmana**  
the ultimate wisdom

<https://jagteraho.co.in/>    <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

501

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



क्या तुम भी एक धर्म की दुकान ही खोलना चाहते हो?

नहीं!

मुझे शिष्य नहीं बनाने मुझे तो एक ऐसा बगीचा बनाना है जहाँ विश्व भर से पक्षी आँ, बगीचे में बैठे, चहचहाए, नाचे और फिर जीवन की एक लम्बी उड़ान को उड़ जाए।

तभी तो मैं कहता हूँ

“तू जाग जा तू भाग जा”।

**parmatmana**  
the ultimate wisdom

<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

503

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



खुदा कैसा दिखता है?

मैने देखा है उसे ! लेकिन फिर भी तुम्हे समझा न सकूँगा कैसा दिखता है। हाँ लेकिन दिखा जरूर दूँगा। फिर तुम स्वयं जान लेना और देख लेना कि वह कैसा है।





<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

505

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



बड़े भाग्य से मनुष्य जीवन मिलता है इसका वर्णन करें?

आज भी समय है, उठ सको तो उठो जागो! वरना समय फिर बीत जाएगा। जीवन मिल ही गया है।

चेतो अब तो चेतो।



<https://jagteraho.co.in/>    <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

507

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



तुम पंडित की ही धोती क्यों खोलना चाहते हो?

मैं जिस पांडित्य की बात करता हूँ उसे केवल तिलक धारी पंडित मत समझ लेना। तुम्हारा अहंकार ही वास्तव में पाण्डित्य है जो चाहता है बुद्ध बनो, महावीर बनो, जीजस बनो, मोक्ष चलो, मुक्ति चलो, स्वर्ग चलो।

और मैं तुम्हारे उसी पांडित्य को नग्न कर देना चाहता हूँ।

  
parmatmana  
the ultimate wisdom

<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

509

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



तुम क्या प्रयास कर रहे हो?

मैं असम्भव के विरुद्ध लड़ रहा हूँ देखते हैं कौन-कौन साथ खड़ा होता है। शायद भारत का सूर्योदय हो ही जाये।

शायद तुम्हारी भी जन्मो जन्मो की दौड़ मिट जाये।



<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

511

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



तुम संसार को कैसा बनाना चाहते हो?

मैं चाहता हूँ सभी प्रकार की धर्मान्धता का अंत हो। मैं चाहता हूँ कि धर्म के नाम पर जो तुमने कटुताओं को हृदय में दबा रखा है उसका अंत हो।





<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

513

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



क्या धर्म दिया या लिया जा सकता है?

धर्म को दिया जा सकता है लेकिन शर्त यह है कि वो तुम्हारे पास होना भी चाहिए। लेकिन वैसे नहीं जैसे तुम हिन्दू, मुस्लिम, सिख, ईसाई को देते हो। वो तो मूर्खता की बात है।



<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

515

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



धर्म कैसा हो?

जीता जागता!

और मैं तुम्हे आज का वैज्ञानिक धर्म सिखाता हूँ इसलिए ही कहता हूँ कि विश्वास मत करो मेरे पास आओ।

मैं तुम्हें उसका साक्षात्कार करवाऊँगा। विश्वास तो उन वस्तुओं पर किया जाता है जिन्हें खोजा न जा सके।

मैं तुम्हें जीता-जागता धर्म सिखाता हूँ।

<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

517

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



धर्म के गुण क्या है ?

मैं एक सार्वभौमिक धर्म को इस दुनिया में लाना चाहता हूँ जिसमें हिन्दुओं की सी सहनशीलता हो, इस्लाम का सा भाई चारा हो, ईसाइयों की सी दया भावना हो, बुद्ध की करुणा हो तथा महावीर की अहिंसा हो।

आज समाज की मांग है ऐसा धर्म।

अगर हम पृथ्वी को, आने वाले समाज को जीता हुआ, पनपता हुआ, खुशहाल देखना चाहते हैं तो यह अति आवश्यक है।

<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

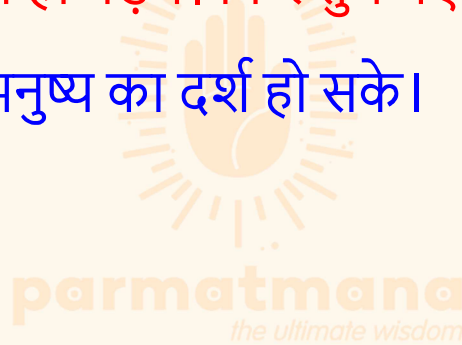
519

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



मंदिर-मस्जिद, गिरजे-गुरुद्वारें गलत क्यों है? तुम इन्हें बदलने की बात क्यों करते हो?

मैं एक बगीचा बना रहा हूँ और नए पौधे लगाने के लिए मुझे कंकड़-पत्थर हटाने ही पड़ेंगे। फिर तुम नए मंदिर बना लेना। जिसमें मनुष्य को मनुष्य का दर्श हो सके।





<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

521

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



तुम कड़वी बातें क्यों बोलते हो?

मैं तुम्हारे सारे स्वपन तोडना चाहता हूँ क्योंकि सुनहरी सपनों में किसी की भी नींद नहीं टूटती।

उसे नींद से जगाने के लिए बम्ब फोड़ने ही पड़ते हैं।



<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

523

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



अमृत क्या है?

मैं जो तुम्हे पिला रहा हूँ उसे कंठ तक पीते जाओ।

वही अमृत है जो तुम्हें जन्म मरण से मुक्त कर देगा।



<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

525

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

526

विराट कैसा दिखता है?

आंखें बंद करो और देख लो मेरी विराटता।



<https://jagteraho.co.in/>    <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

527

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



पुराने धर्मों में गलत क्या है?

कितना बड़ा परिवर्तन किया होगा तुम्हारे सबकॉन्शियस में जब तुम एकदम जीवन खोजना छोड़ मौत खोजने लग जाते हो धर्म के नाम पर।

और इससे भी ज्यादा गलत कुछ हो सकता है क्या ?

और तुम्हारे धर्मों में फेर बदल नहीं उसे उखाड़ फैंकने की आवश्यकता है।

  
parmatmana  
the ultimate wisdom



<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

529

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



क्या मंदिर की मूर्ति गलत है?

अगर परमात्मा की बनाई हुई मूर्ति में ही तुम्हे कुछ नहीं दिखता तो इन्सान की बनाई मूर्ति में तुम्हे ईश्वर कैसे दिख सकता है?

तुम केवल दिखावे के ही धार्मिक हों।



<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

531

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



सही में ब्राह्मण कौन है? क्या हिन्दू जाति वाला नहीं?

ब्राह्मण होना अलग है और पंडित होना अलग।

ब्रह्मज्ञानी ही ब्राह्मण कहलाने योग्य होता है। लेकिन ध्यान देना ब्रह्मज्ञानी हिन्दू या मुस्लिम नहीं होता।



<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

533

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



क्या मैं भी परमात्मा को पा सकता हूँ?

ध्यान से देखना परमात्मा को पाना कौन चाहता है तुम या तुम्हारा अहंकार।

अगर अहंकार को त्याग दो तो तुम पूरे-पूरे परमात्मा ही हो।



<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

535

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



क्या हम तुम्हें सुनकर समझकर कुछ हासिल कर सकते हैं?

तुम किसी को सुनते ही कहाँ हो!

हाँ मरने के बाद तुम उसी का मंदिर बनाकर पूजा कर लेते हो।  
जिंदा तुम्हारी आंखों में खटकते हैं।

फिर वो चाहे बुद्ध - महावीर हो या मोहम्मद - सुकरात हो, कबीर  
हो या नानक हो। कोई भी जीता जागता तुम्हें पसंद नहीं आता।  
हाँ! उन्हीं के नाम पर दुकान चलाकर तुम बहुत खुश होते हो।

*the ultimate wisdom*



<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

537

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



क्या धर्म बदलने से कोई लाभ होगा?

तुम में से किसी को भी धर्म परिवर्तन की कोई आवश्यकता नहीं है धर्म बदलकर तुम कुछ भी न पाओगे।

मुसलमान आरती गाए तो तुम्हें क्या लगता है उसे राम मिल जाएंगे? नहीं! उसी प्रकार हिन्दू अगर नमाज़ पढ़े तो तुम्हें क्या लगता है उसे अल्लाह मिल जाएंगे? नहीं!

नहीं! हमें धर्म नहीं बदलता बल्कि एक दूसरे की आत्मा को अपने भीतर समाहित करना चाहिए तभी सच्चे अर्थों में हम धार्मिक हो सकते हैं।

<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

539

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



क्या धर्म युद्ध में जान देने से स्वर्ग की प्राप्ति होती है?

यह किसी मूढ़ व्यक्ति के वचन है। कोई भी व्यक्ति अगर अपने धर्म का तो उत्थान चाहता है और दूसरे के धर्म का विनाश चाहता है तो वह व्यक्ति धार्मिक हो ही नहीं सकता। वह तो मनुष्य की अवस्था से भी नीचे गिरा हुआ है। वो किसी भी प्रकार सम्मान का पात्र नहीं, दया का पात्र है।

जिस दिन तुम्हारे सभी धर्मों की ध्वजाओं के उपर प्रेम लिखा होगा उसी दिन ही तुम सच्चे अर्थों में धार्मिक कहलाने के हकदार होंगे।

<https://jagteraho.co.in/>    <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

541

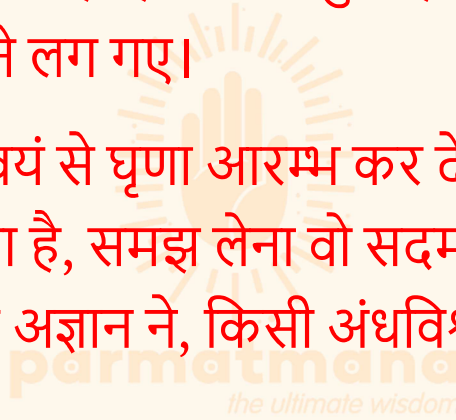
केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



## क्या जीवन दुख है?

तुम्हे हमेशा से ही यह समझाया गया है कि यहां इस धरा पर बार-बार आना ठीक नहीं है। जीवन दुख है। इसी कारण तुम जीवन से घृणा करने लग गए।

जिस दिन मनुष्य स्वयं से घृणा आरम्भ कर दे तो समझ लेना वह बहुत नीचे गिर चुका है, समझ लेना वो सदमार्ग पर नहीं किसी कुमार्ग पर है किसी अज्ञान ने, किसी अंधविश्वास ने उसे आ घेरा है।



<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

543

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



## हमें कुछ भी नया क्यों अपनाना चाहिए?

आज वो समय आ गया है कि आप पुनः स्वयं पर दृष्टि दौड़ाए और सोचे अपने बारे में। कि क्या अभी भी आपको धर्म भीरु बनकर रहना है, समाज की रूढ़िवादी विचारधारा को ही ढोना है या उठ खड़े होकर सत्य धर्म की नींव पर एक इमारत अपनी भी बनानी है।

अगर आप आज भी नहीं जाग पाए तो न जाने फिर ये अवसर कब कितने जन्मों बाद तुम्हे प्राप्त हो। कितने जन्मों बाद मैंने इसलिए कहा कि ये बात बिलकुल सत्य है कि तुम पुनः आओगे और मनुष्य बनकर ही आओगे। नाम अलग होगा जात अलग होगी लेकिन तुम ही होंगे। अगर तुम्हारे भीतर जरा सी भी प्यास है उसकी तो जरूर आओगे। फिर तुम्हे कोई बुद्ध मिले या न मिले। इसलिये

“आज ही धार्मिक हो जाओ, आज ही जाग जाओ”।



<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

545

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



क्या परमात्मा से खुदा से डरना सही नहीं है?

धार्मिक होने के लिए तुम्हें उठ खड़ा होना होगा। क्योंकि धर्म पुरुषत्व में समाया है भीरु संसार में कुछ भी नहीं पा सकते और फिर धर्म जैसी मूल्यवान वस्तु!

उसे पाना धर्म भीरुओं के लिए कैसे सम्भव हो सकता है?



<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

547

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

548

मुक्त कौन है?

वो जो सारे बन्धन तोड़ सके और इसमें तुम्हारे धर्म के बन्धन भी आते हैं।



<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

549

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



## आज मुख्य चिंता क्या है?

आज के समय में अगर कुछ भी चिंता करने योग्य है तो वो यह है कि हमारा देश धर्म के क्षेत्र में अग्रणी होते हुए भी धर्म के पतन का कारण बन रहा है उसका एक ही कारण है कि धर्म गुरुओं ने धर्म को पहचानना ही छोड़ दिया है और धर्म को हिन्दू, मुस्लिम, सिख, ईसाई की कन्धराओं में कैद कर रखा है। अच्छा होता कि सभी धर्म गुरु मिल कर लोगों को समझाते कि धर्म का मतलब प्रेम से होता है न कि हिन्दू, मुस्लिम, सिख, ईसाई से।

<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

551

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



क्या धार्मिक कथा या जागरण सही नहीं है?

हम सभी जो लोगों को कथा कहानियां सुनाकर हिन्दू, मुस्लिम, सिख, ईसाई बना रहे हैं ये सभी पागलपन है।





<https://jagteraho.co.in/>    <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

553

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



धर्म किस उम्र में सीखना सही है?

खाली पेट को धर्म कैसे सिखाया जा सकता है? मेरी दृष्टि में पहले उसे पेट भरने के योग्य बनाओ। जब उसका पेट भर जाएगा तो वह स्वयं ही तुम्हारे पास आ जाएगा धर्म की खोज करने।

उस समय तुम उसे धर्म सीखाना !

हाँ ! किसी भी प्रकार की हिन्दू, मुस्लिम, सिख, ईसाई रुपी मूढ़ता मत सीखाना !

**parmatmana**  
the ultimate wisdom

<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

555

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!

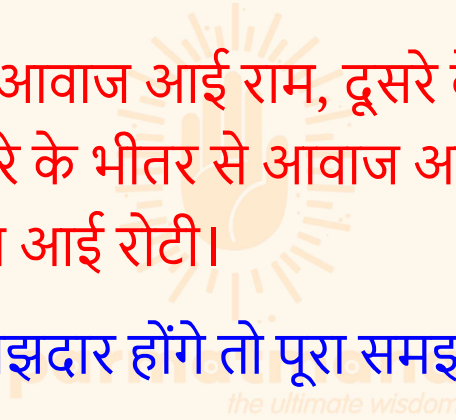


धर्म या जीवन की आवश्यकता दोनों में से क्या आवश्यक है?

एक जगह गोलियां चली 4 व्यक्ति मरे। पोस्टमार्टम हुआ रिपोर्ट निम्न प्रकार से आई।

पहले के भीतर से आवाज आई राम, दूसरे के भीतर से आवाज आई अल्लाह, तीसरे के भीतर से आवाज आई बुद्धत्व और चौथे के भीतर से आवाज आई रोटी।

आगे अगर तुम समझदार होंगे तो पूरा समझ ही जाओगे।



<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

557

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



हमारा देश कब उन्नत होगा ?

अगर कुछ बुद्धिजीवी लोग सामने आए और वो मिलकर लोगो को समझाए कि धर्म यह हिन्दू, मुस्लिम, सिख, ईसाई नहीं है जो तुम समझ रहे हो। यह सभी पाखण्ड है तो मैं मानता हूं कि निश्चित ही एक क्रान्ति का जन्म होगा।

और वो ही क्रान्ति देश को सही मार्ग पर ले जाएगी।

**parmatmana**  
the ultimate wisdom

<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

559

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



## धार्मिक कट्टरता से क्या हानि होती है?

अगर हम चाहते हैं कि हमारी आने वाली पीढ़ी एक सही समाज में रहे और सुखी रहे तो हम सभी को यह सोच बदलनी होगी कि हिन्दू सबसे पुराना धर्म है और एक दिन पूरी दुनिया हिन्दू हो जाएगी या इस्लाम भाई चारे को धर्म है और दुनिया को इस्लामिक होना चाहिए या मिश्ररी सेवा भाव का धर्म है तो दुनिया क्रिश्चन होनी चाहिए।

नहीं!

“हिन्दू से सहिष्णुता, इस्लाम से भाईचारा और क्रिश्चन से सेवा, बोध से करुणा, जैन से अहिंसा आदि गुणों को लेकर ही एक नया समाज आगे बढ़ सकता है”।

parmatmana  
the ultimate wisdom



<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

561

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



आज धर्म क्या हो गया है?

आज धर्म केवल भ्रमात्मक हो चुका है। आज धर्म केवल पुरानी धार्मिक मान्यताएं, सिद्धान्त, रूढ़िवादी परंपरा, विचारधारा और सोए-सोए अनुष्ठान ही होकर रह गया है और तुम सोचते हो इसके दम पर कोई भी धर्म जीवित रह सकता है ?

नहीं ! यह तुम्हारी भूल है।

धर्म को जीवित करने के लिए किसी को तो अपने प्राण फूंकने पड़ेगे इसमें।

तुम उठो और आगे आओ और पुनः इसे जीवित करो।

<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

563

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



## धर्म क्या है?

धर्म कोई हिन्दू, मुस्लिम, सिख, ईसाई नहीं है धर्म तो एक सत्य है जिसे महसूस किया जा सकता है। धर्म तो वो सत्य है जिसके द्वारा परमात्मा को यानी स्वयं को देखा जा सकता है।



<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

565

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



## धर्म की अनुभूति से क्या मतलब है?

जब तक तुम्हारा धर्म तुम्हे ईश्वर की अनुभूति न करा दे वो बेकार का धर्म है फिर चाहे तुम मन्दिरों में नाचो, दिन-रात कथाएँ सुनो, पांचो समय नमाज पढ़ो या प्रत्येक रविवार अपने अपने धर्म स्थलो में जाओ।

“वो अल्लाह जर्जे जर्जे में रसा - बसा नजर आना चाहिए”।

**parmatmana**  
the ultimate wisdom

<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

567

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



क्या गीता या कुरान पढ़ना उचित नहीं है?

जो केवल पुस्तकों को धर्म के लिए पढ़ता है वो उस मजदूर की भांति है जो दिन रात चीनी की बोरियों को ढोता है पर जिसने कभी भी चीनी की मिठास को नहीं जाना।

धर्म तो एक स्वाद है जो चखने पर ही मिलता है।





<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

569

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

570

सोए और जागें में क्या भेद है?

जिस दिन धर्म और अंधविश्वास में भेद पता चल जाएगा उस दिन तुम सोए और जागें का भेद भी जान जाओगे।



<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

571

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



बिना भगवान के कैसा धर्म ?

धार्मिक होने के लिए भगवान की जरूरत नहीं है बल्कि तुम्हारे भक्त होने की जरूरत है।

लेकिन यह बात “कच्चे घट वाला” नहीं समझ सकता।



<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

573

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



समाज में यह तथाकथित कहे जाने वाले धर्म कहां से जन्मे ?

जब राम-कृष्ण थे तो हिन्दू धर्म नहीं था, जब बुद्ध थे तो बौद्ध धर्म नहीं था, जब महावीर थे तो जैन धर्म नहीं था, जब मोहम्मद थे तो इस्लाम धर्म नहीं था, जब जीजस थे तो क्रिश्चन धर्म नहीं था।

इन सभी ने राह दिखाई मुक्ति की और तुमने उन्हीं के नाम की धर्म रूपी बैढ़िया बना कर पहन ली।

**parmatmana**  
the ultimate wisdom

<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

575

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



जानने वालों के वचन सुनकर कुछ लाभ होता है?

बुद्धों के वचन केवल बुद्धों की जुंभा पर ही सत्य होते हैं। जब कृष्ण की जिह्वा पर गीता थी तो वो ब्रह्मनाद था। वो उद्घोष था एक जीवित परमात्मा का।

जिन्दा व्यक्ति जिन्दा बुद्ध को तलाशते हैं। मरे व्यक्ति मरे की कब्रों पर जाते हैं।





<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

577

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



तुम्हारे कहने पर ही क्यों विश्वास करें?

मयखाना सामने है और तुम पीने से झिझकते हो। आज ही दो घुट पी लो, झूम लो। फिर न जाने मयखाना कब किस जन्म में मिले। उस समय तुम आओ या न आओ और साकी आए या न आए।



<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

579

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



## परमात्मा को कहां खोजें?

परमात्मा मन्दिर, मस्जिद, गिरजे, गुरुद्वारे में न मिलेगा। लेकिन जिस दिन वो मिल जाएगा उस दिन मन्दिर, मस्जिद, गिरजे, गुरुद्वारे में भी तुम उसे देख लोगे। फिर तुम राह में पड़े पत्थरों में भी उसके पदचिन्ह खोज लोगे। जिस दिन वो मिल जाता है फिर कौन परवाह करता है सन्ध्या की या नहीं, नमाज पढ़ी या नहीं। जब भीतर मिलन चलता रहता है तो कैसी शिष्टता?

**parmatmana**  
the ultimate wisdom

<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

581

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



प्रेम में पागलपन की हद कहां होती है?

जिस दिन उसे पा लोगे तो एक अचम्भा घटेगा “यह बिल्कुल वैसा ही होगा जैसा अचम्भा कबीर के साथ घटा था

“ एक अचम्भा मैंने देखा नदिया लग गई आग”।

तुम आंख खोलोगे तो सृष्टि दिखेगी और आँख बंद करोगे तो सृष्टा दिखेगा।

  
parmatmana  
the ultimate wisdom

<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

583

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



आज के कथा वक्ता क्या धार्मिक नहीं है?

कैसे धार्मिक बनना चाहते हो तुम? कि लोग तुम्हें धार्मिक समझे तुम पर भरोसा करें। ताकि तुम उन्हें धर्म के नाम पर लूट सकों। बुद्ध तुम्हें कभी भी धार्मिक चिन्हों से सुसज्जित नहीं मिलेंगे और बुद्धु रोज सजे सवरे मिलेंगे।





<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

585

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



## काबा-काशी जाना गलत कैसे है?

अगर तुम गलत कदम भी बढ़ाते हो ठीक मंजिल की दिशा में। तो एक दिन मंजिल मिल ही जाती है। इसके विपरीत अगर तुम ठीक कदम भी बढ़ाते हो गलत मंजिल की दिशा में। तो भटकाव निश्चित ही है।



<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

587

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



तुम बातें गोल-गोल क्यों करते हो?

बुद्धो की बातें उलझाती हैं बुद्ध तुम्हें गोल-गोल घुमाते हैं ताकि तुम एक दिन इतना गोल-गोल घूम लो कि अपनी धुरी को पहचान लो। और घोषणा कर दो कि तुम्हीं मूल हो।



<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

589

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



अब भविष्य में करोड़ों दीपक जलेंगे इसका क्या मतलब है?

जब तुमसे से कोई एक भी बुद्ध होता है तो वो घोषणा है कि अब लाखों करोड़ो बुद्ध होंगे। लेकिन इस बात का बोध धर्म से कुछ भी लेना देना नहीं है। जो शब्द बुद्ध है वही शब्द प्रज्ञावान है दोनों में रत्तीभर का भी भेद नहीं है। लेकिन धर्म की चारदिवारी में कैद व्यक्ति इसको न समझ सकेगा। और जो चारदिवारी तोड़ देगा वो मेरी मधुशाला में आ जाएगा।

parmatmana  
the ultimate wisdom

<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

591

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



तुम एक कदम चलो वो 100 कदम चलता है इसका क्या मतलब है?

तुम परमात्मा में लीन होना चाहते हो! भूल में हो तुम। वो तुममे लीन होकर प्रकट होना चाहता है। वो इतना पास है कि उतना तुम भी स्वयं के पास नहीं।





<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

593

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



नाम जप से क्या लाभ?

जिन बुद्धो को वो मिल गया वो ही तुम्हे दे सकते है। उसे जपने से कुछ न होगा। उसका वर्णन करने से भी कुछ न होगा।

उसे चखो और गटक जाओ। पूरा का पूरा निगल जाओ।



<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

595

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



हमारे जीवन में वो घटना कब घटेगी ?

वो सुबह कभी तो आएगी जब तुम भी झूम के नाचोगें, तुम्हारी आत्मा कभी तो जागेगी।

“जो मैं कल था वो तुम आज हो और जो मैं आज हूँ वो तुम कल होगें”।

तुम्हारे और मेरे में कुछ भी भेद नहीं है, केवल दृष्टि का ही भेद है।

उठो मिटो और पुनः जन्मो।



**parmatmana**  
the ultimate wisdom

<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

597

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



क्या धर्म की रक्षा करना सही नहीं है?

जिस प्रकार अण्डे के भीतर रहने वाला चूजा अण्डे के खोल को ही बचाना चाहता है उसी प्रकार सोया-सोया व्यक्ति केवल तथाकथित धर्मों को ही बचाने की बात करता रहता है। वह समझ ही नहीं पाता कि उसके बाहर सम्पूर्ण ब्रह्माण्ड, पूर्ण अस्तित्व विद्यमान है। और विराट, परमात्मा, अस्तित्व किसी भी दायरे के भीतर नहीं आता।

इसलिए सारे अंडे फोड़ दो।

parmatmana  
the ultimate wisdom

<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

599

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



खुदा का लोक कहां है?

जिस क्षण तुम्हारे प्राण अमृत की एक-एक बूंद को तरस जाएँ  
उसी क्षण घटना घट जाती है और तुम इस लोक से दूसरे ही लोक  
में पहुँच जाते हो।

बस वहीं है परमात्मा का लोक।





<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

601

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



धर्म जन्मगत होता है?

नहीं!

धर्म जन्मगत नहीं व्यक्तिगत होता है। परमात्मा मिलता ही उनको है जो जन्मों-जन्मों से खोज रहे हैं और जो उसे पाने के लिए कुछ भी दांव पर लगाने को तैयार बैठे हैं।

“परमात्मा का अनुभव करना जुआरियों का काम है”।

अगर तुम अभी भी बचे हो तो बाहर मत निकलो मंदिर मस्जिद में शरण पाओ वही तुम बच सकते हो।

समय बदल रहा है किसी जुआरी का संग साथ हो गया तो वो तुम्हें भी जुआरी बना देगा।

<https://jagteraho.co.in/>    <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

603

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



तथाकथित धर्म में क्या कमी है?

तुम्हारा तथाकथित धर्म केवल एक औपचारिकता है, सामाजिकता है। उसमें जीवित परमात्मा का हमेशा ही अभाव रहा है और भविष्य में भी रहेगा।

“धर्म एक यात्रा है न कि व्यवसाय”।



<https://jagteraho.co.in/>    <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

605

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



कौन सा मार्ग सही है और मंजिल तक पहुंचाता है?

उस आस्तित्व को पाने का मार्ग ही नहीं है। तुम्हे मार्गों से हटकर चलना भी नहीं है केवल बैठना भर है और यही ध्यान है। परमात्मा को पाने की सभी यात्राएं तुम्हे उससे दूर ही ले जाती है। केवल स्वयं की ओर घूमो !



<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

607

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



परमात्मा की विराटता का हमें कुछ भी अनुभव क्यों नहीं हो पाता?

घर के भीतर से आकाश देखोगें तो आकाश 5-7 फिट का ही दिखेगा क्योंकि खिडकी ही इतनी है। अगर उसकी विराटता देखनी है तो खिडकी से देखना बंद करो और बाहर निकलो।

ऐसे ही परमात्मा की विराटता देखनी है तो इन हिन्दू-मुस्लिम के गड्डे से बाहर निकलों। चारों तरफ उसी का हुस्न बिखरा पड़ा है। परमात्मा भगवा नहीं है और न ही खुदा हरा है। सभी रंग उसके है और जो रंगों से परे है वो भी वो है।



<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

609

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



हम कृष्ण, बुद्ध, नानक, जीजस आदि महापुरुषों की पूजा क्यों करते हैं?

क्योंकि हमारा समाज कृष्ण, बुद्ध, नानक, जीजस जैसे महापुरुष दोबारा नहीं बना पाया।

सोचो अगर आज दुनिया में कृष्ण, बुद्ध, नानक, जीजस जैसे 100 करोड़ व्यक्ति जिन्दा घूम रहे होते तो क्या हम इन महापुरुषों के मंदिर बनाते?

**parmatmana**  
the ultimate wisdom

<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

611

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



आनंद, सुख कहां और कैसे मिलता है?

आनंद, सुख तो आज भी बरस रहा है केवल तुम बस वहां नहीं हो। तुम खोए हो जप-तप कर, नमाज़ पढ़ भविष्य में सुखी होने की कल्पना लिए।

आनंद, सुख वर्तमान में है भविष्य में नहीं।



<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

613

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



क्या चाय पीना धर्म में पाप है उससे कुछ हानि होती है? जैसा कृष्ण भक्ति वाले लोग कहते हैं?

नहीं !

उन लोगों को कुछ भी नहीं पता, चाय नहीं “चाह” छोड़नी थी। वो बेचारे चाय तक में ही उलझ कर रह गए। दरअसल अगर गुरु ही अज्ञानी हो तो वो ऐसा कुआं खोद जाता है जिसमे उसके सारे शिष्य पूरा जीवन ही भटकते रहते हैं।



<https://jagteraho.co.in/>    <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

615

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



क्या बच्चों के नाम भगवान के नाम पर रखने से कुछ अध्यात्म का लाभ होता है ?

काश ! धर्म इतना ही सस्ता होता तो बुद्ध, महावीर, नानक, कबीर, मौहम्मद , जीजस को धर्म खोजने को इतनी मेहनत न करनी पड़ती।





<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

617

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



क्या स्त्री देह से मोक्ष संभव है ?

ये उन अनपढ़ महात्माओ का प्रश्न है जिन्होंने पुरुष प्रधान शास्त्रों की रचना की। वास्तव में उन्हें मोक्ष का तात्पर्य ही नहीं पता। मोक्ष के लिए देह बंधन नहीं है बल्कि तुम्हारी बुद्धि ही बंधन है। और जिसने अपनी बुद्धि को छोड़ा वो अभी ही मोक्ष में ही है।



<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

619

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



जब इस जीवन को छोड़ना ही है तो यहाँ जीवन में संघर्ष क्यों करना?

यही कमी है तुम्हारे उलटे धर्मों में। वो हमेशा से ही जीवन से भागने की ही शिक्षा देते आ रहे हैं।

जीवन से भागना नहीं है जीवन में जागना है।



<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

621

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



यज्ञ कैसा हो तथा किस प्रकार की आहुति दी जाये ?

यज्ञ बाहर के हवन कुंड का नाम नहीं है। यज्ञ तो हो ही रहा है परमात्मा का।

तुम बस अपनी मैं की आहुति डाल दो तो तुम्हारा भी यज्ञ सम्पूर्ण हो जाए।



<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

623

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



क्या संन्यास से ही मुक्ति मिलती है ?

वो जो कपडे बदलने को तुमने संन्यास समझ रखा है वो तो हज़ारो वर्ष पहले जो तुम्हारे मंद बुद्धि वाले महात्मा थे वो उनकी मूढ़ता की ही निशानी है। संन्यास का तात्पर्य होता है संसार से सम्बन्ध तोडना। लेकिन बाहर दिखने वाले संसार से नहीं! बल्कि उस संसार से जो तुमने बुद्धि में काल्पनिक रूप से बनाया है। जैसे स्वर्ग, मोक्ष, निर्वाण, ब्रह्मलोक, परम पद आदि। इनसे सम्बन्ध तोड़ने को संन्यास कहते है और इनसे अगर तुम सम्बन्ध तोड़ पाए तो तुम आज ही मुक्त हो।



<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

625

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



हम कैसे मान ले कि एक ही अणु से ब्रह्मांड बना?

सोचो कि दूर कोई ऐसा ग्रह है जहां पृथ्वी की तरह वातावरण हो हवा, पानी, वर्षा, उर्वरा भूमि सभी कुछ हो। और कोई भी वनस्पति न हो।

अब किसी तरह तुमने कुछ बीज वहां पहुंचा दिए और उन्हें प्रकृति के भरोसे छोड़ दिया 200 -500 वर्ष बाद तुमने दुबारा उस ग्रह की यात्रा को यान भेजा तो देखा पूरा ग्रह ही वृक्षों से भर गया। क्योंकि वृक्षों के एक एक बीज से करोड़ों बीज बने वो हवा के सहारे फैलते गए और उन करोड़ों से फिर करोड़ों बीज बने। ऐसे ही पूरा ग्रह वृक्षों से भर गया। अब कोई भी कैसे यकीन करेगा कि हमने तो कुछ ही बीज वह फेंके थे। ये ग्रह कैसे भर गया। जिस प्रकार बीज में अपने जैसे करोड़ों बनाने की क्षमता होती है उसी प्रकार प्रकृति की हर वस्तु में अपने जैसे करोड़ों अरबों बनाने की क्षमता होती है।

<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

627

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



क्या शास्त्रों में जो स्वर्ग नर्क के चित्रण है वो सही नहीं है ?

मनुष्य एक पत्ते को भी अभी तक पूर्ण रूप से समझने में सक्षम नहीं है और तुम परमात्मा और उसके लोक के चित्र बनाये घुमते तो ? सारा सर झूठ है।



<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

629

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



क्या परमात्मा का साक्षात्कार कई जन्मों के बाद ही संभव होता है?

ये मूर्खता की ही बात है। जिस दिन तुम्हें समझ आ जायेगा कि परमात्मा कौन है उसी दिन तुम उसे देख लोगे।

बस तुम्हें कुछ का कुछ समझाया गया है तो तुम भटके जा रहे हो।



<https://jagteraho.co.in/>    <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

631

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



क्या अंत समय में लिया गया परमात्मा का नाम कुछ लाभ करता है?

तुम्हारी मूर्खता को ही दर्शाता है। कि तुम आज भी मरने के बाद स्वर्ग की चाह के ही स्वप्न देख रहे हो। इससे सिद्ध होता है कि तुम्हारा पूरा जीवन नर्क में ही बीता।

मैं तुम्हें यहाँ सुखी करने की बात कर रहा हूँ और तुम अब भी मूर्खता भरे स्वप्न देख रहे हो।

parmatmana  
the ultimate wisdom



<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

633

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



क्या धर्म जीवन के अंत में करना चाहिए ?

धर्म जीवन को स्वर्ग बनाता है जीते जी। और तुम इसे अंत पर टालना चाहते हो यानी जीवन को नर्क बनाए रखना चाहते हो?



<https://jagteraho.co.in/>    <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

635

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



समाज के चार मार्ग प्रचलन में है द्वैत, अद्वैत, द्वैताद्वैत, विशिष्ट द्वैत। कौन सा ठीक है ?

जब तक कुछ भी है तब तक मार्ग का रोड़ा है। अगर कुछ भी धर्म जानना है तो सभी को मिटाना होगा।

स्वयं तक पहुंचने के मार्ग होते है क्या ?



<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

637

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



मंदिर और मस्जिद में झगड़े क्यों है ?

क्योंकि ये धर्म नहीं सम्प्रदाय है धर्म दो होते ही नहीं। और जंहा दो है ही नहीं वहां झगड़ा कैसा।

मंदिर-मस्जिद, हिन्दू-मुस्लिम धर्म नहीं सम्प्रदाय है। धर्म इन से कोसो दूर है। उसका कुछ भी नाम नहीं है बस तुम उसका अनुभव कर सकते हो।



<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

639

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



क्या सनातन धर्म सबसे पुराना है?

सनातन नाम का कोई धर्म नहीं होता। है जैसे ब्रम्हांड, जीवन, जल, वायु सनातन है यानी हमेशा से ही है वैसे ही धर्म भी सनातन है। यहाँ सनातन से तात्पर्य है कि वो हमेशा है। तो हमेशा क्या होता है ? प्रेम, करुणा, दया आदि।

न की तुम्हारा सनातन धर्म।

  
parmatmana  
the ultimate wisdom



<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

641

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



हम पाप पुण्य के जाल से कैसे बाहर निकलेंगे ?

कोई प्रज्ञावान बुद्धत्व को उपलब्ध व्यक्ति ही तुम्हें पाप पुण्य के जाल से बाहर निकाल सकता है। वरना जप तप कर या नमाज पढ़ कर तुम जाल से बाहर नहीं निकल पाओगे।



<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

643

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



हम उसे कहां देखे तथा कैसे देखें ?

पत्ते पत्ते पर उसी का नूर हिलोरे भर रहा है। क्योंकि तुम सभी ने पुराने चश्मे लगाए है और तुम धारणाएं धरकर उसे देखने का प्रयास कर रहे हो और इसी कारण चूक रहे हो।



<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

645

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



तुम्हारे कहे अनुसार अगर हम ये माने ही ले कि यह दुनिया सुख है तो हमें वो सुख कैसे मिलेगा ?

अपने अपने धर्म स्थलों पर माथा फोड़ने की जगह अगर तुम सभी इस संसार को सुन्दर बनाने की और ध्यान देते तो आज यही संसार स्वर्ग बन जाता। फिर न तो ये जीवन नर्क होता और न ही तुम्हें मरने के बाद स्वर्ग की चाह होती।

**parmatmana**  
the ultimate wisdom

<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

647

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



कौन सा शास्त्र ठीक है ?

अगर शास्त्रों से ही तुम्हें सत्य मिल सकता तो मिल ही गया होता। सत्य, विराट, परमात्मा, खुदा, बोध, शास्त्रों से नहीं शास्त्रा से मिलता है। उसे खोजो और तब तक बाहों में जकड़ लो जब तक वो स्वयं को ही पूरा न लुटा दे।





<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

649

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



इस लोक से उस लोक जाने के सेतु का पता क्या है ?

इस पार से उस पार जाने के लिए किसी जिन्दा बुद्ध, कृष्ण, नानक, मोहम्मद, या महावीर को तलाश लो। वही तुम्हे द्वैत की नदी पार करा कर अद्वैत के किनारे पर उतार देगा।



<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

651

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

652

समाधी का अनुभव कैसे मिलता है ?

जहा तुम्हारी मैं गिरती है वहां घटित होता है।



<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

653

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



कश्यप अवतार या मीन अवतार जैसी कथाएँ क्या दर्शाती हैं?

वैसे तो ये दंत कथाएँ हैं ये सत्य न भी हो तो भी इनमें तथ्य है।

कि परमात्मा, खुदा यानि जीवन सभी में एक जैसा ही विद्यमान है।



<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

655

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



क्या हम जो हिन्दू या मुस्लिम के घर पैदा हो जाते है और उसी अनुसार अपनी मान्यताएं धारण कर लेते है वो ठीक नहीं है?

दो क्षण ठहरो और अपने ही कृत्यों को देखो ! तत्क्षण पाओगे कि जो तुम कर रहे हो उसमे तुम्हारी सहमति थी ही नहीं। वो तो सभी कृत्य तुम नींद में ही करे जा रहे हो।

अब स्वयं बताओ कि अगर तुम रूस में पैदा होते तो भी क्या तुम जप तप करते ?

**parmatmana**  
the ultimate wisdom



<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

657

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



सत्य का साक्षात्कार करने की सही और छोटी विधि क्या है ?

दोनों में से एक को मिटा दो या “तू को या मैं को” ।

उसी समय सत्य का साक्षात्कार हो जायेगा ।



<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

659

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



<https://jagteraho.co.in/>    <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

660

मृत्यु के क्षण में क्या नाम मुख में आना चाहिए?

इस प्रकार जीवन जियो कि मृत्यु के क्षण में यह कह सको कि  
“मजा आ गया जीवन जीने का”।

हो सके तो ये जीवन हमें पुनः पुनः देना मैं इसे बार बार जीना  
चाहूंगा।



<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

661

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



क्या मृत्यु से बचने के लिए महा मृतुन्जय का जप कारगर नहीं है?

हो सकता है कारगर हो?

लेकिन पहले उस व्यक्ति को ढूँढ लो जिसने इसका जाप किया हो और वो अभी तक जिन्दा हो। और हो सके तो उसका नाम भी खोज लो जिसने जाप ना किया हो और वो मर चुका हो।



<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

663

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



## मोक्ष कैसे मिलेगा?

तुम मोक्ष-मोक्ष चिल्लाते हो और उसी को पाने के लिए तुम सभी उन धर्मों का सहारा लेते हो जिन धर्मों के कारण तुम बंधे हो।  
अगर तुम इस धर्मों को ही छोड़ दो तो तुम आज ही मोक्ष में हो।





जीवन क्यों मिला ?

प्रेम से जी लो, एक ही जिंदगी है, ना कहीं दूर आत्मा है और ना ही दूर कहीं मोक्ष है तुम ही पूरे पूरे बाहर और भीतर से आत्मा हो, परमात्मा हो, खुदा हो, अल्लाह हो।

जीवन केवल इसलिए मिला की तुम इसे जियो और दूसरे को भी परमात्मा और खुदा ही जानो।

**parmatmana**  
the ultimate wisdom

<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

666

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

667

क्या संसार में जो साधु सन्यासी दीखते हैं उनको परमात्मा मिल चुका है?

वो तुम्हें उनका चेहरा देख कर ही पता चल सकता है। क्योंकि जिसको परमात्मा मिल जाता है वो स्वयं में ही पूर्ण हो जाता है।  
“परमात्मा मिलता नहीं है परमात्मा हुआ जाता है”।

और जो परमात्मा ही हो जाता है वो फिर मंदिर मस्जिद में उसे खोजने क्यों जायेगा?

parmatmana  
the ultimate wisdom

<https://jagteraho.co.in/>    <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

668

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



काबा या काशी में जाने से क्या लाभ होता है?

तुम बेकार में ही काबा काशी में भटक रहे हो ये क्या कम आनंद की बात है कि तुम हो और जिन्दा जो।

अभी और क्या लाभ चाहिए तुम्हें ?



<https://jagteraho.co.in/>    <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

670

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



भारत अमीर कैसे होगा ?

चाहे जितनी बार फ़ैल हो जाओ लेकिन कसम खा लो कि जिंदगी को भाग्य के भरोसे न छोड़ेंगे।

बस यही सूक्त है भारत के और तुम्हारे अमीर होने का।



<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

672

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!





क्या संसार में दिखाई देने वाले धर्म के कारण उपद्रव है ?

अज्ञानता उपद्रव लाती है ज्ञान नहीं। अभी तुमने अधूरा ज्ञान जाना है वह उपद्रव का कारण है।

मैं तुम्हे पूर्णता को ओर ले जा रहा हूँ

कि तुम्ही ईश्वर हो, परमात्मा हो, खुदा हो।

ये अनुभव हो जायेगा तो सारा उपद्रव तुम्हारे भीतर से मिट जायेगा।

parmatmana  
the ultimate wisdom

<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

674

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



क्या मंदिर मस्जिद की रक्षा करना हमारा कर्तव्य नहीं है?

जिसे तत्त्व ज्ञान हो गया वो कहीं ईट पत्थर के मंदिर मस्जिद की फ़िक्र करता है उसके लिए तो सारा जहां उसी का मंदिर है।

उसे तो हर जगह उसी खुदा की शराब ढलती दिखती है।



<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

676

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



क्या धर्म हर व्यक्ति का जन्मसिद्ध अधिकार है ?

हाँ ! लेकिन धर्म, सत्य, बोध, ज्ञान किसी के ऊपर भी जबरन लादा नहीं जा सकता। मनुष्य को ये स्वतंत्रता है कि वो सत्य को चुने या इंकार कर दे। और फिर हिन्दू मुस्लिम से ही मन बहला ले।



<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

678

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



क्या बुद्ध, महावीर, शंकराचार्य आदि सभी एक दूसरे से मिलती जुलती बात नहीं कर रहे हैं ?

हाँ ! सभी की बात मिलती जुलती है सभी एक दूसरे की कार्बन कॉपी है। क्योंकि बुद्ध भी बुद्ध बनने से पहले थे तो हिन्दू ही, और समाज में जो विचारधारा प्रचलन में थी वो एक ही थी उसे हिन्दू कहो या सनातन। तो सभी मत एक दूसरे से ही मिलते जुलते हैं।

**parmatmana**  
the ultimate wisdom

<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

680

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!





समाज में जो धर्म है उसमे क्या क्या सुधार किया जाना चाहिए ?

उसमे सुधार की नहीं उसे उखाड़ फेंकने की आवश्यकता है क्योंकि 5500 वर्ष बीत गए क्या तुम्हारे धर्म संसार को धार्मिक बना पाए ? क्या हिन्दू धार्मिक है या मुस्लिम ? क्या सिख, ईसाई, बौद्ध, जैन कोई भी धार्मिक दिखता है तुम्हें? नहीं कुछ बुद्धिजीवी वर्ग के लोगों को सामने आकर एक नए धर्म की स्थापना करनी चाहिए?

**parmatmana**  
the ultimate wisdom

<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

682

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



क्या सन्यासी के वस्त्र धारण करने से परमात्मा प्राप्ति जल्दी हो सकती है?

पहले ये समझो कि परमात्मा क्या है ? और जब ये समझ आ जाये कि परमात्मा क्या है तो स्वयं समझ आ जायेगा कि वो बोध से मिलता है ना की वस्त्र बदलने से।



<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

684

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



हिन्दुओ में जो नागा संन्यास है उसका क्या महत्व है?

सरकारें भी चाहती है कि तुम किसी भी प्रकार की मूर्खता में पड़े रहो और उनकी सरकार आसानी से चलती रहे। तुम नागा होकर पहाड़ों में रहो या बुर्खा पहनकर कॉलेजों में दिखावा करो।

ये केवल तुम्हारी ही मूर्खता को दर्शाता है।

धार्मिक होना भीतर की आत्मा बदलने का नाम है ना की ऊपर से रूप बदलने का नाम।

**parmatmana**  
the ultimate wisdom

<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

686

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



क्या दिगंबर जो केश नुज करते है वो एक धार्मिक कृत्य है?

हिन्दू भी दंडवत परिक्रमा लगता है जब वो भी मूर्खता है तो तुमने दूसरे प्रकार की मूर्खता पाल ली इससे क्या फर्क पड़ता है।

ये धर्म का कार्य नहीं धार्मिक दिखने का कार्य है।



<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

688

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!





मुक्ति के लिये क्या आवश्यक है ? दान, जप, तप, व्रत?

तुम कुछ भी करो ज्ञान के बगैर मुक्ति घटित होना संभव नहीं है। लेकिन ज्ञान से तात्पर्य तुम पुस्तकों को पढ़ने से ही मत समझ लेना। पुस्तकों से कब किसको ज्ञान हुआ है। जिस प्रकार एम बी ए पास करने के बाद हम ये नहीं मान सकते की वो व्यक्ति व्यापार करने में निपुण है उसी प्रकार धार्मिक पुस्तकें पढ़ने से ज्ञान का कुछ भी लेना देना नहीं है। पुस्तकों का ज्ञान तो दान, जप, तप, व्रत से भी आसान है उससे कुछ ना होगा।

<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

690

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

691

क्या हमारे पुराने शास्त्रों का कुछ भी मूल्य नहीं है ?

हैं ! केवल उनके लिए जो कचरा इकट्ठा करना चाहते हैं।



<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

692

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



ज्ञान क्या है ?

तुम्हारे होने की अवस्था का नाम। तुम कुछ बोलो तो ज्ञान झरे,  
तुम ना बोलो तो ज्ञान झरे, तुम चलो तो ज्ञान झरे, तुम्हारा हर कार्य  
ज्ञान मय हो। तुम ज्ञान की एक खुली किताब हो जाओ।



<https://jagteraho.co.in/>    <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

694

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



क्या गंगा स्नान से पाप धुलते है ?

अगर पाप केवल हाथ ही करता होता तो गंगा हाथ को धो देती  
और अगर पाप तुमने मन से किए है तो डॉक्टर को साथ ले जाना  
वो तुम्हारा पेट फाड़ेगा और भीतर तक गंगा से धोएगा।



<https://jagteraho.co.in/>    <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

696

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!





आनंद कैसे मिलता है ?

त्याग से।

लेकिन इसे ऊपर ऊपर क्या त्याग मत समझ लेना। त्याग का मतलब होता है भीतर से पकड़ समाप्त हो जाना।



<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

698

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



हम जीते जी कैसे मोक्ष को उपलब्ध हो सकते है ?

5500 वर्ष पहले मधुमखी को भी यही भ्रम था कि मेरे पंख छोटे है मैं उड़ कैसे सकती हूँ फिर अचानक उनमे से भी एक मधुमखी ने अपने परमात्मा होने की घोषणा कर दी और उड़ के दिखा दिया। और उसी की देखा देखी सारी मधुमखियाँ उड़ने लग गई।

और देखना तुम आने वाले समय में सभी मनुष्य चाहे वो हिन्दू हो या मुस्लिम या अन्य 365 प्रकार के धर्मों को मानने वाले सभी मनुष्य ये घोषणा कर देंगे की वो मोक्ष में ही जी रहे है।

<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

700

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



आखिर मनुष्यों को यह भ्रम ही कैसे पैदा हुआ कि वह मुक्त नहीं है, बंधन में है ?

तुम्हारे मूर्खता भरे शास्त्रों के कारण। अगर डब्ल्यूएचओ आज ही ये घोषणा कर दें कि हवा में अमुक बिमारी का वायरस फैल चुका है। सभी टेस्ट करवाओ तो यकीन मानना तुम में से आधी दुनिया उसी वायरस से इन्फेक्टेड पॉज़िटिव होगी।

अगर तुम्हारी छाती पर ये धर्म ग्रन्थ ना रखे होते तो तुम्हे ये भ्रम ही ना होता।

<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

702

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



हम अज्ञान से कैसे मुक्त होंगे ?

पागल हो तुम? तुम्हें अज्ञान से नहीं, तुम्हारे मूढ़ता भरे ज्ञान से मुक्त होना है जिसको आज तक तुम ज्ञान मानते आए हो, उससे मुक्त हो जाओ।

और मैं जो तुम्हें अज्ञान सीखा रहा हूँ, इसे समझो बस।

रटना नहीं है, जीना है।



<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

704

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!





हमें यह अनुभव क्यों नहीं होता की जीवन ही खुदा है?

तुम छोड़ो, मछली को भी पूरा जीवन ये नहीं ज्ञात होता कि जहाँ वो है वहीं सागर है। मछली को उठाकर दो मिनट किनारे रख दो तो तत्क्षण सागर का पता चल जायेगा।

तुम भी 10 -20 दिन रोज़ एक घंटा श्मशान में जाकर बैठो। चाहे वहाँ आराम ही करो, जीवन का अनुभव हो जाएगा।

दीपक की लौ देखनी है तो रात अंधेरे में ही देख सकते हो। दिन के 12 बजे दीपक जलाएं तो लौ नहीं दिखेगी।

विपरीत में ही वास्तविक स्थिति का अनुभव होता है।

<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

706

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



आज संसार में कौन व्यक्ति है जो सही में महात्मा या संत है।

बहुत है लेकिन धार्मिक वस्त्र पहने, पीले कपड़े पहने, तिलक लगा आगे आगे पीछे हिटलर की तरह कैमरे का फौज फांटा लेकर वॉक करते नहीं दिखेंगे।

वो संत या महात्मा तुम्हे काम धंधा करता मिलेगा। पत्नी बच्चों के साथ रहता मिलेगा। तुम उसे पहचान नहीं पाओगे।

क्योंकि तुम तो ढोंगी को ही महात्मा मानते हो। धार्मिक हो ना !

धार्मिक दिखने वाला व्यक्ति आँख का अंधा होता ही है।

मुस्लिम आदमी, एक मुसलमान के ढोंगी को ही महात्मा मानता है। सिख व्यक्ति सिख के वस्त्र पहनने वाले को ही महात्मा मानता है , बौद्ध भी अपनी सोच के प्रकार के वस्त्र वाले को ही महात्मा मानता है। सभी का तो ये हाल है।

धार्मिक व्यक्ति आँख का अँधा होता है। और हमारे देश का तो दुर्भाग्य ही यह है कि यहां का तो राजा भी आँख का अंधा है।

<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

708

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



शास्त्रों से कुछ भी क्यों नहीं समझ आता?

क्योंकि शास्त्र तुम बुद्धि से पढ़ते हो और उसका द्वार हृदय से खुलता है।

इसलिए ही पंडित कोरे के कोरे ही रह जाते हैं।

कुरान कंठस्थ हो जाती है। और समझ क्या आता है जिहाद?



<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

710

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



ज्ञान के शब्द पढ़कर भी कुछ क्यों नहीं होता ?

ज्ञान के शब्दों से कुछ नहीं होता वो ज्ञान तुम्हारे रोए - रोए से निकलना चाहिए तभी कुछ होता है।



<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

712

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!





## मुक्ति के लिए कितना ज्ञान चाहिए?

एक बूंद ही काफी है सागर के गुण को समझने के लिए। सूरज की एक किरण को देख लो बस फिर उसी को पकड़कर तुम सूरज तक पहुँच जाओगे और सूरज का पता लगा सकते हो। बस इतना ही काफी है मुक्ति के लिए।

स्वयं की एक झलक तुम्हें मुक्त कर जाएगी। तुम बस देखो तो सही।

**parmatmana**  
the ultimate wisdom

<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

714

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



क्या सूर्य पर भी आत्माएं रहती है? क्योंकि जैसा शास्त्र कहते है की आत्मा को अग्नि जला नहीं सकती ?

उम्र से बड़े हो गए, लेकिन अभी भी बालकबुद्धि विद्यमान हैं।  
आत्माएं शब्द ही नहीं होता।

मैं का बहुवचन नहीं होता, तू का बहुवचन नहीं होता, परमात्मा का भी बहुवचन नहीं होता।

आत्मा परमात्मा एक ही है।

उसके टुकड़े नहीं होते। तुम आंखें तो खोलो। तुम्हारे अलावा कोई भी आत्मा परमात्मा नहीं है।



<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

716

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



क्या कोई भी शास्त्र ऐसा नहीं है जो हमें बोध दे सके ?

नहीं !

हिन्दू, मुस्लिम, सिख, ईसाई, बौद्ध, जैन या 365 प्रकार के धर्मों में कोई भी शास्त्र ऐसा नहीं है। जिसको पढ़कर तुम उस परमात्मा का साक्षात्कार कर पाओ।

शास्त्र कैसे कराएगा ?

हाँ ! जिस दिन तुम स्वयं को एक बार भी पढ़ लोगे तो तुम उस खुदा को एक ही क्षण में जान लोगे।

<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

718

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



क्या ज्यादा शास्त्र सहायक है?

नहीं।

बुद्ध - महावीर के समय में शास्त्र कम थे तो भी बुद्ध, महावीर, मोहम्मद, जीसस, नानक, कबीर पहुंचे ही ना।

मेरे देखे ज्यादा शास्त्र उसके अनुभव में बाधा ही हैं, सहायक नहीं है।

  
parmatmana  
the ultimate wisdom

<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

720

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!





उसको पाने के लिए किस समझ की आवश्यकता होती है?

समझ अगर स्कूल, कॉलेज, मंदिर, मस्जिद, गिरजे, गुरुद्वारे से मिल सकती है तो आज पूरी दुनिया समझदार होती। मंदिर मस्जिद में से सिद्धांत तो मिल सकते हैं जो बाधा ही है तुम्हारे जागरण में।

समझ तो तुम्हें खुद पैदा करनी होती है। जैसा मैंने कहा ना कि जन्म से आत्मा नहीं मिलती, आत्मा तो पैदा करनी होती है।

वैसे ही पुस्तकों से समझ नहीं मिलती। समझ तो पैदा करनी होती है।



<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

722

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



इस बात का क्या सबूत है? कि तुम जो कहते हो कि समाज धार्मिक नहीं है, वो सही है ?

अगर घर में अंधेरा दिखे तो बिल्कुल विश्वास मत करना कि दीपक जल रहा होगा। वो दीपक नहीं होगा दीपक का चित्र होगा।

अगर वास्तव में ही दीपक जलता हो तो अँधेरा रह ही कैसे सकता है।

  
parmatmana  
the ultimate wisdom

<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

724

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



तुम्हारी यह पुस्तक कितनी बार पढ़े की समझ आ जाए ? ज्ञान हो जाए और घटना घट जाए ? खुदा का, परमात्मा का साक्षात्कार हो जाए ?

अगर मेरी पुस्तक की एक भी पंक्ति तुम्हे समझ आ जाये तो कुछ और पढ़ने की आवश्यकता ही नहीं है। क्योंकि मैंने पूरी पुस्तक में एक ही सूक्त लिखा है। हज़ारों सूक्त पढ़कर करोगे भी क्या? ज्यादा सूक्त पढ़कर तो ये ही पता चलता है कि तुमने पहले का सूक्त सही नहीं पढ़ा।

<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

726

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



बुद्धत्व की दृष्टि कैसी होती है ?

बिलकुल वैसे ही जैसी दृष्टि तुम्हारी जन्म के समय थी। संसार तो तुम्हें दिखा था उस दिन पर न तो तुम्हारे लिए सुन्दर था न कुरूप , न संसार में कोई अपना था न पराया, न कोई मित्र था न शत्रु। तुम्हें तो इतना भी भान न था कि दूध पीना है वो भी जबरन पिलाया गया था।

बस वैसी ही एक दृष्टि तुम्हें बुद्धत्व से लबालब कर देगी।



<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

728

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!





## जप, तप, व्रत, अनुष्ठान कितना हो?

बस खुदा का एक नाम ही काफी है। बार बार नाम जप से तो एक ही बात सिद्ध होती है कि तुमने जो पहले किया वो पूर्ण नहीं था। अगर कोई व्यक्ति दसवीं की परीक्षा दस सालों से दे रहा है तो क्या पता चलेगा कि उसने पहले के वर्षों में जो परीक्षा दी थी वो समझदारी से नहीं दी थी।



<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

730

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



राम नाम की किताब बनाते है लोग, क्या वो सही नहीं है?

नहीं !

इससे तो ये पता चला कि तुम करोडो नाम ले चुके हो कुछ भी नहीं हुआ। जो अब तक के करोडो से नहीं हुआ वो आगे के करोडों से कैसे होगा?

अगर तुम्हारा कृत्य ठीक होता तो एक से ही हो जाता।

**parmatmana**  
the ultimate wisdom

<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

732

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



क्या मंदिरों मस्जिदों में लाउडस्पीकर लगाना सही नहीं है?

पूरा पूरा गलत है।

परमात्मा न तो बहरा है तो न ही खुशामद पसंद है। तुम सभी धार्मिक कार्य अपने लिए कम और दूसरे के लिए ज्यादा करते हो।

जब तुम्हारा सभी का धर्म ये मानता है कि ईश्वर भीतर है तो बाहर किसे सुना रहे हो ?

वो तो बिना कहे हो सुन लेता है उसे तुम बुद्धि से दोहराना चाहते हो।

parmatmana  
the ultimate wisdom

<https://jagteraho.co.in/> <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

734

केवल इसी पृष्ठ को पढ़ लो पूरी पुस्तक समझ आ जाएगी!



<https://jagteraho.co.in/>    <https://www.youtube.com/c/parmatmaguru/>

735



जिस दिन मेरी यह बातें तुम्हें समझ आने लगेगीं उस दिन तुम्हारा भी जीवन बदल जाएगा। तुम भी क्रांति की मशाल जला लोगें और अपना जीवन परिवर्तित कर लोगे। वरना तो पूरा देश नरक में, दुख में, अपराध बोध में, अज्ञानता में, भूत के सुन्दर स्वप्न में और भविष्य की कल्पनाओं में जी रहा है। 5500 वर्षों का इतिहास है हमारा फिर भी हम पिछड़े हुए है।

मैं भारत को फिर जवान बना हुआ देखना चाहता हूं। जहां फिर से अमन हो शांति हो, भाई चारा हों।

**parmatmana**  
the ultimate wisdom